संस्कृति मंत्रालय
MINISTRY OF
CULTURE
सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

वार्षिक प्रतिवेदन
2021-22
ANNUAL REPORT

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्तशासी संस्थान

INDIRA GANDHI RASHTRIYA MANAV SANGRAHALAYA, BHOPAL

An Autonomous Organisation of Ministry of Culture, Govt. of India

मानव संग्रहालय
संस्कृतियों की इंद्रधनुषी आभा | Rainbow View of Cultures

वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT
2021-22

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

INDIRA GANDHI RASHTRIYA MANAV SANGRAHALAYA, BHOPAL

नागालैण्ड के आओ नागा समुदाय के पारम्परिक युवागृह सह ग्राम द्वार 'मोरूंग'
'Morung' A traditional Youth Dormitory cum Village Gate of the Ao Naga Community of Nagaland

वार्षिक प्रतिवेदन 2021–22
Annual Report 2021-22

©

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, शामला हिल्स, भोपाल–462002 (म.प्र.) भारत
Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Shamla Hills, Bhopal-462002 (M.P.) India

राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति
(सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट XXI of 1860 के अंतर्गत पंजीकृत) के लिए
निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय,
शामला हिल्स, भोपाल द्वारा प्रकाशित

Published by
Director, Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya,
Shamla Hills, Bhopal
for Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti
(Registered under Society Registration Act XXI of 1860)

निःशुल्क वितरण के लिए
For Free Distribution

सामग्री संकलन एवं अनुवाद : डॉ. सूर्य कुमार पांडे, श्रीमती गरिमा आनंद, श्री राजेश गौतम एवं श्री गीतू याइखोम
Text Compilation & Translation : Dr. Surya Kumar Pandey, Smt Garima Anand, Shri Rajesh Gautam and Shri Gitu Yaikhom

आकल्पन : श्री ललित बागुल, कला अनुभाग, इंगांरामासं
Layout Design: Shri. Lalit Bagul, Art Section, IGRMS

छायाचित्र : छाया अनुभाग, इंगांरामासं
Photographs : Photography Section, IGRMS

टंकण कार्य: श्रीमती विजया पांड़े एवं श्री. आर्यन तेनवार
Text keying : Smt Vijaya Pandey and Shri Aryan Tenwar

मुख पृष्ठ : संग्रहालय में स्थापित माजुली, असम के नतून कमलाबाड़ी सत्र के पारम्परिक प्रवेश द्वार 'करापात' की प्रतिकृति।
Cover Page : Karapat – A replica of traditional entrance gate of Natun Kamalabadi Satra of Majuli, Assam installed in the Museum.

अंतिम पृष्ठ : इंगांरामासं में स्वच्छ भारत अभियान की झलकियाँ
Back Page : Glimpses of Swachchha Bharat Abhiyan at IGRMS.

सूची | Index

	विषय / Contents	पृष्ठ क्र. / Page No.
■	निदेशक का संदेश / Message from Director	04
■	सामान्य परिचय / General Introduction	05
1.	अधो संरचनात्मक विकासः (संग्रहालय संकुल का विकास) Infrastructure Development: (Development of Museum Complex)	
1.1.	प्रदर्शनियाँ / Exhibitions	06
1.2.	अभिलेखागारीय संसाधनो में वृद्धि / Strengthening of Archival Resources	42
2.	शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियाँ / Education & Outreach Activities	
2.1.	16 वां वार्षिक इंगारामासं व्याख्यान / 16th Annual IGRMS Lectur	43
2.2.	निदेशक इंगारामासं द्वारा विशेष व्याख्यान / Museum Popular Lectures	44
2.3.	17वां वार्षिक इंगारामासं व्याख्यान / 17th Annual IGRMS Lecture	44
2.4.	संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यान श्रृंखला / Museum Popular Lecture Series	44
2.5.	संग्रहालय विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा / PG Diploma in Museology	46
2.6.	संगोष्ठियाँ / परिसंवाद / कार्यशाला / Seminars / Conferences / Colloquium	46
2.7.	ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता / Online Quiz Competition	48
2.8.	प्रदर्शनकारी कलाओं की प्रस्तुतियाँ / Performing Art Presentations	48
2.9.	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस समारोह / Celebration of National and International Days	49
2.10.	प्रकाशन / Publications	55
2.11.	अन्य विशेष गतिविधियाँ /Other Special Activities	56
2.12.	विशेष भ्रमण / Special Visits	64
3.	ऑपरेशन साल्वेज / Operation Salvage	68
4.	दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र, मैसूर / Southern Regional Centre, Mysore	68
5.	सुविधा इकाईयाँ / Facility Units	69
6.	लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखे / Audit Report and Annual Accounts (2021-22)	
6.1.	वर्ष 2021–22 के लेखे पर लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं प्रमाण पत्र/ Audit Report and Audit Certificate on the accounts for the year 2021-22	72
6.2.	वर्ष 2021–22 के लिए वार्षिक लेखा / Annual Accounts for the year 2021-22	72
7.	अनुलग्नक / Annexures	
7.1.	राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति के सदस्य Members of Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti (RMSS)	96
7.2.	राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति की कार्यकारी परिषद के सदस्य Members of the Executive Council of Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti	98
7.3.	वित्त समिति के सदस्य Members of the Finance Committee	99

निदेशक का संदेश
Message from Director

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्तशासी संस्थान है। भारत की सांस्कृतिक विविधता के समारोहन के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना इस संग्रहालय का एक प्रमुख उद्देश्य है। भोपाल में स्थित इस संग्रहालय का एक दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र मैसूरू, कर्नाटक में स्थित है।

यह वार्षिक प्रतिवेदन विभिन्न प्रकार की गतिविधियों और कार्यक्रमों का एक विवरण है जो इस वर्ष के दौरान आयोजित की गयीं। पिछले कुछ वर्षो से कोविड–19 महामारी ने पूरी दुनिया के सामने अभूतपूर्व चुनौतियाँ एवं अवसर प्रदान किये हैं और यह संग्रहालय भी इन से प्रभावित रहा। इस महामारी के दौरान लगाये गये लॉकडाउन के कारण संग्रहालय दिनांक 16 अप्रेल से 23 जून, 2021 तक दर्शकों हेतु बंद रहा। संग्रहालय स्टाफ ने अपने–अपने घरों से कार्य किया। लॉकडाउन एवं अन्य प्रतिबंधों के कारण दर्शक संग्रहालय तक नहीं आ पा रहे थे अतः संग्रहालय ने दर्शकों से निरंतर संबंध बनाये रखने के लिये नवीन ऑनलाइन पहलें की, जिन्हें दर्शकों का बेहतर प्रतिसाद प्राप्त हुआ। इन नवाचारों में संग्रहालय के संकलन को एवं मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित प्रादर्शों को दर्शकों तक पहुँचाने के लिये 'सप्ताह का प्रादर्श' एवं 'ऑनलाइन प्रदर्शनी श्रृंखला' प्रारम्भ की गयी। इसके अंतर्गत क्रमशः 52 एवं 34 प्रादर्श प्रदर्शित किये गये। ऑनलाइन सुविधा ने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कई विद्वानों को व्याख्यान हेतु आमंत्रित करने का अवसर प्रदान किया जिससे देश विदेश के अनेक लोगों ने इन व्याख्यानों का लाभ उठाया। इस दौरान संग्रहालय ने पंचम जनजातीय साहित्य महोत्सव का भी ऑनलाइन आयोजन किया। यद्यपि इस वर्ष स्थाई संकलन हेतु प्रादर्शों का संकलन नहीं हो पाया तथापि निकट भविष्य में संग्रहालय इस कमी को पूरा करने का प्रयास करेगा। हमें आशा है कि संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से यह संग्रहालय अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने और भारत में नव संग्रहालय आंदोलन का नेतृत्व करते हुए उसे गति प्रदान करने में सफल होगा।

डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र
निदेशक, इंगांरामासं, भोपाल

Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, an autonomous organization of Ministry of Culture, Govt. of India. This Museum has a mandate of promotion of national integration through celebration of cultural diversity of India. Situated in Bhopal this Museum has a Southern Regional Centre situated at Mysuru, Karnataka.

This annual report is a record of various kinds of activities and programmes carried out throughout the year. During last few years the COVID-19 pandemic posed new challenges and opportunities to the whole world and this museum also affected from it. Because of the lockdown imposed during the pandemic the museum remain closed for the visitors from 16th April to 23rd June, 2021 The Museum staff worked form home. The visitors were not coming to the Museum due to lockdown and various other restriction. The museum took up many new online initiatives to continue the Museum-Visitors aliance which received overwhelming response. In these, initiatives 'Object of the week' and 'Online Exhibition series' were started to take Museum collections and exhibits displayed in the open air exhibition to the visitors. Under this 52 and 34 objects/exhibits were displayed respectively. The online facility provided opportunity to connect with scholars of international repute for lectures. Visitors from India and abroad took benefit of it. The Museum also organized 5th Tribal Literature Festival. Although this year Museum could not collected object for Museums reserve collection but it will try to fill up this gap in near future. We are hopeful that with the support of Ministry of Culture, Govt. of India the Museum will be successful in achieving its objectives by providing a leadership to give momentum to the new Museum Movement in India.

Dr. Praveen Kumar Mishra
Director, IGRMS

सामान्य परिचय
General Introduction

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (इंगांरामासं) (नेशनल म्यूजियम ऑफ मैनकाइंड) समय और स्थान के परिप्रेक्ष्य में मानवजाति की गाथा के प्रस्तुतिकरण में संलग्न, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्तशासी संस्थान है। 1970 के आरंभ में अभिकल्पित इंगांरामासं ने अपनी गतिविधियों की शरूआत 1977 में नई दिल्ली में एक केंद्रीय कार्यालय के रूप में की। संग्रहालय विकास हेतु आवश्यक भूमि आवंटन के पश्चात् यह संस्थान 1979 के प्रारंभ में भोपाल स्थानांतरित हो गया। इंगांरामासं का मुख्य संग्रहालय मध्यप्रदेश राज्य सरकार द्वारा प्रसिद्ध भोपाल झील के सामने आवंटित 200 एकड़ परिसर में विकसित किया जा रहा है। इंगांरामासं का एक दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र 2001 से कर्नाटक सरकार द्वारा आवंटित धरोहर भवन 'वेलिंगटन हॉउस' में कार्यरत है।

संग्रहालय मानव अभिव्यक्ति की वैकल्पिक बहुलताओं तथा मानव संस्कृतियों की समकक्ष वैधता के प्रदर्शन हेतु भारत में एक नव संग्रहालय आन्दोलन जगाने में संलग्न है। संग्रहालय राष्ट्रीय एकता तथा शोध और प्रशिक्षण को बढ़ावा देते हुए अंर्तसंगठनात्मक कार्यतंत्र का विकास कर विलुप्त प्राय किन्तु बहुमूल्य सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण हेतु भी कार्यरत है। संस्थान के अभिनव पक्ष हैं पारंपरिक कारीगरों तथा विभिन्न समुदायों से आये विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी से निर्मित मुक्ताकाश और अंतरंग प्रदर्शनियां, तथा शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियॉं। अपनी प्रदर्शनियों व साल्वेज गतिविधियों के माध्यम से इंगांरामासं भारत की पारंपरिक जीवन शैली की सौन्दर्यात्मक विशेषताओं तथा लोगों के स्थानीय ज्ञान और संस्कृति की आधुनिक समाज के साथ निरंतर प्रासंगिकता को प्रदर्शित करता तथा लोगों को परिस्थितिकी व पर्यावरण, स्थानीय मूल्यों और प्रथाओं के अभूतपूर्व विनाश के प्रति सचेत करता है।

Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya (IGRMS), (National Museum of Mankind), an autonomous organization of the Ministry of Culture, Government of India engaged to portray the story of mankind in time and space. Conceived in the early 1970s, the IGRMS began its activities in 1977 by opening a nucleus office in New Delhi. The establishment shifted to Bhopal in early 1979 on allotment of necessary land for developing the Museum. The main museum of IGRMS is being developed in an area of 200 acres' campus allotted by the State Government of Madhya Pradesh in front of the famous Bhopal Lake. A Southern Regional Centre of the IGRMS is functioning since 2001 at Mysuru a heritage building ground floor allotted by the Government of Karnataka.

The Sangrahalaya is involved in generating a new Museum movement in India, to demonstrate the simultaneous validity of human cultures and the plurality of alternatives for human articulation. The Sangrahalaya is also working for national integration, and promote research and training and inter-organizational networking for salvage and revitalization of vanishing, but valuable cultural traditions. The innovative aspects of the organization are its open-air and indoor exhibitions, built with active involvement of traditional artisans and experts drawn from different community groups; and the Education, Outreach Activities. The IGRMS through its salvage activities demonstrates the aesthetic qualities of India's traditional lifestyles, and the continued relevance of the local knowledge and mores of its people to the modern society, and cautions the people against unprecedented destruction of ecology and environment, local values and customs.

संस्थान के कार्यक्रम और गतिविधियाँ निम्नलिखित तीन उप–योजनाओं के अंतर्गत संचालित की जाती हैः

1. अधो संरचनात्मक विकासः (संग्रहालय संकुल का विकास), **2.** शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियाँ, तथा **3.** ऑपरेशन साल्वेज

The programmes and activities of the organisation are carried out under three sub-schemes namely:

1. Infrastructure Development (Development of Museum Complex), **2.** Education and Outreach activities, and **3.** Operation Salvage.

कोविड 19 महामारी से सुरक्षा उपायों के रूप में संग्रहालय दर्शकों के लिये 16 अप्रेल, 2021 से 23 जून 2021 तक बंद रहा।
As a precautionary measures of the COVID-19 pandemic, museum remained closed from 16th April, 2021 to 23rd June, 2021.

वर्ष 2021-22 में इंगारामासं द्वारा आयोजित गतिविधियों पर प्रतिवेदन निम्नानुसार है:
The report of activities carried out by the IGRMS during the year 2020-21 is given below:

01 अधो संरचनात्मक विकास
(संग्रहालय संकुल का विकास)
Infrastructure Development (Development of Museum Complex)

यह उप योजना संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनियों में नवीन प्रादर्शों की अभिवृद्धि करने, इन प्रादर्शों के नियमित रखरखाव, सामयिक और घुमंतु प्रदर्शनियों के विकास तथा 200 एकड़ में विस्तृत परिसर में सांस्कृतिक भूदृश्य का विस्तार करने हेतु उद्देशित है।

This sub scheme is aimed towards the addition of new exhibits in the open air exhibitions, regular maintenance of these exhibitions, development of temporary and travelling exhibitions and cultural landscaping of the campus spread in 200 acres.

1.1 प्रदर्शनियाँ: इंगारामासं में, जनजातीय आवास, हिमालय ग्राम, तटीय गॉव, मरूग्राम, नदीघाटी संस्कृतियॉ, विश्वबोध एवं कथापथ, शैलकला धरोहर, परंपरिक तकनीक, कुम्हार पारा–भारत की कुम्हारी परंपराएं एवं पुनीत वन, 10 मुक्ताकाश प्रदर्शनियाँ तथा वीथि संकुल–अंतरंग संग्रहालय भवन जो 12 दीर्घाओं से युक्त है।

इस समयावधि के दौरान माह का प्रादर्श, ऑनलाइन प्रदर्शनी श्रृंखला एवं सप्ताह का प्रादर्श श्रृंखला भी आयोजित की गयी।

1.1. Exhibitions: The IGRMS has 10 open-air exhibitions namely Tribal Habitat; Himalayan Village; Coastal Village; Desert Village; River-valley Cultures; Cosmology and Narrative Trail; Rock Art Heritage; Traditional Technology Park; Kumhar Para- Pottery Traditions of India; and Sacred Groves and 12 galleries in the Veethi Sankul–the indoor museum building.

During the period Exhibit of the Month Online Exhibition Series and Object of the Week Series were also organised.

1.1.1 मुक्ताकाश प्रदर्शनियाँ:

1.1.1.1 नवीन प्रादर्शो की वृद्धि: संग्रहालय सांस्कृतिक विविधता के एक भाग के रूप में भारत की स्थापत्य विविधता, रचनात्मक कौशल एवं तकनीकी ज्ञान को अपनी भोपाल स्थित प्रदर्शनियों में प्रदर्शित करने का व्यवस्थित प्रयास कर रहा है। क्यूरेटोरियल विंग के सदस्य निम्नांकित प्रदर्शनियों के अद्यतन एवं संधारण में संलग्न रहे।

क. छत्तीसगढ़ के माटी एवं चुरू उत्सव की टेराकोटा पट्टिकाएं: मिथक वीथि मुक्ताकाश प्रदर्शनी में माटी और चुरू उत्सव कहे जाने वाले एक प्रादर्श की अभिवृद्धि की गयी। यह तीन दिवसीय उत्सव चैत्र माह में अच्छी फसल हेतु धरती के प्रति कृतज्ञता में किया जाता है। पट्टिकाएं कोंडागांव, छत्तीसगढ़ के प्रसिद्व टेराकोटा कलाकार श्री सहदेव राणा द्वारा बनायी गई।

1.1.1.2 मुक्ताकाश प्रदर्शनियों का रखरखाव एवं संधारण:

अवधि के दौरान संग्रहालय स्टाफ द्वारा विविध प्रादर्शों की मरम्मत और रखरखाव के साथ ही स्थानीय कर्मियों और विभिन्न स्थानों के कलाकारों द्वारा निम्नलिखित कार्य भी किये गये:

क. गुजरात के 6 पारम्परिक कलाकारों द्वारा जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी में राठवा जनजाति, गुजरात के पारम्परिक आवास का नवीकरण कार्य किया गया। (दिसम्बर, 2021)

ख. कुम्हार पारा मुक्ताकाश प्रदर्शनी में रैम्प और बेहतर पगडंडी निर्माण कर दिव्यांग व्यक्तियों के लिये दर्शक सुविधाओं का उन्नयन किया गया। (दिसम्बर, 2021)

ग. इंगारामासं की मुक्ताकाश प्रदर्शनी पारंपरिक तकनीकी उधान में विद्यमान डिस्प्ले शेड्स के नवीकरण और बिहार के एक प्रादर्श करीन तथा सुन्दरवन, पश्चिम बंगाल से धान झराई कला के प्रदर्शन हेतु शेड्स का पुनर्निर्माण किया गया। (जनवरी, 2022)

घ. मुक्ताकाश प्रदर्शनी मिथक वीथि में संयोजित चेरियाल पेंटिग का नवीनीकरण तेलंगाना से कलाकारों को आमंत्रित कर किया गया। (मार्च, 2022)

1.1.1. Open Air Exhibitions:

1.1.1.1 Addition of New exhibits: The museum is making systematic efforts to showcase the architectural diversity, creative skills and technical wisdom of India as part of cultural diversity in its open-air exhibitions at Bhopal. Members of the Curatorial Wing were engaged in updating and maintenance of these exhibitions.

a. Terracotta plaques of Maati and Churu festival, Chhattisgarh: Mythological Trail open air exhibition enriched with installation of new exhibit called Maati and Charu festival from Chhattisgarh. This festival is celebrated for three days in the month of Chaitra (March-April) to express gratitude to mother earth for a good harvest. The plaques were made by well-known terracotta artist Shri Sahadev Rana from Kondagaon, Chhattisgarh.

1.1.1.2 Maintenance and renovation of open-air exhibitions:

Besides regular maintenance and upkeep of various exhibits by museum staff, the following works were done by artists from various places and local workers during the period:

a. Renovation work of the traditional housetype of Rathwa tribe, Gujarat in Tribal Habitat open air exhibition carried out by 6 traditional artists from Gujarat (December, 2021)

b. Visitor facilities for differently abled persons got updated by creating better pathways and ramps at Kumhar Para-open air exhibition.(December, 2021)

c. In Traditional Technology Park, Open air exhibition of IGRMS existing display shades were renovated and two shades for display of Kareen: an exhibit from Bihar and Dhanjharai Kal- from Sundarben, West Bengal were reconstructed. (January, 2022)

d. Renovation of Cheriyal Painting displayed in Mythological Trail open air exhibition was carried out by inviting artists from Telangana. (March, 2022)

1.1.2 वीथि संकुलः अंतरंग संग्रहालय भवनः वीथि संकुल की दीर्घा क्र. 11 में 'भारत के पूर्वोत्तरी क्षेत्रों की संस्कृतियाँ' नामक एक नवीन स्थाई प्रदर्शनी विकसित की गई। श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा (आइ.ए.एस.) अपर सचिव संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 26 अगस्त, 2021 को प्रदर्शनी का उद्घाटन कर दर्शकों हेतु खोली गयी। यह प्रदर्शनी देश के पूर्वोत्तरी क्षेत्रों की समृद्व सांस्कृतिक धरोहर की झलक प्रदान करते 12 विषयनिष्ठ खण्डों में प्रदर्शित है। इन खण्डों में मणीपुर से पफल का मिथकीय जगत, असम की सत्रीय संस्कृति, त्रिपुरा, मेघालय एवं मिजोरम से विविध संकलन, मणिपुर की वस्त्र परंपराए, अरूणाचल प्रदेश के जनजातीय आभूषण, पूर्वोत्तरी क्षेत्र की जनजातियों के पारंपरिक शस्त्र, नागा संग्रह, सिक्किम पर एक भाग (सिक्किम एवं सिक्किम वासी) शामिल है।

1.1.2 Veethi Sankul: the indoor museum building: A new permanent exhibition on 'Cultures of Northeast Regions of India' was developed in the Gallery no. 11 of Veethi Sankul, the indoor museum building. It was inaugurated on 26th August, 2021 and opened for the public by Shri Partha Sarathi Sen Sharma (IAS), Additional Secretary, Ministry of Culture, Govt. of India. The exhibition consists of display in 12 thematic sections to provide a glimpse of the rich cultural heritage of the North-eastern regions of the country. These sections include - Mythical World of the Paphal, Manipur, The Satra Culture of Assam, various collection from Tripura, Meghalaya and Mizoram, Textile traditions of Manipur, Tribal Ornaments of Arunachal Pradesh, Traditional Weapons of the tribes of North-East region, Naga Collections, Sikkim Corner (Sikkim and the Sikkimese).

A-D - श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा, अपर सचिव संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संग्रहालय के अंतरंग प्रदर्शनी भवन की दीर्घाओं का अवलोकन |/Observation of Indoor exhibition gallery by Shri Parth Sarthi Sen Sharma, Additional Secretary, Ministry of Culture, Govt. of India.

1.1.3 अस्थाई एवं घुमंतु प्रदर्शनियाँः समीक्षावधि के दौरान निम्नांकित सामायिक प्रदर्शनियॉ भोपाल में विकसित एवं प्रदर्शित की गई।

1.1.3.1 अंतर्राष्ट्रीय विश्व देशज जन दिवस के अवसर पर एक अस्थाई प्रदर्शनी 'ट्राईब्स ऑफ इंडिया': द कल्चरल पेनोरमा ऑफ इंडियन ट्राइब्स नामक प्रदर्शनी जिसमें छायाचित्र एवं प्रादर्श समाहित हैं वीथि संकुल अंतरग संग्रहालय भवन में दिनांक 9 अगस्त, 2021 को संयोजित की गयी। इंगांरामासं में लम्बे समय से कार्यरत दो वरिष्ठ भील कलाकार श्रीमती भूरीबाई एवं श्रीमती गंगूबाई द्वारा प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया।

1.1.3 Temporary/ Periodical Exhibitions: During the period under review, following periodical exhibitions were developed and exhibited in Bhopal.

1.1.3.1 On the occasion of International Day of World's Indigenous Peoples, a temporary exhibition entitled, 'Tribes of India: The Cultural Panorama of Indian Tribes' consisting of photographs and objects was mounted at Veethi Sankul, the indoor museum building on 9th August, 2021. The exhibition was inaugurated by two very senior Bhil artist namely Smt. Bhuri Bai and Smt. Gangu Bai working in IGRMS for a longtime.

A,B - अतंर्राष्ट्रीय विश्व देशज जनदिवस के अवसर पर संयोजित सामयिक प्रदर्शनी उद्घाटन की झलकियाँ।/ Glimpses of Inaugural of Periodical exhibition organized on International Day of World's Indigenous Peoples.

1.1.3.2 भारतीय राज्यों की सांस्कृतिक विविधता और उसमें अंतर्निहित एकता के उत्सव हेतु इंगांरामासं द्वारा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की मुख्य विषयवस्तु के रूप में भारत के लोग नामक एक नवीन प्रदर्शनी श्रृंखला शुरू की गई । समीक्षावधि के दौरान निम्नांकित दो विशेष प्रदर्शनियाँ संयोजित की गई ।

अ. गुजरातः गुजरात के लोक एवं जनजातीय समुदायों से सम्बन्धित इंगांरामासं के विविधतापूर्ण संग्रह के माध्यम से गुजरात की लोक एवं जनजातीय कला और संस्कृति को दर्शाती एक प्रदर्शनी 16 नवम्बर, 2021 को उद्घाटित की गईं।

1.1.3.2 In order to celebrate the cultural diversity of Indian states and their underlying unity, IGRMS began a new series of exhibition under the theme of 'Ek Bharat Shreshtha Bharat' as People of India. Following two special exhibitions were mounted during the period under review:

a. Gujarat: An exhibition showcasing the folk and tribal art and culture of Gujarat through vivid collection of IGRMS belonging to folk and tribal communities of Gujarat was inaugurated on 16th November, 2021.

A,B - गुजरात की कला व संस्कृति पर केन्द्रित प्रदर्शनी की झलकियाँ। ।/ Glimpses of exhibition focused on Art and Culture of Gujarat.

ब. पश्चिम बंगालः भारत के लोग श्रृंखला की दूसरी कड़ी 'पश्चिम बंगाल की लोक एवं जनजातीय कला एवं संस्कृति' पर एक विशेष प्रदर्शनी के शुभारम्भ के साथ सम्पन्न हुई। प्रदर्शनी कला एवं शिल्प, संगीत, अनुष्ठान,कृषि एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों, घरेलु उपकरण, वस्त्र इत्यादि विषयों पर लगभग 300 प्रादर्शो के प्रदर्शन से युक्त थी। प्रदर्शनी का शुभांरभ 15 जनवरी, 2022 को किया गया।

b. West Bengal: Second episode of the series people of India commenced with inauguration of special exhibition on folk and tribal art and culture of West Bengal. The exhibition comprised of nearly 300 objects displayed in various thematic sections like art & craft, musical, ritual, agriculture and other substantial activities, household, textile, etc. The exhibition was inaugurated on 15th January, 2022.

A,B - पश्चिम बंगाल की कला व संस्कृति पर केन्द्रित प्रदर्शनी की झलकियाँ ।/ Glimpses of exhibition focused on art and culture of West Bengal.

1.1.3.3 संग्रहालय के 46 वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर तीन सामायिक प्रदर्शनियाँ विकसित कर दर्शकों को लोकार्पित की गई। प्रदर्शनियों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:

अ. मानव संग्रहालय – विचार से वास्तविकता: यह प्रदर्शनी पुनर्वलोकन के रूप में छायाचित्रों और प्रादर्शों के जरिये इस संग्रहालय के एक विचार से वास्तविकता बनने की कठिन यात्रा दर्शकों सहित इसके विविध हितग्राहियों के साथ इसके विस्तार एवं विकास को समझने एवं समझाने हेतु संयोजित की गयी। इस प्रदर्शनी का अद्घाटन श्री शिव शेखर शुक्ला, आइ.ए.एस, प्रमुख सचिव, संस्कृति एवं पर्यटन, म.प्र. सरकार द्वारा दिनांक 21 मार्च, 2022 को इंगांरामासं के अंतरंग संग्रहालय भवन वीथि संकुल में किया गया।

1.1.3.3 On the occasion of 46th Foundation Day celebration of IGRMS, three periodical exhibitions were developed and dedicated to the visitors. A brief description of the exhibitions are as follows:

a. Manav Sangrahalaya – From Idea to Reality: This exhibition is a retrospection to understand and explain the relentless story of this Museum starting from an idea and becoming a reality, its expansion and development encompassing its various stakeholders and visitors through photographs and selected objects. The exhibition was inaugurated by Shri Shiv Shekhar Shukla, IAS, Principal Secretary, Culture and Tourism, Govt. of M.P. on 21st March, 2022 at Veethi Shankul The indoor Museum building of IGRMS.

A,B - मानव संग्रहालय विचार से वास्तविकता प्रदर्शनी की झलकियाँ। / Glimpses of Exhibition of Manav Sangrahalaya from Idea to Reality.

ब. आजादी के मतवाले: (मध्य प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानियों के विशेष संदर्भ में) भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के अज्ञात नायकों पर केंद्रित एक छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 23 मार्च,2022 को इंगांरामासं के शैल कला धरोहर भवन में किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, निदेशक, इंगांरामासं द्वारा श्री अशोक कुमार तिवारी, इंगांरामासं के पूर्व क्यूरेटर के साथ दिनांक 23 मार्च, 2022 को किया गया ।

b. Azadi Ke Matwale: (with special reference to freedom fighters of Madhya Pradesh) A photographic exhibition focused on unsung heroes of Freedom movement of India was organized at Rock Art Heritage building in IGRMS. The exhibition was inaugurated by Dr. Praveen Kumar Mishra, Director, IGRMS with Shri Ashok Kumar Tiwari, Former Curator, IGRMS on 23rd March, 2022.

A,B - आजादी के मतवाले प्रदर्शनी की झलकियाँ। / Glimpses of Azadi Ke Matwale Exhibition.

स. पुस्तक प्रदर्शनी: दिनांक 23 मार्च, 2022 को संग्रहालय के संदर्भ पुस्तकालय में स्वंतत्रता के गौरवशाली इतिहास पर 'साहित्य में स्वराज' नामक प्रदर्शनी का संयोजन किया गया।

c. Book Exhibition: A Book Exhibition on the glorious history of independence entitled 'Swaraj in literature' was mounted at the Reference Library of the Museum on 23rd March, 2022.

A,B- 'साहित्य में स्वराज' नामक प्रदर्शनी की झलकियाँ।/ Glimpses of 'Swaraj in Literature' exhibition.

1.1.4 माह का प्रादर्शः

इंगारामासं की एकल प्रादर्श प्रदर्शनी श्रृंखला 'माह का प्रादर्श' न केवल दर्शकों को संग्रहालय के अनूठे संग्रह से परिचित कराने और उससे संबंधित समुदाय की अपितु उस प्रादर्श की भी विस्तृत जानकारी प्रदान को उद्येशित हैं। इस श्रृंखला में इंगारामासं के स्थायी संग्रह में से एक चयनित प्रादर्श को हर माह प्रदर्शित किया जाता है। समीक्षावधि के दौरान विभिन्न लोक एवं जनजातीय जनसमूहों से सबद्ध उनके सांस्कृतिक जीवन को दर्शाती निम्नाकिंत 10 प्रादर्शों को प्रदर्शित किया गयाः

क. गजमुखः हाथी के मुख वाला भगवान गणेश का यह मुखौटा दीवारो पर सज्जा हेतु लगाया जाता है और रघुराजपुर, ओडिशा के लोक कलाकारों के रचनात्मक कौशल का नमूना है। (अप्रेल, 2021)

ख. ढोल एवं दमाउः उत्तराखंड में विभिन्न अवसरों पर प्रयुक्त एक प्राचीन लोक ताल वाद्ययन्त्र जिसे मंगल यंत्र के नाम से भी जाना जाता है। (जुलाई, 2021)

ग. काठ बानमः संथाल जनजाति का काष्ठ निर्मित एक तारीय धनुर्वाद्य (अगस्त, 2021)

घ. थिग्मे पाबूः लद्दाखी महिला का जूता (सितम्बर, 2021)

कृ रेटिओः गुजरात के रबारी समुदाय में उपयोग किया जाने वाल पारंपरिक चरखा (अक्टूबर, 2021)

च. रात्रि देवीः झारखंड में सराईकेला छाऊ नृत्य में उपयोग किया जाने वाला रात्रि देवी का एक पांरपरिक मुखौटा। (नवम्बर, 2021)

छ. सुराहीः बिकानेर, राजस्थान के उस्ता समुदाय द्वारा जल अथवा मदिरा परोसने हेतु उपयोग किया जाने वाला एक पारंपरिक जग (दिसम्बर, 2021)

ज. परया ढोलः छत्तीसगढ़, बस्तर का एक ताल वाद्य यंत्र । (जनवरी, 2022)

झ. पूत्कुलीः नीलगिरी, तमिलनाडु की टोडा जनजाति का एक पारंपरिक शॉल। (फरवरी, 2022)

ट. नरसिंहाः कुल्लू हिमाचल प्रदेश के लोक समुदायों के मध्य उपयोग की जाने वाली तुरही। (मार्च, 2022)

1.1.4 Exhibit of the Month:

Single object exhibition series of IGRMS entitled 'Exhibit of the month' intends to make visitors introduced with unique collection of the Museum as also to provide detail information about a particular object and the community related with. In this series, a selected object from the Museum's reserve collection is displayed every month. During the period under review following 10 objects belonging to various folk and tribal populations and reflecting their cultural life had been displayed:

a. Gajamukha: An elephant faced mask representing Lord Ganesha used as decorative piece on the walls and is a sample of creative skill of the folk artists of Raghurajpur, Odisha (April, 2021)

b. Dhol and Damau: An ancient folk percussion instrument also known as the Mangal Yantra used in Uttarakhand on various occasions (July, 2021)

c. Kath Banam: A bowed monochord wooden fiddle of Santhal tribe (Aug, 2021)

d. Thigme Pabu: A shoe of a Ladakhi Women (Sept, 2021)

e. Retio: A traditional Spinning Wheel used among the Rabari Community of Gujarat (Oct, 2021)

f. Ratri-Devi: A traditional mask of Ratri Devi used in the Seraikela Chhau dance in Jharkhand. (Nov, 2021)

g. Surahi: It is a traditional jug for serving water or wine used by the Usta community of Bikaner, Rajasthan. (Dec, 2021)

h. Paraya Dhol: A percussion musical instrument from Bastar, Chhattisgarh. (Jan, 2022)

i. Poothkuli: A Traditional Shawl of Toda Tribe from Nilgiri, Tamil Nadu (Feb, 2022)

j. Narasingha: A Trumpet used among the folk communities in Kullu, Himachal Pradesh (Mar, 2022)

1.1.4.क/a

1.1.4.ख/b

1.1.4.ग/c

1.1.4.घ/d

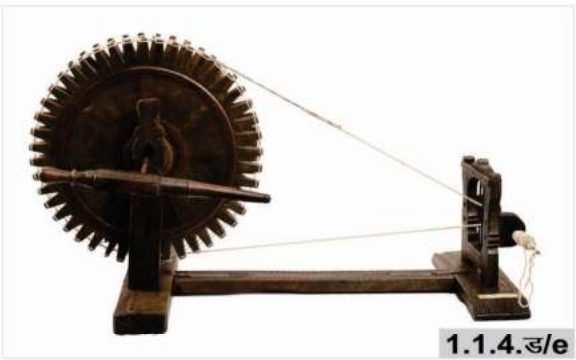
1.1.4.ङ/e

1.1.4.च/f

1.1.4.छ/g

1.1.4.ज/h

1.1.4.झ/I

1.1.4.ट/j

'माह का प्रादर्श' प्रदर्शनी श्रृंखला की झलकियाँ।

Glimpses of the 'Exhibit of the Month' exhibition series.

1.1.5 सप्ताह का प्रादर्श: वर्ष भर कोविड 19 महामारी के दौरान अपने संग्रह और उसके प्रदर्शन के माध्यम से संग्रहालय और दर्शकों के बीच संबंध कायम रखने की चुनौती से निपटने हेतु इंगांरामासं द्वारा प्रत्येक सोमवार को सोशल मीडिया पर एक चयनित प्रादर्श के प्रस्तुतिकरण की श्रृंखला 'सप्ताह का प्रादर्श' निम्नलिखित 52 प्रादर्शों की प्रस्तुति के साथ जारी रही:

1. ताम्बरम परमा गदरम: यह तमिलनाडु के चेट्टियार समुदाय द्वारा पानी लाने और भंडारण करने हेतु उपयोग किया जाने वाला तांबे का एक बड़ा पात्र है। इस विशाल पात्र की बेलनाकार बनावट ऊपर की ओर कुछ फैली हुई है। (5–11 अप्रेल,2021)

2. चीना बरनी: यह चीनी मिट्टी से निर्मित बड़े आकार का एक चमकीला पात्र है जिसकी बाहरी परत नारियल की रस्सी द्वारा ढकी गयी है। इस प्रकार के बड़े बर्तन मुख्यतः खाद्य पदार्थो विशेषतः अचार को लंबे समय तक संरक्षित करने हेतु केरल के नायर समुदाय द्वारा उपयोग किये जाते हैं (12–18 अप्रेल, 2021)

3. चुनैटा: पीतल का बेलनाकार पात्र जिसमें दोनों सिरों पर अर्धगोलाकार घुंडी वाला ढक्कन है एवं चूना और तंबाकू रखने के लिए मध्य प्रदेश और पड़ोसी राज्यों में सोनी समुदाय द्वारा प्रयोग किया जाता है। (19–25 अप्रेल, 2021)

4. माड़िया: यह छत्तीसगढ़ के दंडामी माड़िया समुदाय से संबंधित एक ढोलवादक की कांस्यमूर्ति हैं जो कि नृत्य के पारम्परिक परिधान में एक प्लेटफार्म पर खड़ी मुद्रा में दर्शाई गयी है। यह मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में बसे घड़वा समुदाय द्वारा की जाने वाली ढोकरा कला का शानदार नमूना है। (26 अप्रेल, 2 मई, 2021)

5. बक्सा: हिमाचल प्रदेश के लोक समुदायों द्वारा प्रयुक्त यह काष्ठ निर्मित आयताकार बक्सा है जिसे परिधान एवं घर की अन्य कीमती वस्तुओं को रखने हेतु उपयोग किया जाता है। लकड़ी के इस सन्दूक की मुख्य विशेषता बाहर की ओर से हिरण के चमड़े के आवरण का होना हैं। (3–9 मई, 2021)

1.1.5 Object of the Week: In order to meet the challenge of maintaining museum – visitor alliance through collection and its display during Covid-19 pandemic 'Object of the Week' exhibition series by presenting a selected object every Monday on social media continued during the year with presentation of 52 following objects:

1. Tambaram Perma Gadaram: It is a large copper vessel used for carrying and storing water used among the Chettiar community of Tamil Nadu. The huge vessel has a cylindrical body slightly flared towards the upper part (5th – 11th April, 2021).

2. China Barni: It is big size glazed earthenware made of china clay wrapped and woven with coconut rope around its outer surface. This kind of huge ceramic vessels are mainly used to preserve food items particularly pickle for a longer period among the Nair community of Kerala. (12th – 18th April, 2021).

3. Chuneta: It is a cylindrical brass container having hemispherical knobbed lids at both ends used for keeping lime and tobacco used by the Soni community residing in Madhya Pradesh and neighboring states (19th -25th April, 2021).

4. Madia: It is a bell metal sculpture of a drummer belonging to the Dandami Maria Community of Chhattisgarh. It is shown standing on a platform in traditional dance attire. It is a marvelous object of Dhokra art, an age old technique of lost wax casting practiced by the Ghadwa community residing in Chhattisgarh and Madhya Pradesh (26th April – 2nd May, 2021).

5. Baksa: It is a rectangular wooden box used among the folk communities of Himachal Pradesh. It is used for storing clothes and other precious belongings of the house. The significant features of the wooden box is the presence of Deer skin covering the outer surface (3rd – 9th May, 2021).

ताम्बरम परमा गदरम/Tambaram Perma Gadaram

चीना बरनी/China Barni

माड़िया/Madia

बक्सा/Baksa

चुनैटा/Chuneta

6. नक्टा: यह छत्तीसगढ़ के मुरिया समुदाय द्वारा विविध अवसरों मुख्यतः छेरता उत्सव के दौरान उपयोग किया जाने वाला काष्ठ निर्मित मुखौटा है। इस त्यौहार पर युवाओं का समूह घर– घर जाता है एवं छेरता हेतु चावल एवं अन्य खाद्य पदार्थो की मांग करता है। इसी समूह का एक व्यक्ति मुखौटा लगाए एवं हाथ में छड़ी लिए विदूषक बनकर ग्रामीणों का मनोरंजन करता है इस अवसर पर एकत्रित किया गया अनाज सामूहिक भोज में उपयोग किया जाता है। (10–16 मई, 2021)

7. चुंडन वल्लम / पल्ली ओडम: यह केरल की अंजलि लकड़ी से निर्मित एक लंबी सर्पाकार नाव है। 110 फीट लम्बी यह नाव अपने उठे हुए शीर्ष के कारण सर्प की आकृति का आभास देती है। इस विशेष नाव ने लगभग दस दशक पूर्व केरल के वार्षिक उत्सव (नाव दौड़ उत्सव) में भाग लिया था तथा अनेकों पुरस्कार जीते एवं कहा जाता है कि 1960 के नौका उत्सव में इसे तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया।(17–23 मई, 2021)

6. Nakta: It is a wooden mask used by the Muria community of Chhattisgarh during various occasions especially on Chherta festival. In this festival, a group of young men visits house to house and ask for Chherta in the form of rice and other food items. A young man from the group entertains the villagers as a jester wearing a mask and holding a stick in his hand. The grain collected during the Chherta is served in a mass feast (10th – 16th May, 2021).

7. Chundan vallam / Palli-odam: It is a long snake boat made out of Anjali wood from Kerala. This 110 ft long boat resembles a snake with its hood raised. This particular boat participated in the annual vallamka festival (boat race festival) for nearly ten decades ago in Kerala. This boat won several prizes and was said to be honored by the then Prime Minister of India during one of the boat festival in 1960 (17th – 23rd May, 2021).

8. बरसेला: यह हिमाचल प्रदेश के लोक समुदायों द्वारा मृतकों की याद में बनाया जाने वाला पत्थर का स्मृति स्तंभ हैं। इस स्मृति स्तंभ में एक अलंकृत आले में राजा रानी की आकृतियॉ उत्कीर्णित है। इन प्रस्तरों की पूजा मृतक के परिवार द्वारा व्यक्ति की मृत्यु के एक वर्ष के बाद तक की जाती थी। (24–30 मई, 2021)

9. चौसठी देवी के अनुष्ठान को दर्शाती गोंड चित्रकारी: इस चित्र में गोंड जनजाति के टेकाम गोत्र की कुलदेवी चौसठी देवी के अनुष्ठान दृश्य का चित्रण किया गया है। इस देवी की पूजा प्रतिवर्ष चैत्र नवरात्रि (मार्च – अप्रेल) पर स्वास्थ्य, सम्पन्नता एवं खुशहाली हेतु की जाती है। यह चित्र गोंड कलाकार स्व. श्री जनगण सिंह श्याम द्वारा कैनवास पर बनाया गया है। (31 मई–6 जून, 2021)

10. खिसरा: लकड़ी से बना यह द्विमुखीय मुखौटा छत्तीसगढ़ के रजवार समुदाय में सैला नृत्य में पुरूषों द्वारा उपयोग किया जाता है। इस उत्सव का आयोजन उनके कैलेन्डर के अनुसार पौष माह (दिसम्बर– जनवरी) में किया जाता है। (7–13 जून,2021)

8. Barsela: It is a memorial stone pillar erected particularly in the memory of the dead among the folk communities of Himachal Pradesh. This memorial stone consists carved figures of king and queen together within an ornamented niche. Such stones were worshiped by the deceased family for one year after the death (24th – 30th May, 2021).

9. Gond Painting depicting the ritual of Chounsathi Devi: The painting illustrated the ritual scene of Chounsathi Devi, the mother goddess worshiped by the Tekam clan of Gond tribe. This deity is worshipped every year during Chaitra Navratri (March-April) for the well-being, prosperity and happiness. This painting is created on canvas by famous Gond artist Late Shri Jangarh Singh Shyam. (31st May – 6th June, 2021).

10. Khisra: It is a double faced wooden mask used by men of Rajwar community of Chhattisgarh at the time of Saila dance. The festival is held in the month of Paush (December- January) according to their lunar calendar (7th -13th June, 2021).

बरसेला/Barsela

गोंड चित्रकारी/Gond Painting

खिसरा/Khisra

11. कातली: यह छत्तीसगढ़ की कमार जनजाति द्वारा उपयोग किये जाने वाला गोलाकार मुख्य संरचना, संकरी होती भुजाओं और मुंह वाला धातु का एक बड़ा बर्तन है। (14–20 जून, 2021)

12. बांकुरा घोड़ा: यह पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले के कर्मकारों द्वारा निर्मित लकड़ी के घोड़ों का एक जोड़ा है। टेराकोटा मे अत्यधिक अंलकरण के साथ लंबी गर्दनदार ये खोखले घोड़े बांकुरा घोड़ों की पहचान है। (21–27 जून, 2021)

13. पटलो / पाटला: यह गुजरात की राठवा जनजाति द्वारा उनके विवाह में प्रयुक्त नक्काशीदार पीढ़ा है। कम उँचाई वाले आयताकार पीढ़े पर सुंदर ज्यामितीय नक्काशी की गई है। (28 जून–4 जुलाई, 2021)

14. माड़िया खंब: यह बस्तर, छत्तीसगढ़ की मुरिया जनजाति का काष्ठ निर्मित स्मृति स्तंभ है। खूबसूरती से तराशा गया यह स्तंभ लकड़ी की एक ही बल्ली से बनाया गया है। इसके चारों ओर नक्काशी है। इस स्तंभ के ऊपरी भाग को एक बर्तन का आकार दिया गया है जिसके शीर्ष पर कलश स्थापित है। (5–11 जुलाई, 2021)

11. Katli: It is a large metal utensil having round body, tapering shoulder and narrow mouth used among the Kamar tribe of Chhattisgarh. (14th -20th June, 2021).

12. Bankura Ghoda: It is a pair of wooden horses made by the Karmakars of Bankura district of West Bengal. The hollow terracotta horse with excessive ornamentation and long neck marks the hallmark of the Bankura horse. (21st- 27th June, 2021)

13. Patlo / Patla: It is a beautifully carved wooden seat used among the Rathwa tribe of Gujarat during their marriage ceremony. The low height rectangular wooden seat is profusely carved with intricate geometric designs (28th June -4th July, 2021).

14. Madia Khamb: It is a wooden memorial pillar of the Muria tribe of Bastar, Chhattisgarh. This beautifully carved pillar is made out of single wooden log. It has carving on four sides. The top extension of the pillar is fashioned in the form of a pot topped by a circular finial (5th -11th July, 2021).

पटलो/Patlo

माड़िया खंब/
Madia Khamb

कातली/Katli

बांकुरा घोड़ा/Bankura Ghoda

15. दगिसाः यह आंध्रप्रदेश के लोक समुदायों द्वारा अनुष्ठान एवं उत्सवी अवसरों पर प्रयुक्त तांबे का एक बड़ा पात्र है। यह पात्र तांबे की मोटी चादर से बना है जिसे हथौड़े से सावधानीपूर्वक सपाट और गोलाकार रूप प्रदान किया जाता हैं। इस प्रकार के बड़े पात्र सामान्यतः सामुदायिक सम्पत्ति होते है और गांव में सामुदायिक भवनों में रखे जाते हैं। (12–18 जुलाई, 2021)

16. अन्नापक्षी विल्लकुः यह केरल में प्रयुक्त लॉस्ट वैक्स विधि से तैयार किया गया पीतल का एक दीपक है जो गोलाकार आधार, लम्बे मध्य भाग और तेल तथा बाती के लिये फैले कटोरे से युक्त है। दीपक के शीर्ष भाग में अन्नापक्षी चिड़िया की आकृति है। विशेष अवसरों पर अन्नापक्षी विल्लकु के प्रज्वलन से समरसता और सकारात्मकता आती है। (19–25 जुलाई, 2021)

17. दोड़–मालाः यह माला स्थानीय रूप से दोड़ के नाम से पहचाने जाने वाले रीठे की आकृति के समान चॉदी के मनकों से तैयार की गई है। रीठे रूपी यह मनके परस्पर रगड़ने पर गड़गहाहट की ध्वनि उत्पन्न करते हैं। (26 जुलाई–1 अगस्त, 2021)

18. केरिंग / केरंगः गदबा और परेंगा महिलाओं द्वारा संस्कृति के अभिन्न अंग के रूप में प्रयुक्त कमर पर पहना जाने वाला यह वस्त्र छाल से बना है। यौवनावस्था की प्राप्ति के उपरांत यह वस्त्र घाघरे के रूप में अनिवार्य तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। (2–8 अगस्त, 2021)

15. Dagisa: It is a large copper vessel used among the folk communities of Andhra Pradesh having ceremonial and festive utility. The utensil is made of thick copper sheet which is carefully hammered to give smooth round shape. These kind of large vessels are generally community property and kept in community houses of the village (12th – 18th July, 2021).

16. Annapakshi Villaku: It is a brass lamp made by lost wax method used in Kerala, having a circular base, long stem and flaring bowl for carrying oil with wicks. The lamp is topped by an Annapakshi bird. Lighting of Annapakashi villaku at special occasions brings in harmony and positive energy (19th -25th July, 2021).

17. Dod-Mala: It is a necklace made up of silver beads resembling soap nut (ritha) locally known as dod. The soap nuts produce a rumbling sound when rubbed together (26th July – 1st August, 2021).

18. Kering /Kerang: It is a waist cloth made of bark string used as an inseparable cultural entity of Gadaba and Parenga women. This cloth is an inevitable items used as skirt by girls after the attainment of her puberty (2nd – 8th August, 2021).

केरिंग/Kering

दगिसा/Dagisa

दोड़–माला/Dod-Mala

अन्नापक्षी विल्लकु/
Annapakshi Villaku

19. महाराष्ट्र की वारली पेंटिग: यह कैनवास के माध्यम से प्रकृति और वन्य जीवन के साथ एक कलाकार का प्रतीकात्मक सम्वाद दर्शाता है। इस चित्र में सामाजिक जीवन, दैनिक गतिविधियाँ जैसे मछली पकड़ना, शिकार करना, कुंए से पानी खींचना, तडपा–वाद्य यंत्र की धुन पर नृत्य, उनकी जीवन शैली, कृषि गतिविधियाँ जैसे बुआई– कटाई एवं उत्सव दर्शाए गए हैं। (9–15 अगस्त, 2021)

20. पुनर्विलोकन: इंगारामासं के संकलन से सप्ताह का प्रादर्श श्रृंखला में प्रदर्शित 'AA' एवं 'A' श्रेणी के 64 प्रादर्शों पर आधारित एक ऑनलाइन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। (16–22 अगस्त, 2021)

21. रानी माला / रेंगमेंइ लेक: यह नागालैंड की कोन्याक नागा जनजाति के मध्य आंग (नागा मुखिया) की पत्नी का हार है। कोन्याक नागा सामाजिक संस्तरण में यह परिवार की संपन्नता एवं प्रस्थिति का प्रतिनिधित्व करता है। मनकों वाले इस आभूषण को सघनता से पीतल की चूड़ियों, घुंघरू, घंटियों और कौडियों से सजाया गया है। (23–29 अगस्त, 2021)

22. कृष्ण लीला: यह ओडिशा की पट्टचित्रकारी है। कृष्ण लीला का यह प्रदर्शन काली पृष्ठ भूमि पर सफेद रंग से कपड़े पर भगवान की मोहक और चमत्कारी कथाओं का वर्णन करता है। आख्यान को चित्र में तीन दृश्य खण्डों केन्द्रीय वृत्त, एक आयताकार मध्य भाग तथा किनारों के आस पास वृत्त में प्रस्तुत किया गया है। (30 अगस्त – 5 सितम्बर, 2021)

23. मारा सिरपम: यह तमिलनाडु के शिवगंगा जिले के चेट्टियार समुदाय से संग्रहित काष्ठ निर्मित भगवान गणेश की एक उत्कृष्ट मूर्ति है। मूर्ति में श्री गणेश को नृत्य मुद्रा में उनके वाहन मूषक की सवारी करते एक ऊँचे कमल के आसन पर दर्शाया है जिसे अत्यंत सूक्ष्म नख–शिख वर्णन, संपन्न अलंकरण और विशिष्ट गुणों के साथ उकेरा गया है। मूर्ति का ऊपरी भाग पत्तियों, फूलों एवं पक्षियों से सजाया गया है। (6 –12 सितम्बर, 2021)

19. Warli Painting of Maharastra: It depicts the symbolic communication of an artist with nature and wildlife through a canvas. In this painting social life, everyday activities like fishing, hunting, drawing water from well, dancing on the tune of Tadpa- a musical instrument, their lifestyle, agricultural activities like sowing and reaping and celebrations are depicted (9th-15th August, 2021).

20. Punarvilokan: An online exhibition on the 64 objects under 'AA' and 'A' category from reserve collection of IGRMS displayed in the Object of the Week Series was organized (16-22 August, 2021)

21. Ranimala /Rengmein Leck: It is a necklace of Angs (Naga Chief's) wife prevalent among the Konyak Naga tribe of Nagaland. It represents the family's wealth and status in the hierarchical Konyak Naga society. This beaded jewellery in great profusion is richly ornamented with brass dangles, jingles, bells, and seashells. (23rd – 29th August, 2021).

22. Krishna Leela: It is a Pattachitra painting of Odisha. This painting on cloth depicts Krishna Leela, the enchanting and miraculous stories of the Lord, prepared in white colour over the black background. The painting is presented in three visual parts of narration- the central circle, a rectangular middle space and circular pictographs around the edges (30th August – 5th September, 2021).

23. Mara Sirpam: It is an exquisite wooden sculpture of Lord Ganesh collected from the Chettiar community of Sivaganga district, Tamil Nadu. The sculpture depicts the dancing Ganesh riding his vehicle Mushak (mouse) on a high lotus pedestal which is profusely carved with minute details, heavy ornamentation, and attributes. The upper part of the sculpture is decorated with leaves, flowers, and birds (6th -12th September, 2021).

वारली पेंटिग/Warli Painting

कृष्ण लीला/Krishna Leela

रानी माला/Ranimala

मारा सिरपम/Mara Sirpam

24. गणेश मूर्ति: यह लॉस्ट वेक्स हॉलो कास्टिंग तकनीक (सिरे पर्ड्यू) से निर्मित पारम्परिक ढ़ोकरा कला का नमूना है। मूर्ति को सुसज्जित वेदी के बीच में खड़ी मुद्रा में दिखाया गया है उनकी दिव्यता के प्रतीक शस्त्रों से सुसज्जित उनकी चारों भुजाओं को सहज मुद्रा में प्रदर्शित किया गया है। भगवान गणेश का दाहिना पैर हिन्दू मान्यता के अनुसार उनका वाहन कहे जाने वाले मूषक की पीठ पर रखा है। (13 –19 सितम्बर, 2021)

25. कपड़ागांदा: यह ओडिशा की डोगरिया कोंध जनजाति का हाथ से बुना एक प्रतिष्ठित शॉल है जो समृद्ध विरासत, संस्कृति और उनकी जातीय पहचान का प्रतीक है। यह ज्यादातर कन्याओं / अविवाहिताओं द्वारा बुना जाता है एवं आमतौर पर प्रेम के प्रतीक के रूप में अपने प्रेमी को उपहार स्वरूप दिया जाता है। प्रायः पिता अथवा भाई के प्रति प्रेम के प्रतीक के रूप में भी भेंट दिया जाता है। (20 –26 सितम्बर, 2021)

26. मारा चेम्बू: हिन्दुओं द्वारा पवित्र अनुष्ठानों में जल रखने हेतु उपयोग किया जाने वाला यह पीतल का एक पात्र है। पात्र को खोलने और ले जाने के लिये ढक्कन पर एक अस्थिर हत्था लगा हुआ है। हिन्दु अनुष्ठानों में स्थान की शुद्धि, पूजन में प्रयुक्त वस्तुओं, भगवान को चढ़ायी जाने वाले वस्तुओं तथा श्रद्धालुओं को दिये जाने वाले प्रसाद की शुद्वि हेतु पवित्र जल का छिड़काव किया जाता है। (27 सितम्बर – 3 अक्टूबर, 2021)

24. Ganesh idol: It is an example of traditional Dokra craft made by lost wax hollow casting technique (Cire Perdue). The idol is shown in a standing posture in the middle of a decorated altar. The four hands are depicted in an easeful gesture holding the armaments of his divinity. The right leg of Lord Ganesha rests on the back of a mouse, which, according to Hindu belief, is the vehicle of Lord Ganesha (13th – 19th September, 2021).

25. Kapdaganda: It is a prestigious hand-woven shawl of Dongria Kondh tribe of Odisha which symbolizes rich heritage, culture, and ethnic identity. It is mostly woven by the unmarried girls/spinsters and usually gifted to their beloved one as a token of love. It is also often presented to their brother or father as a symbol of affection (20th – 26th September, 2021).

26. Mara Chembu: It is a brass pot used for storing holy water to perform rituals of sanctity by Hindus. It has a swing handle attached on the lid and the shape is purposefully built to meet dual functions for carrying and uncovering the container when required. In Hindu rituals, holy water is sprinkled to purify the place, items used in the worship, articles offered to the deities and Prasadas served to the devotees (27th September – 3rd October, 2021).

गणेश मूर्ति/Ganesh idol

कपड़ागांदा Kapdaganda

मारा चेम्बू/Mara Chembu

27. देव नारायण महागाथा कावड़: परस्पर जुड़े पल्लों में देव नारायण के मिथक का वर्णन करता यह एक काष्ठ निर्मित तहयुक्त और परिवहन अनुकूल मंदिर है। कावड़ शब्द का अर्थ एक ऐसे दरवाजे से है जो गाथा के विविध किस्सों का वर्णन करता हैं; से बना है। कावड़ का निर्माण तकनीकी एवं कलात्मक कौशल से युक्त एक जटिल प्रक्रिया है। देवनारायण महागाथा राजस्थान के सबसे लम्बे एवं लोकप्रिय धार्मिक मौखिक आख्यानों में से एक है।
(4–10 अक्टूबर, 2021)

27. Dev Narayana Maha Gatha Kaavad: It is a folding, mobile wooden temple depicting the myth of Dev Narayanon in multiple panels hinged together.The word Kaavad means a door that open the layers of story. Kaavad making is a meticulous process involving technical and artistic skills. The epic of Dev Narayana is one of the longest and most popular religious oral narratives of Rajasthan (4th - 10th October, 2021)

28. माता की पिछोरी: यह महिषासुर के साथ युद्धरत् विषद माता की कथा का वर्णन करता एक चित्र है। शब्द माता– नी– पछेड़ी गुजराती शब्दों 'माता अर्थात देवी', 'नी' अर्थात की तथा 'पछेड़ी' अर्थात पीछे, से बना है जिसका अर्थ एक ऐसे वस्त्र से है जिसे मंदिरो अथवा अन्यत्र देवी दुर्गा की स्थापना के स्थान पर पीछे पर्दे के रूप में प्रयोग किया जाता है। (11–17 अक्टूबर, 2021)

28. Mata ki Pichhori: It is a painting depicting the story of Vishad Mata in a battle with Mahishasura. The term Mata-ni-Pachhedi is derived from the Gujarati word 'Mata' goddess 'ni' belongs to and 'Pachhedi' behind. It means a cloth used as backdrop in temples or wherever goddess Durga is place (11th –17th October, 2021).

29. जौतुका पेडी: ओडिशा के लोक समुदायों द्वारा विवाह के दौरान दहेज में दिया जाने वाला यह एक सजावटी सन्दूक है। परम्परा के अनुसार जौतुका पेडी दुल्हन के पिता द्वारा दूल्हे के परिवार को विशेषतः विवाह के अवसर पर भेंट की जाती है। इस बक्से में वस्त्र, घरेलू बर्तन, आभूषण एवं दुल्हन के दैनिक उपयोग की वस्तुएं जैसे सिंदूर, चूडी, आलता एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं रखी जाती है। (18 –24 अक्टूबर, 2021)

30. नगाड़ा: सामान्यतः नृत्य प्रस्तुति एवं विवाह के दौरान अनुष्ठानों, यात्रा और कर्मा तथा सरहुल जैसे पर्वों के दौरान शहनाई और ढाक की संगत में बजाया जाने वाला यह एकल परतदार सांगीतिक ढ़ोल है। इसे झारखंड के उरांव समुदाय से संग्रहित किया गया है। इसका उपयोग फागुन के महीने में आयोजित होने वाले बिशु सेंद्रा अथवा वार्षिक अनुष्ठानिक शिकार अभियान के दौरान भी किया जाता है। (25–30 अक्टूबर, 2021)

31. अन्नम विलक्कु: मुख्यतः दक्षिण भारतीय मंदिरो में प्रयुक्त यह गोलाकार आधारयुक्त पीतल का सजावटी दीपक है। दीप प्रज्वलन का अर्थ ही अंधेरे का दमन है। इसके ऊपरी एवं निचले हिस्सो में छः शाखाएं है। दक्षिण भारत में यह सामान्य विश्वास है कि अन्नम विल्लकु से घर में सौभाग्य प्राप्ति होती हैं । (1–7 नवम्बर, 2021)

29. Jautuka Pedi: It is a decorative dowry box used by the folk communities of Odisha during marriage ceremonies. According to the customary practices, Jautuka Pedi is given as a gift from the bride's father to the groom's family, specially at the time of marriage. In this box, clothes, household utensils, ornaments, and the bride's daily use items like vermillion, bangles, a kind of liquid red colour, and other necessary items are kept (18th -24th October, 2021)

30. Nagada: It is a single membrane musical drum usually played with Shahnai and Dhank while performing dance and rituals during the marriage ceremony, yatra and festivals like Sarhul & Karma. It has been collected from the Oraon community of Jharkhand. It is also used during 'Bishu Sendra' or annual ceremonial hunting expedition held during the month of 'Phagun' (25th -30th October, 2021).

31. Annam Villaku: It is a decorative brass lamp with a round base mostly used in South Indian Temples. Lighting the lamp denotes dispelling away darkness. It has six branches on the lower and upper segments. There is a general belief in South India that the presence of Annam Villaku may bring good luck to its owner (1st -7th November, 2021).

जौतुका पेडी/Jautuka Pedi

अन्नम विलक्कु/
Annam Villaku

नगाड़ा/Nagada

32. सीता स्वयम्वर और कोहबरः विभिन्न रंगो से केनवास पर बनी यह मधुबनी चित्रकारी सीता स्वंयवर की कथा एवं कोहबर का वर्णन करती है। सामान्यतः यह विवाह के अवसर पर बनाई जाती है। पारम्परिक रूप से कोहबर मिथिला अंचल के विभिन्न समुदायों की महिलाओं द्वारा बनायी जाती है परन्तु आज कल यह महिला और पुरूष दोनों द्वारा बनायी जाने लगी है। (8–14 नवम्बर, 2021)

33. बानमः कमान से बजाया जाने वाला यह तंतु वाद्य यंत्र संथाल जनजाति के प्राचीन वाद्ययंत्रों में से एक है। इसे एक ही लकड़ी के टुकड़े पर तराशा गया है। इसके निचले खोखले भाग को चमड़े से ढक कर बांस की कीलो से कसा जाता है। घोड़े के बालों से बनी एक डोरी को एक से दूसरे सिरे तक कसा जाता है। जिस पर कमान का उपयोग कर ध्वनि उत्पन्न की जाती है। (15–21 नवम्बर, 2021)

34. पिथोरा चित्रकारीः गुजरात की राठवा जनजाति के मध्य प्रचलित यह भित्ति चित्र उनके ईष्ट देवता बाबा पिथोरा की मनौती से सम्बद्व है। पिथोरा चित्र की प्रतिनिधिकारी विशेषता घोड़ों की शोभा यात्रा है जो राठवा बस्ती के आस पास सात पहाड़ियों का प्रतीक है। (22–28 नवम्बर, 2021)

35. घोड़ियाः बारीक डिजायन और चमकीली लाख की चित्रकारी युक्त दो जोड़ी पाये वाला यह लकड़ी का एक पालना है। जिसे मजबूत और स्थिर रखने हेतु एक छड़ क्षैतिज रूप में लगाई गई है। इस पालने को गुजरात के बड़ोदरा के सुतार समुदाय से संग्रहित किया गया है। (29 नवम्बर–5 दिसम्बर, 2021)

32. Sita Swyamvar aur Kohabar: It is a multicolored Madhubani painting on canvas depicting the story of Sita swyamvar and Kohabar. It is generally made on the occasion of marriage ceremony. Traditionally kohabar is done by the women of different communities in the Mithila region but now it has been practiced by both men and women (8th – 14th November, 2021).

33. Banam: It is a single string instrument played by the bow which is one of the ancient instruments of the Santhal tribe. It is carved on a single piece of wood. Its hollow lower part is covered with cavity skin and tightened with bamboo nails. A string made of horse hair is tied from one end to the other, on which sound is produced using a bow (15th - 21st November, 2021).

34. Pithora Painting: It is a wall painting prevalent among the Rathwa tribe of Gujarat which is associated with the appeasement of their Chief God-Baba Pithora. Pithora painting is distinguished by representing a procession of horses, which symbolise the seven hills surrounding the Rathwa settlement (22nd – 28th November, 2021).

35. Ghodia: It is a wooden cradle with intricate designs, imprinted in bright lacquer painting having two pairs of legs facing opposite to one another, and a horizontal rod on the top fixed to keep the cradle sturdy and stable. This cradle is collected from Sutar community of Vadodara, Gujarat (29th November – 5th December, 2021).

पिथोरा चित्रकारी/
Pithora Painting

सीता स्वयम्वर/**Sita Swyamvar**

बानम/**Banam**

घोड़िया/**Ghodia**

36. अथेरयू अथवा अथारियू: कच्छ,गुजरात की रबारी महिलओं द्वारा सुन्दर एप्लीक की डिजायन एवं कपड़े के फुंदनों से तैयार यह ऊँटो को ढ़ाकने के लिए प्रयोग में लाया जाता है। (6–12 दिसम्बर, 2021)

37. चरू: चौड़े आधार वाला यह पात्र आगे की ओर बेलनाकार होता जाता है। गुजराती लोक संस्कृति में यह बहुउद्देशीय बर्तन विशेष महत्व रखता है तथा यह अनाज या जल भंडार के पारपंरिक उपयोग के अतिरिक्त जमीन में कीमती वस्तुओं को छुपाने के लिये भी प्रयुक्त होता था। इस प्रकार का बड़ा बर्तन दुल्हन को दहेज में दिया जाता है। (13–19 दिसम्बर, 2021)

38. पगड़ियो: इसका उपयोग पगड़ियाँ टांगने के लिये किया जाता है जो लकड़ी के टुकड़ों को तराश कर बनाय गया है इसमें ऊपर को मुड़ी हुई चार खूंटियाँ हैं जिनमें प्रत्येक के बीच में सर्पाकार में अंतरफलक प्रतिमान युक्त आकृतियां उत्कीर्णित हैं। (20–26 दिसम्बर, 2021)

39. बीजबोनी: यह बीज बोने में प्रयुक्त काष्ठ निर्मित पारम्परिक उपकरण है जिसमें उपर की तरफ शंकू की आकृति में कटोरे की तरह खुला भाग है। इस उपकरण का उपयोग भावनगर, गुजरात के लोक समुदायों द्वारा किया जाता है। (27 दिसम्बर, 2021–2 जनवरी, 2022)

36. Atheryu or Athariyu: It is a covering for camels, decorated with applique designs and fabric tassels, made by Rabari women of Kutch, Gujarat. (6th – 12th December, 2021).

37. Charu: It is a vessel with a broad base that rises to a cylindrical body. In Gujarati folk culture, this multipurpose metal vessel holds a vital significance, and it was also used to conceal hidden valuables beneath the ground, in addition to its conventional usage of storing grains or water. A huge vessel of this type is offered to the bride as a dowry item (13th–19th December, 2021).

38. Pagdiyo: It is a wooden hanger for turban which is carved out from a single piece of wood. It has four upright pegs ornately carved with anthropogenic figures with an interlacing pattern of a serpent-like formation between each peg (20th -26th December, 2021).

39. Beejboni: It is a traditional seed-sowing wooden implement featured with a cone-shaped bowl-like opening on the upper section of the body. This implement is used by folk communities of Bhavnagar, Gujarat. (27th December, 2021–2nd January, 2022).

बीजबोनी/
Beejboni

चरू/Charu

अथेरयू/Atheryu

पगड़ियों/Pagdiyo

40. केडियू अथवा झूलड़ी: यह बालकों के लिए सफेद रंग की घेरदार सूती जैकेट है। इसमें आस्तीन लम्बी व पतली हैं तथा पीठ व सीने पर बहुत सारी चुन्नटें हैं। आस्तीन की लंबाई भुजाओं से कहीं ज्यादा है और जब पहनी जाती है तो कलाई के चारों ओर गोलाकार सिलवटे पड़ जाती है। आस्तीन के किनारे अर्थात कफ पर कढ़ाई की गई है। इस डबल ब्रेस्टेड जैकेट की ऊपरी तह एक डोरी अथवा बटन की सहायता से भीतरी तह पर कसी जाती है। (3–9 जनवरी, 2022)

41. धडकी अथवा धरकी: यह कच्छ, गुजरात के मारू समुदाय द्वारा उपयोग में लाया जाने वाला एक ऊनी बिछात है। यह मोटा ऊनी बिछात आकृति में आयताकार है।दोनो लंबवत किनारों को रंगीन ऊनी धागों से कढ़ाई कर सीमांकित किया गया है। संकरे किनारो पर पट्टे के अंदर ज्यामितीय एवं फूलदार डिजायन बनाये गये हैं। आधार से विपरीतता लिए रंगों का चयन डिजायन को उभारता है। बिछात के केन्द्रीय भाग को खाली रखा गया है। (10–16 जनवरी, 2022)

41. कुचिया कोल दुर्गा पट: कुचिया कोल राजबाड़ी से संबंधित यह पारम्परिक चित्र देवी दुर्गा के रूप का प्रदर्शन है। चित्र के शीर्ष पर भगवान शिव, विष्णु और ब्रह्मा का चित्र है जो कि कुचिया कोल दुर्गा पट की पहचान है। यह हस्त निर्मित कैनवास पर वनस्पति रंगों से चित्रित की जाती है। चित्रकारी के मध्य में महिषासुर मर्दिनी दुर्गा के रूप को दर्शाया गया है। (17–23 जनवरी, 2022)

केडियू/Kediyu

धडकी/Dhadaki

40. Kediyu or Jhooladi: It is a white cotton flared jacket for male child. It has long tapering sleeves with multiple gathers on the chest and at the back. The sleeves are much longer than the length of the arm and when worn, are wrinkled upwards to form circular folds round the wrist. The ends of the sleeves have embroidered bands. The upper fold of this double-breasted jacket is placed over the lower one and is tied on the one side by strings or buttons (3rd - 9th January, 2022).

41. Dhadaki or Dharki: It is a woollen bed spread cum mattress used by the Maru community of Kutch, Gujarat. The thick, coarse woolen bedspread is rectangular in shape. Both the longitudinal sides are bound by broad embroidered borders of multicolorwoolen thread bands. The short sides are profusely embroidered with geometric and floral designs in within bands. The designs are rendered in colors contrasting with the base fabric to make the designs prominent. The central field of the bedspread is left empty without any work (10th - 16th January, 2022).

42. Kuchiyakol Durga Pat: It is a traditional painting on canvas depicting the image of goddess Durga belongs to the Kuchiyakol Rajbadi. The top of the painting depicts the image of Lord Shiva, Vishnu and Brahma is an identity of Kuchiyakol Durga Pat. It is made on hand made canvas and painted with vegetable colors. The painting has a central image of Mahisasur Mardini Durga (17th -23rd January, 2022).

कुचिया कोल दुर्गा पट/Kuchiyakol Durga Pat

43. दीपा रानी: यह एक अण्डाकार चपटे आधारयुक्त दीपक है जिसमें एक हाथी खड़ी मुद्रा में दर्शाया गया है। महिला की आकृति जिसने प्रभावी तरीके से सिर पर तीन मोर धारण किये है इसकी सरंचना एवं संयोजन को संतुलित करती है। इस दीप को बांकुरा, पश्चिम बंगाल के कर्मकार समुदाय द्वारा निर्मित एवं उपयोग किया जाता है। (24–30 जनवरी, 2022)

44. ढ़ाक और तासी: यह पारंपरिक ढ़ोल उत्सवों एवं पूजा में नृत्य एवं गीत प्रस्तुति हेतु बजाया जाता है। इस खोखले और पीपे की आकृति वाले ढ़ोल वाद्ययंत्र को लकड़ी के एक ही टुकड़े से बनाया गया है जिसे हाथ अथवा छड़ियों की सहायता से बजाया जा सकता है। कभी–कभी वादक अपनी मनचाही धुन निकालने के लिए वाद्ययंत्र को लबंवत रख एक तरफ का ही इस्तेमाल करता है जबकि दूसरी तरफ मुठ्ठी अथवा छड़ी की सहायता से थाप दी जाती है। (31 जनवरी से 6 फरवरी, 2022)

45. नरायी मंत्री: यह पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिष्ठित उत्सवों एवं मेलों में दिखाये जाने वाले कठपुतली नाच में प्रयुक्त एक कठपुतली है। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुतिकर्ता गा कर एवं कुशलतापूर्वक कठपुतलियाँ नचाते हुए पौराणिक कथाओं, लोक गीतों एवं सामाजिक मुद्दों से संबंधित कहानियों को सुनाते हुए दर्शकों का मनोरंजन करता है। (7–13 फरवरी, 2022)

46. भगवती दुर्गा: यह पश्चिम बंगाल के पारंपरिक लोक चितेरों 'चित्रकार' द्वारा बनायी जाने वाली पट चित्रकारी है। यह पटचित्र चंडी मंगल से भगवती दुर्गा की कथा का प्रदर्शन करता है। 'पटुआ' चित्रकार पौराणिक कथाओं के वर्णन हेतु इन पटों का उपयोग करते हैं। (14–20 फरवरी, 2022)

43. Deepa Rani: It is a lamp having an oval-shaped flat base where a standing elephant is depicted. The feminine figure that impressively adorns three peacocks on the head, allows to balance the structure and its composition. This lamp is used and manufactured by Karmakar community of Bankura, West Bengal (24th -30th January, 2022).

44. Dhank and Tasi: It is a traditional musical drum for performing dance and songs during festivals and pujas. It is a hollowed-out barrel-shaped drum prepared from a single piece of wood. It can be played either by hand or with the use of sticks. The player sometimes uses mainly one side by positioning the drum nearly vertical to attain the desired rhythm, while the other side is thrashed with sticks or fists. (31st January- 6th February,2022).

45. Narai Mantri: It is a string puppet used in the puppetry shows in fairs and festivals prevalent among the rural areas of West Bengal. During the show the performer entertains the audience by singing and manipulating the puppets narrating stories related with mythology, folk songs, social issues, etc. (7th -13th February, 2022).

46. Bhagawati Durga: It is a scroll painting made by Chitrakars, the traditional folk painters of West Bengal. This scroll painting depicts the story of Bhagawati Durga from Chandi Mangal. Patuas the pat (scroll) painters and performers use such scroll for narrating mythological stories (14th - 20th February, 2022).

दीपा रानी/Deepa Rani

भगवती दुर्गा/
Bhagawati Durga

ढ़ाक/Dhank

नरायी मंत्री/
Narai Mantri

47. गरड़ साड़ीः यह एक छोटे बार्डर युक्त हाथ से बुनी धूसर सफेद रंग की पारम्परिक रेशमी साड़ी है। सम्पूर्ण साड़ी छोटे–छोटे बूटों तथा पल्लू पर धारियों से सजी है। गरड़ साड़ी का कपड़ा बिना ब्लीच किया, रंगाई रहित रेशम है एवं पांरपरिक करघे पर बुना हुआ है। यह अधिकांशतः पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में जुलाहों द्वारा बुना जाता है। बंगाली महिलाओं द्वारा इसे पूजा अथवा पर्व पर पहना जाता है। (21–27 फरवरी, 2022)

48. एक तारा: यह बाउल गायकों द्वारा प्रयुक्त एकल तारीय तंतु वाद्य या प्लकिंग ड्रम हैं। बाउल पश्चिम बंगाल में घूम –घूम कर गाने वाले लोक गायकों या भाटों का समूह होता है जो पारम्परिक रूप से एक तारे की अत्यंत लयपूर्ण संगत पर गाये जाने वाले गीतों बाउल संगीत की प्रस्तुति देते है। (28फरवरी– 6 मार्च, 2022)

49. रावनः काष्ठ निर्मित यह मुखौटा हिन्दु महाकाव्य रामायण से लिये गये रावण के चरित्र का प्रतिनिधित्व करता है। इसके तीन भाग हैं। एक बड़ा मुख्य चेहरा तथा अलग हो जाने वाले चार एवं पांच मुखों का सेट है जिसे मुख्य मुख के दोनों ओर जोड़ा गया है। इस मुखौटे का उपयोग पश्चिम बंगाल के राजबंशी समुदाय द्वारा आमतौर पर नृत्य तथा मुखा खेल उत्सव में किया जाता है जिसका आयोजन चैत्र (अप्रेल–मई) के अंत से प्रारम्भ होकर मानसून की शुरूवात अर्थात ज्येष्ठ (मई–जून) तक चलता है । (07–13 मार्च, 2022)

47. Garad Saree: It is a traditional handloom silk saree having off-white colour body with small border. The entire body is decorated with small floral motifs and striped pallu. The fabric of Garad sari is an unbleached silk, devoid of dyeing and weaved on a traditional loom. It is mostly woven by the weavers of Murshidabad district, West Bengal. Garad saree is worn by Bengali women during festive occasion or Pooja (21st -27th February, 2022).

48. Ek Tara: It is a single stringed musical instrument, or a plucking drum used by the Baul singers. Bauls are a group of wandering minstrel of West Bengal who traditionally perform Baul Sangeet, a type of folk song sung with the most rhythmic accompaniment of Ektara (28th February – 6th March, 2022).

49. Ravan: It is a wooden mask representing the character of Ravana taken from the great Hindu epic-Ramayana. It has three parts; a main big face and a detachable set of four and five faces attached to the lateral portion of the main head. The mask is usually used in dance or mukha khel festivals, which are organized at the end of Chaitra (April-May) and continue till Jaishtha (May-June), before the onset of monsoon among the Rajbhansi community of West Bengal (7th -13th March, 2022).

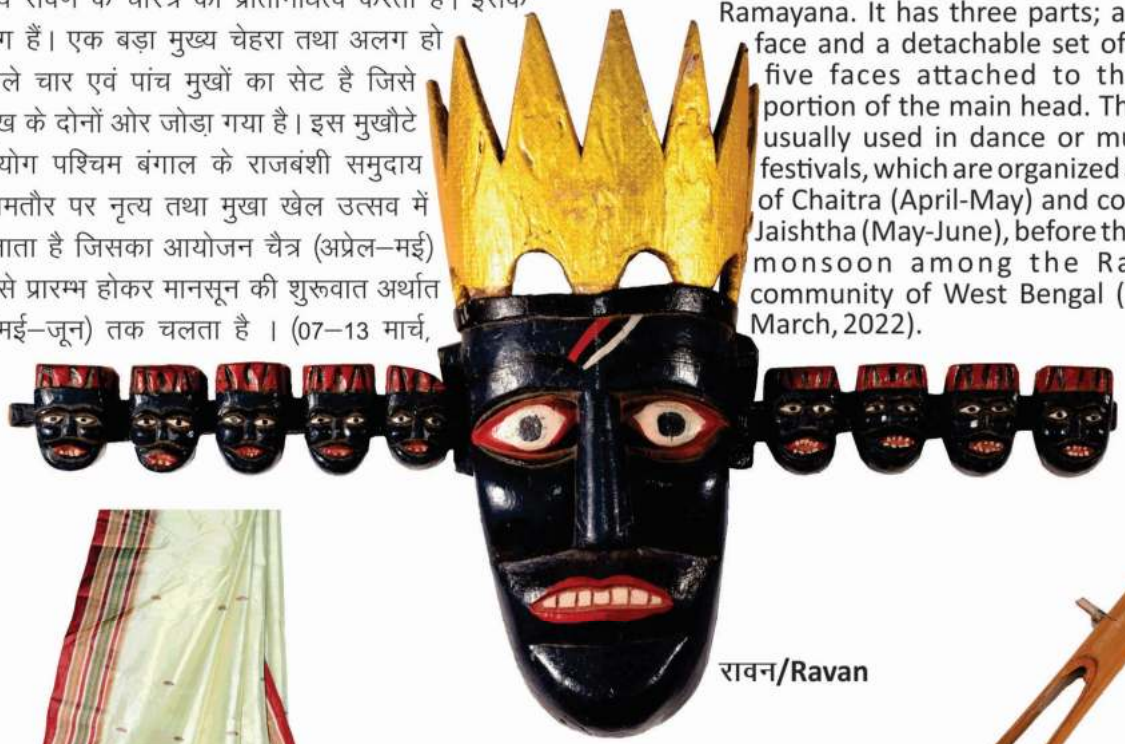

रावन/Ravan

गरड़ साड़ी/Garad Saree

एक तारा/Ek Tara

50. कांथा फोरेर साड़ी: कांथा पश्चिम बंगाल की ग्रामीण महिलाओं की मितव्ययता से विकसित हुई कढ़ाई की सदियों पुरानी परंपरा है। यह कशीदाकारी अनुपयोगी वस्त्रों को खास बनाने और इनके पुनर्नवीनीकरण तथा स्थायित्व प्रदान करने हेतु की जाती है। यह ग्रामीण महिलाओं द्वारा व्यापक रूप से किया जाने वाला एक शिल्प कौशल है। यह विशेष प्रादर्श एक पारम्परिक काशीदाकारी युक्त साड़ी है। जो महिलाओं का पसंदीदा परिधान है जिसमें एक सादी पृष्ठभूमि पर कांथा स्टिच के नाम से ज्ञात महीन और विस्तृत रंगीन टांके होते है। (14–20 मार्च, 2022)

51. आल–विल्लकु: यह बरगद के पेड़ के आकार में पीतल का एक दीपक है। मलयालम भाषा में बरगद को आल एवं दीपक को विल्लकु कहा जाता है। बहुत सी भारतीय लोक संस्कृतियों में दीपक आनुष्ठानिक प्रस्तुतियों विशेषतः जब वह समुदायों द्वारा की जाने वाली संस्कृतियों से संबंधित होते है। केरल पारंपारिक संस्कृति एवं दीपों की किस्मों के लिए जाना जाता है। पीतल का यह दीपक परंपरागत लॉस्ट वैक्स पद्धति से बनाया गया है इस दीप की ऊँचाई 15 फीट एवं भार 1830 किलोग्राम है। 1001 बातियों को अलग–अलग व्यास वाले 13 गोलाकार चक्रों को व्यवस्थित कीया गया हैं । सबसे निचले घेरे का व्यास 7.4 फिट तथा सबसे ऊपर वाले का 4.5 फिट है। (21–27 मार्च, 2022)

52. लक्की–पेंचा: यह धन की देवी के रूप में ज्ञात देवी लक्ष्मी से सम्बद्ध और संपन्नता का प्रतीक माने जाने वाले ऊल्लू की काष्ठ प्रतिमा है। लकड़ी का ऊल्लू अधिकांश बंगाली घरों में एक भाग्यशाली वस्तु के रूप में पाया जाता है तथा देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु पूजा जाता है। (28 मार्च–2 अप्रेल, 2022)

50. Kantha Forer Saree: Kantha is a centuries old tradition of embroidery evolved from the thrift of rural women in West Bengal. This embroidery work is done on discarded apparel, transforming them into extraordinary, renewed creation with extended life. It is a craft of skill widely practiced by the women of rural areas. This particular object is an embroidered traditional tussar saree which is the most preferable attire of women having contrast of elaborate and intricate colorful running stitches known as kantha stitch on a plain background (14th -20th March, 2022).

51. Aal-Vilakku: It is a Banyan tree shaped bell-metal lamp. In Malayalam language Banyan tree is known as Aal and the lamp is called Vilakku. In many of the Indian folk cultures lamps relate to ritual performances, particularly those held by the community. Kerala is known for its traditional culture and for its variety of lamps. This bell-metal lamp is created through the tradition of lost wax process. The lamp is of 15 feet height, weighing 1830 kg. The 1001 wicks are arranged in 13 circular steps of varying diameter. The lowest step is of 7.4ft. in diameter and the topmost of 4.5 ft. in diameter (21st -27th March, 2022).

52. Lakkhi-Pencha: It is a wooden sculpture of an owl, is considered to be the symbol of prosperity and associated with the goddess Laxmi known as the goddess of wealth. The wooden owl is found in most of the Bengali households as an object of good fortune and worshiped to summon the blessings of goddess Laxmi. (28thMarch – 2nd April, 2022).

लक्की पेंचा/
Lakkhi-Pencha

आल–विल्लकु/
Aal-Vilakku

1.1.6 ऑनलाइन प्रदर्शनी श्रृंखलाः कोविड–19 जनित लॉकडाउन के कारण संग्रहालय एवं दर्शकों के बीच आये अंतराल को मिटाने तथा महामारी के प्रभावों को टालने हेतु इंगारामासं द्वारा अपने दर्शकों हेतु मई, 2020 में आरम्भ की गई ऑनलाइन प्रदर्शनी श्रृंखला को आगे बढ़ाया गया। इसके अंतर्गत अंतरंग एवं मुक्ताकाश प्रदर्शनियों के किसी चयनित प्रादर्श पर एक दृश्य–श्रृव्य प्रस्तुति तैयार कर प्रसारित की जाती है। वर्ष के दौरान 34 प्रादर्श सोशल मीडिया एवं वेबसाइट के माध्यम से आनॅलाइन प्रस्तुत किए गए। विवरण निम्नानुसार हैः

1. **पुरिल्लुः** यह संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनी जनजातीय आवास में प्रदर्शित आंध्र प्रदेश का पांरपरिक जटापु जनजातीय आवास प्रकार है। इसके निर्माण में प्रयुक्त कच्ची सामाग्री सामान्यतः स्थानीय तौर पर पायी जाने वाली मिटटी, पत्थर, ईट, बांस एवं डब्बागड्डु नाम की स्थानीय घास है। आवास में सुरक्षा हेतु बाड़ बनायी गई है। (1– 7 अप्रेल, 2021)

1.1.6 Online Exhibition Series: In order to bridge the gap between museum and visitors caused by covid-19 lockdown to avoid the effects of pandemic IGRMS initiated online exhibition series to reach to its visitors in May, 2020. In this series, an audio-visual presentation about a selected exhibit displayed in the open air and indoor museum is prepared and released. During the year, 34 objects were presented online through social media and website. The details are as follows:

1. **Purillu:** It is a traditional Jatapu tribal house type of Andhra Pradesh displayed in the Tribal Habitat Open Air exhibition of the museum. The raw materials for the construction of the house is generally the locally available mud, stone, brick, bamboo, local thatching grasses called Dabbagaddu. The house has fencing (Elugu) for the protection (1st –7th April, 2021).

A - इंगारामासं की मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित पुरिल्लु आवास /Purillu house exhibited in open air exhibition of IGMRS.
B - अपने आवास के सामने जटापु परिवार /Jatapu family in front of their house.

2. **मध्य प्रदेश की कुम्हारी परंपराएंः** समीक्षा अवधि के दौरान श्रृंखला का दूसरा भाग मध्य प्रदेश की कुम्हारी एवं टेराकोटा परंपराओं पर ऑनलाइन प्रस्तुति के रूप में सम्पन्न हुआ। लगभग 5 मिनट की अवधि की इस वीडियो प्रस्तुति में राज्य के पारंपरिक कुम्हारों द्वारा तैयार एवं दूसरे समुदायों द्वारा उनके जीवन संबंधी अनुष्ठानों के साथ–साथ बड़े पैमाने पर मनाये जाने वाले त्यौहार दीपावली सहित अन्य उत्सवी अवसरों पर उपयोग किए जाने वाले पात्रों / बर्तनों संबंधी सूचनाएं साझा की गई है। (8– 14 अप्रेल, 2021)

2. Pottery Traditions of Madhya Pradesh: The second episode of the series during the period under review commence with online presentation of pottery and terracotta traditions of Madya Pradesh. This nearly 5 minutes' video presentation contained brief information about various articles prepared by traditional potters of the state and used by other communities during their life cycle rituals and other festive occasions including largely celebrated festivals of Diwali (8th -14th April, 2021).

A,B - मध्य प्रदेश की कुम्हारी एवं टेराकोटा परंपराएं। / Pottery and Terracotta Traditions of Madya Pradesh.

3. ओरानः राजस्थान के पुनीत वनः श्रृंखला की अगली कड़ी में प्रकृति के प्रति जनजातियों की संवेदनशील और सम्मानजनक सोच को उजागर करने के इंगांरामासं के प्रयासों तथा एक अनूठे प्रादर्श की अभिव्यक्ति हैं। बबूल एवं खेजड़ी जो मरूस्थलीय पौधों की किस्में हैं, विश्नोई समुदाय के सामाजिक सांस्कृतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। संबंधित वीडियो इस समुदाय द्वारा किए गए अनुष्ठान तथा मौखिक विवरण से युक्त है। (15–21 अप्रेल, 2021)

3. Oran: Sacred Grove of Rajasthan: Next episode of the series brought out one of the unique installation and efforts of IGRMS to highlight the sensitive and respective approach of tribes towards nature. Babul and Khejri which are dessert plant species play an important role in the socio cultural life of Bisnoi community. The video contains rituals performed by respective community and commentary. (15th – 21st April, 2021).

संग्रहालय परिसर में राजस्थान के पुनीत वन 'ओरान' में अनुष्ठान की प्रस्तुति।/Ritual performance in 'Oran' sacred grove of Rajasthan in Museum premises

मरूग्राम मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित नीम की धाणी।/Neem ki Dhani installed in Desert Village open air exhibition.

4. नीम की धाणीः झोपा जैसलमैर के राजपूत समुदाय का पारंपरिक आवास संकुलः नीम की धाणी के नाम से इंगांरामासं की मुक्ताकाश प्रदर्शनी मरूग्राम में प्रदर्शित यह प्रादर्श झोपा के रूप में भी जाना जाता है तथा ग्रामीण राजस्थान के पारंस्परिक आवास प्रकार का उदाहरण है। वीडियो इस पारम्परिक संरचना के विभिन्न हिस्सों तथा उनके सांस्कृतिक सन्दर्भ पर विस्तृत विवरण से युक्त था। (22– 28 अप्रेल, 2021)

4. Neem Ki Dhani: Jhopa-Traditional Dwelling Complex of Rajput Community, Jaisalmer: This exhibit "Neem ki Dhani" displayed in the "Desert village" open air exhibition of IGRMS is an example of traditional house type of rural Rajasthan also known as Jhopa. Video contains the detail description of various sections of this traditional structure and their cultural relevance (22nd – 28th April, 2021).

5. करापातः माजुली, असम के वैष्णव मठ का पारंपारिक द्वारः यह प्रादर्श संग्रहालय परिसर में वर्ष 2019 में कमलाबाड़ी सत्र से स्थापित कीये गये भव्य द्वार की प्रतिकृति के सन्दर्भ में 'करापात' के सांस्कृतिक अर्थ और वास्तु वैभव को प्रदर्शित करता है। (29 अप्रेल – 5 मई, 2021)

5. Karapat: a traditional gate of the Vaishnava monastery in Majuli, Assam: This exhibit showcases an architectural grandeur and cultural meanings of Karapat with reference to the prototype of the magnificent gate from the Kamlabari Satra, installed in the Museum premise in the year 2019 (29th April – 5th May, 2021).

संग्रहालय में स्थापित माजुली, असम के नतून कमलाबाड़ी सत्र के पारम्परिक प्रवेश द्वार 'करापात' की प्रतिकृति।/'Karapat' A replica of traditional entrance gate of Natun Kamalabadi Satra in Majuli, Assam installed at the Museum.

6. सोनपुर ओडिशा का टेराकोटा: यह प्रस्तुति ओडिशा के बहुत से देशज समूहों के मध्य टेराकोटा की जीवन्त परम्परा का वर्णन करती है जो मानव जीवन के सामाजिक आर्थिक एवं धार्मिक पहलुओं से सम्बद्ध है यह पंरपरा मानव समाज एवं जंतुजगत के अंतर्संबंध को दर्शाती है। विभिन्न प्रकार के बर्तन, पशु आकृतियॉ, सुन्दर दीपक एवं कबेलू बनाए गये हैं। पक्षी, बंदर एवं अन्य जीव जंतुओं की आकृति युक्त खपरैल सोनपुर की विशेषता है। (6– 12 मई, 2021)

6. Terracotta of Sonepur, Odisha: This presentation describes the living terracotta tradition among many ethnic groups of Odisha which are deeply associated with the socio - economic and religious aspect of human life. This tradition depicts the inter relationship of human society with animal world. Varieties of pots, animal figurines, beautiful lamps and roof tiles are made. Roof tiles with figures like birds, monkeys and other animals are a specialty of Sonepur (6th – 12th May, 2021).

A,B - कुम्हार पारा मुक्ताकाश प्रदर्शनी में ओडिशा की टेराकोटा परम्पराओं की झलकियाँ।/Glimpses of terracotta tradition of Odisha in Kumharpara open air exhibition .

7. भोटिया जनजाति का पारंपरिक आवास: यह वीडियो संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनी हिमालय ग्राम में संयोजित उत्तराखंड की भोटिया जनजाति के आवास संकुल को प्रदर्शित करता है। भोटिया आवास की मुख्य विशेषता इसके निर्माण में समुदाय की प्रतिभागिता है। कोई देवालय हो या सामुदायिक आवास कभी भी अकेले नहीं बनाया जाता बल्कि गृह निर्माण की विभिन्न प्रक्रियायें जैसे जंगल से लकड़ी का संग्रह तथा आगे तक अन्य सभी कार्य आपसी सहयोग से संपन्न किये जाते है। आवास की खूबसूरती और भव्यता समुदाय में भाई चारे और समानता का प्रतीक है। (13– 19 मई, 2021)

7. Traditional Dwelling of Bhotia tribe: This video depicts the dwelling complex of the Bhotia tribe of Uttarakhand in the Himalayan Village open air exhibition of the museum. Community participation in construction is the main characteristic of Bhotia dwelling. Be it a shrine or a common dwelling for villagers never built alone instead various processes of building house right from collecting wood from jungle and so on are accomplished with mutual co-operation. Grandeur and beauty of the house symbolizes the harmony and brotherhood in the community (13th -19th May, 2021).

A,B - संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनी हिमालय ग्राम में संयोजित उत्तराखंड की भोटिया जनजाति के आवास की झलकियाँ। / Glimpses of dwelling complex of the Bhotia tribe of Uttarakhand exhibit in the Himalayan Village open air exhibition of the museum.

8. तुई–चांग्सु: यह संग्रहालय की पारम्परिक तकनीकी उद्यान मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित मणीपुर की कुकी जनजाति द्वारा प्रयुक्त जल संचालित पारम्परिक धेंकी है। कुकी समुदाय के लोग इनका प्रयोग धान को कूट कर भूसी निकाल कर चावल प्राप्त करने के लिये करते हैं। (20–26 मई, 2021)

8. Tui–Changshu: It is a Traditional pounding lever operated by the water used by Kuki tribe of Manipur installed at Traditional Technology Park open air exhibition. It is used by the people of Kuki community for hitting paddy and remove rice husk to obtain rice (20th -26th May, 2021).

A,B - जल संचालित तुई–चांग्सु की कार्य प्रणाली का जीवंत प्रदर्शन I/Live demonstration of water operated Tui-Changshu.

9. रॉचेम: देशज तरीके से तैयार किया गया यह यंत्र मीजो जनजाति का सुषिर वाद्य यंत्र है। यह भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्रों में निवासरत– कुकी चिन जनजातियों में बहु प्रचलित है तथा कुकी एवं चिन अलग–अलग जनजातियों के बीच विविध नामों से जाना जाता है। यह स्थानीय तौर पर प्राप्त होने वाले छोटे बास के विविध आकार के सरकंडे, तुमड़ा, पीतल की पत्तर, सीप के चूर्ण,मधुमक्खी की मोम इत्यादि से बनाया जाता है। तुमड़े के खोल को निकालकर कुछ दिन धूप में सुखाया जाता है। कीट तथा दीमक के प्रभाव से बचाने के लिए इसे चूल्हे के ऊपर गर्म किया जाता है। (27 मई – 9जून, 2021)

9. Rawchem: It is an indigenously prepared wind instrument of the Mizo tribe. It is widely spread among the Kuki-chin tribes inhabiting across the north-eastern region of India and known by different names by different Kuki and Chin tribes. It is prepared by using local small bamboo reeds of different length, dry gourd, brass foil, bee wax and powder of oyster shell. The skin of the gourd is scrapped and exposed to the sunlight for few days. It is than seasoned by keeping above the fireplace to prevent from insect and termite attack (27th May – 9th June, 2021).

वीथि संकुल की देशज संगीत दीर्घा में प्रदर्शित रॉचेम तथा पारम्परिक परिधान मे वादक का पुतला I/Rawchen and mannequin of instrumentlist in traditional attire displayed in the ethno music gallery of Veethi Sankul.

10. कोठा घर: पश्चिम बंगाल की भूमिज जनजाति का पांरपरिक आवास: संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनी जनजातीय आवास में स्थापित यह प्रादर्श कोठा घर दो मंजिल एवं छप्पर युक्त है। भूमिजों के घर साफ सुथरे एवं सुसज्जित दीवारों वाले होते है। (10 जून, 2021)

10. Kotha Ghar: traditional house of Bhumij tribe, West Bengal: This exhibit installed in the Tribal Habitat Open Air exhibition of the museum depicts a double storied Kotha Ghar having thatched roofs. Their house is neat and clean with decoration on the walls (10th – June, 2022).

A - जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी में कोठा घर का बाहरी दृश्य I/External view of Kotha Ghar in the Tribal Habitat open air exhibition.
B - कोठा घर का भीतरी दृश्य I/Inner view of Kotha Ghar .

11. माजुली असम के सलमोरा ग्राम की कुमार मृद्भाड परंपराः यह प्रस्तुति माजुली असम के सलमोरा ग्राम की कुम्हारी पंरपरा का प्रदर्शन करती है। असम में माजुली द्वीप के मृद्भांड एक प्राचीन वैभवपुर्ण संस्कृति को प्रतिबिम्बित करती है। (11– 16 जून, 2021)

11. The Kumar Pottery of Salmora village, Majuli Assam: This presentation depicts the Kumar pottery tradition of Salmora village, Majuli, Assam. The pottery of Majuli island in Assam mirrors the glorious culture and tradition of this ancient practice (10th – 16th June, 2021).

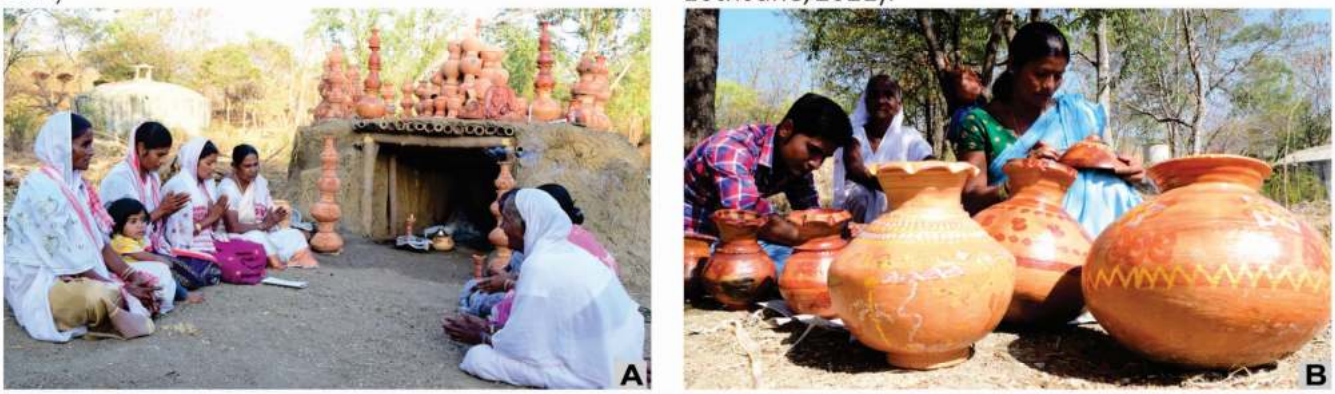

A,B - कुम्हारी समुदाय के लोंगों द्वारा पारंपरिक अनुष्ठान की झलकियाँ।/ Glimpses of performance of traditional ritual by community members of pottery tradition.

12. माओ–बु–खारः मेघालय के पुनीत वनः यह प्रस्तुति मेघालय के मॉफलांग की खासी जनजाति के पुनीत वनों एवं पवित्र पाषाण (देवी–देवताओं) को दर्शाता है। ऐसा माना जाता है कि इन पुनीत वनों में देवताओं एवं पूर्वजों की आत्मा निवास करती है। (17–23 जून, 2021)

12. Maw-Bu-Khar: Sacred Groves of Meghalaya: This prsentation depicts the sacred forest and sacred stone (dieties) of the Khasi tribe of the Mawphlang region of Meghalaya. It is believed that the souls of gods and ancestors reside in these sacred forests (17th – 23rd June, 2021).

A,B - मेघालय की खासी जनजाति के लोंगों द्वारा पुनीत वन प्रदर्शनी में पारंपरिक अनुष्ठान की झलकियाँ।/ Glimpses of Performance of ritual by Khasi tribe of Meghalaya in Sacred Grove exhibition.

13. पालीवाल आवास, जैसलमेर, राजस्थानः संग्रहालय की मरूग्राम मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित यह प्रादर्श राजस्थान के खूबसूरत पालीवाल आवास को दर्शाता है। आवास के सामने खुली छत और बालकनी है जिसमें सकरा प्रवेश द्वार है। घर में दो भूमिगत कक्ष भी हैं जिन्हें विश्राम कक्ष की तरह इस्तेमाल किया जाता है। (24– 30जून, 2021)

13. Paliwal House, Jaisalmer, Rajasthan: This exhibit installed in the Desert Village Open Air exhibition of the museum depicts a beautiful Paliwal houses of Rajasthan. The front of the house has an open terrace and a balcony (covered window) with a narrow entrance. The house also has two underground chambers which are used as rest rooms. (24th – 30th June, 2021).

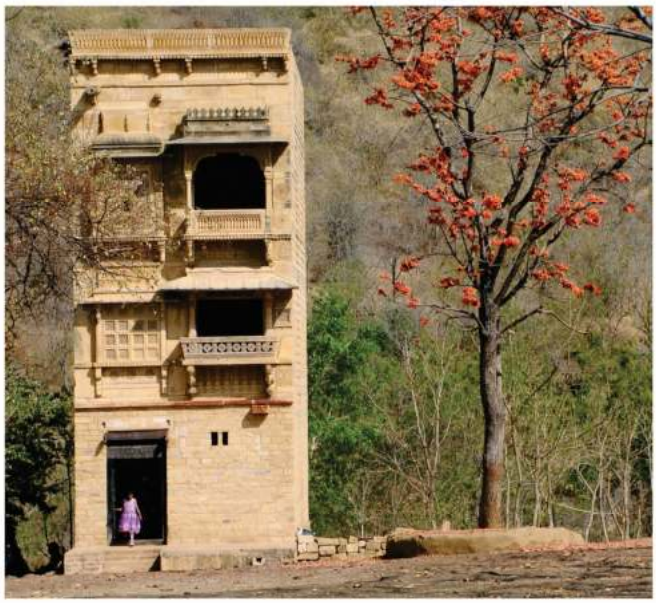

मरूग्राम मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित जैसलमेर, राजस्थान का पालीवाल आवास। / Paliwal House of Jaisalmer, Rajasthan installed in the Desert Village Open Air exhibition

14. नॉक मोंगः मेघालय का पारंपारिक गारो आवासः संग्रहालय की जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित यह प्रादर्श मेघालय के गारो समुदाय के सुंदर एवं पारंपरिक आवास का वर्णन करता है। इसकी सुव्यवस्थित छप्पर वाली छत है। घर में शयन कक्ष, चूल्हे, सफाई व्यवस्था, रसोई, जल भंडार, मदिरा बनाने, गाय, सूअर, मुर्गी आदि पशुओं हेतु बाड़े एवं जलाऊ लकड़ी रखने इत्यादि के लिए भी स्थान की व्यवस्था की गई है। (1–7 जुलाई, 2021)

14. Nokmong: traditional Garo House of Meghalaya: This exhibit installed in the Tribal Habitat open air exhibition of the museum depicts a beautiful traditional house of Garo community of Meghalaya. It has a nicely trimmed thatched roof. The house has the provisions for sleeping, hearth, sanitary arrangements, kitchen, water storage, fermenting wine, cattle-shed, pigsty, hencoop, and enclosure for stacking firewood (1st–7th July, 2021).

A,B - इंगारामासं की मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित गारो आवास प्रकार की झलकियाँ |/Glimpses of traditional Garo house type exhibited in open air exhibition of IGRMS.

15. मेंढ़का बियाह का अनुष्ठानः मिथक वीथि मुक्ताकाश प्रदर्शनी का यह प्रादर्श उचित समय पर अच्छी वर्षा के लिए देवी देवताओं की पूजा की पंरपरा को प्रदर्शित करता है। यह टेराकोटा निर्मित मेढ़क की दो आकृतियों सहित टेराकोटा म्युरल्स के द्वारा छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में मेंढ़क एवं मेंढ़की के विवाह के अनुष्ठान को दर्शाता है। (08–14 जुलाई, 2021)

15. The Ritual of Mendhka Bihav: This exhibit from the Mythological Trail open air exhibition depicts a tradition of worshiping the gods and goddesses for good rain at the right time. It showcases the tradition of marriage ritual between mendhak and mendhaki in Bastar region of Chhattisgarh depicted in terracotta mural with two terracotta frogs (8th–14th July, 2021).

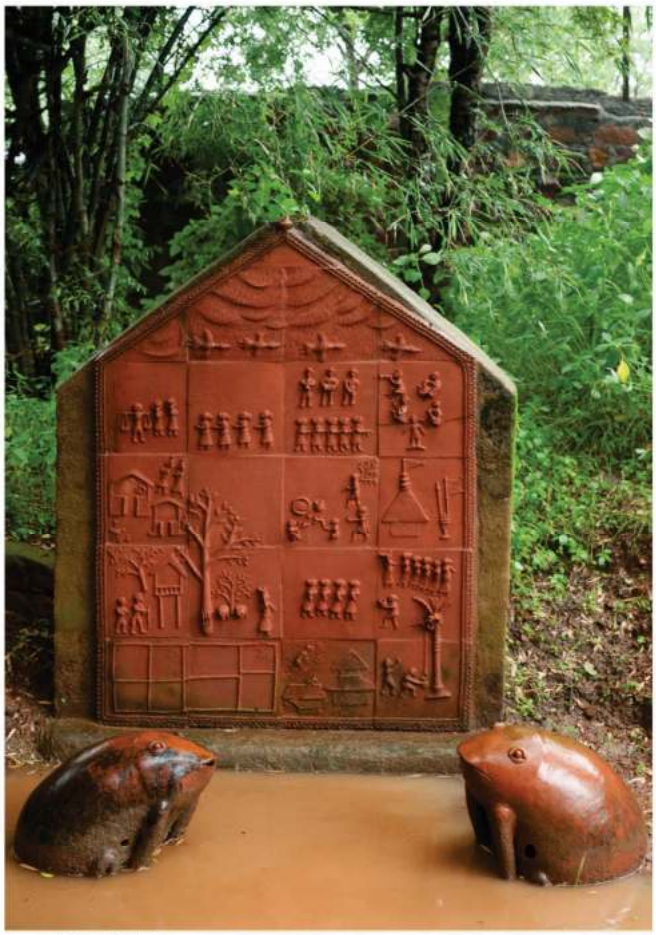

मिथक वीथि मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में मेंढ़क एवं मेंढ़की के विवाह का अनुष्ठान। / The marriage ritual between mendhak and mendhaki of Bastar region of Chhattisgarh, exhibited in the Mythological Trail open air exhibition

16. कोठारः उत्तराखण्ड़ के रवांई समुदाय का एक पारंपरिक अन्नागारः हिमालय ग्राम मुक्ताकाश प्रदर्शनी का यह प्रादर्श उतराखण्ड के रवांई समुदाय के पांरपरिक अन्नागार प्रणाली को दर्शाता है। इस अन्नागार में चलने की सुविधा सहित फूल पत्तियों एवं बेल की आकर्षक आकृतियॉ और खूबसूरत नक्काशी है। इसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता है। इसका निचला हिस्सा मिट्टी एवं पत्थर से तैयार चार दीवार युक्त डिब्बानुमा अहाते के साथ है एवं छत लकड़ी एवं पाथाल (स्थानीय पत्थर) से आच्छादित है। (15–21जुलाई, 2021)

16. Kothar: A traditional granary of Rawain community, Uttarakhand: This exhibits from the Himalayan Village Open Air Exhibition depicts a traditional granary system of Rawain community of Uttarakhand. Beautiful carvings and attractive motifs of flowers, leaves and creepers with facility of movement are present in this granary. It can be shifted from one place to another. Its lower portion is a box-type enclosure made of four walls prepared by mud and stone. The roof is covered with wood and Pathaal (local stone) (15th -21st July, 2021).

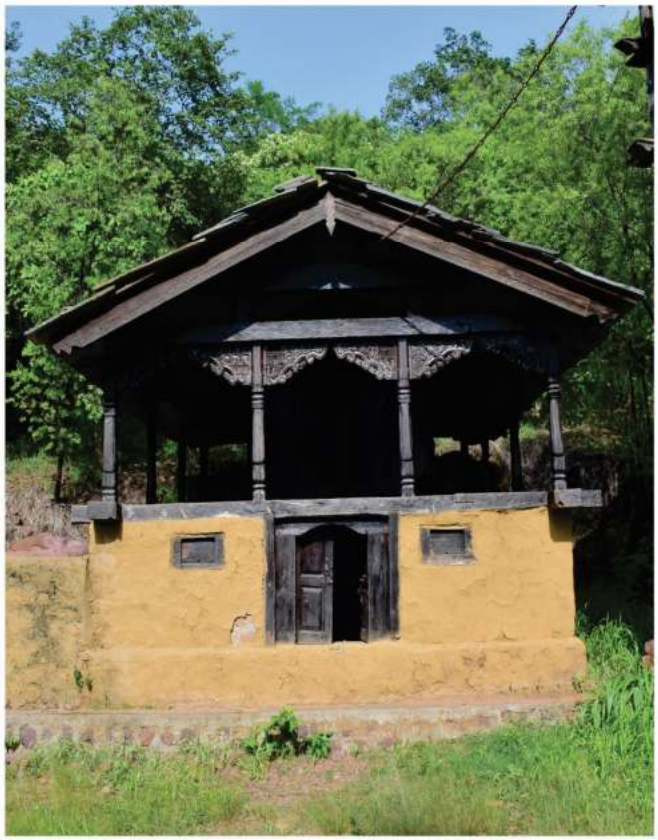

उत्तराखण्ड के रवांई समुदाय के एक पारंपरिक अन्नागार 'कोठार'का दृश्य।/'Kothar' A traditional granary of Rawain community of Uttarakhand

17. सुन्नापुगनुगुः यह पांरपरिक उपकरण प्रादर्श निर्माण कार्य में पत्थर एवं ईटों को जोड़ने हेतु चूना पीसने एवं मिश्रण तैयार करने की पंरपरागत कला को दर्शाता है। यह आन्ध्र प्रदेश के वोमपिल्ली ग्राम से संग्रहित किया गया है। (22–28जुलाई, 2021)

17. Sunnapuganugu: This traditional mechanical device showcases the traditional technique for grinding limestone and preparing a lime binding mixture used for joining bricks and stone in construction works. It is collected from Vompilli village, Andhra Pradesh (22nd–28th July, 2021).

संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनी पारम्परिक तकनीकी उद्यान में कलाकारों द्वारा 'सुन्नापुगनुगु' का जीवंत प्रदर्शन।/Live demonstration of 'Sunnapuganugu' by artists in the Traditional Technology open air exhibition of the museum.

18. मध्य प्रदेश की बैगा जनजाति की गोदना परम्पराः बैगा पुरूष और स्त्रियॉ अपने गुदनायुक्त शरीर से सहज पहचाने जा सकते हैं। उनके बीच गुदना केवल शारीरिक अलंकरण नहीं अपितु सामाजिक सांस्कृतिक मूल्यों को संजोये है। इस वीडियो प्रस्तुती में बैगाओं में प्रचलित गोदने के दृश्य संम्मिलित हैं। गोदना धारी महिलाएं समाज में उच्च्व प्रतिष्ठा रखती हैं। उनका ऐसा मानना है कि सघन गोदना वाली महिलाओं को उनकी ससुराल में काफी सम्मान मिलता है। (29जुलाई –4 अगस्त, 2021)

18. Tattoo tradition of Baiga tribe, Madhya Pradesh: Baiga men and women can be easily recognized by their tattooed body. Amongst them tattooing is not just a body decoration but also comprises of social and cultural values. This video presentation contains the visuals of tattoos prevalent among the Baigas. Women who bear tattoos attain high social prestige. They believe that heavily tattooed women get a special space of respect from their in-laws (29th July –4th August, 2021).

A,B - शरीर पर पांरपरिक गोदना प्रतिमान युक्त बैगा महिला I/Baiga women with traditional tattoo motifs on body.

19. ओडिशा की साओरा जनजाति का पांरपरिक आवासः यह प्रस्तुति संग्रहालय की जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित प्रादर्श के जरिये साओरा लोगों की दुनिया की भावातीत यात्रा कराती है। सफेद पट्टियों से सजी मिट्टी की दीवारों वाला घर आकार में आयताकार है। भू स्तर से छत का ढ़लान बहुत जादा तथा नीचे तक है। मुक्ताकाश और अंतरंग संग्रहालय से लिये गये प्रादर्श के सुन्दर छायाचित्रों ने साओरा सांस्कृतिक परम्परा के दूसरे पक्षों की व्याख्या की और दर्शकों का मन मोहा। (5–11 अगस्त, 2021)

19. Traditional House type of Saora Tribe of Odisha: This presentation takes a virtual tour to the world of Saora through exhibit installed in the Tribal Habitat Open Air exhibition of the museum. The house is rectangular in shape with mud walls decorated with white stripes. The slope of the roof is very steep and very low from the ground level. Wonderful visuals of exhibit in the open-air and the indoor museum described the other aspects of cultural traditions of Saora and mesmerized the virtual visitors. (5th–11th August, 2021).

संग्रहालय की जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित ओडिशा की साओरा जनजाति का पांरपरिक आवास I/ Traditional House type of Saora Tribe of Odisha installed in the Tribal Habitat Open Air exhibition of the Museum.

20. टेराकोटा के अश्व, अय्यनार देवः कुम्हारपारा मुक्ताकाश प्रदर्शनी का यह प्रादर्श तमिलनाडु के लोक समूहों द्वारा पूजे जाने वाले ग्राम देवता अय्यनार को प्रदर्शित करता है। संग्रहालय ने अपने परिसर मे इस प्रादर्श की स्थापना कर तमिलनाडु के पुदुकोट्टई जिले से टेराकोटा अर्पित किये जाने की प्राचीन परम्परा को जीवंत रखने वाले कलाकारों का सम्मान किया है। (12– 18 अगस्त, 2021)

20. Votive Terracotta Horse, Aiyyanar Deity: This exhibit from the Kumhar para open air exhibition depicts a village god Aiyyanar worshiped by the folk people of Tamil Nadu. Museum attempted to honour the living legends that preserved this ancient tradition of producing terracotta offerings from Puddukottai District of Tamil Nadu with an installation of an AIYYANAR complex in its premises (12th – 18th August, 2021).

A,B - इंगारामासं की मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित अय्यनार देव स्थल की झलकियाँ ।/Glimpses of Aiyyanar Shrine place exhibited in open air exhibition of IGRMS.

21. उमंग लाइगी लाइकों, मणिपुर के पुनीत वनः पुनीत वन मुक्ताकाश प्रदर्शनी का यह प्रादर्श 'उमंगलाई' पितृ देवताओं की पूजा का वर्णन करता है। ऐसा माना जाता है कि मणिपुर में लगभाग 365 उमंग लाई है जिनकी प्रसन्नता कि लिये वार्षिक लाई हराओबा नामक उत्सव मनाया जाता है। वीडियो संबंधित समुदाय के पुजारी द्वारा संग्रहालय परिसर में किये गये अनुष्ठान की झल्कियों और संग्रहालय अधिकारी द्वारा व्याख्या से युक्त था। (19–25 अगस्त, 2021)

21.Umang Laigi laikon, Sacred Groves of Manipur: This exhibit from the Sacred Grove Open air exhibition depicts the ancestral worship of 'Umang Lai' deities. It is believed that there are around 365 Umang Lais in Manipur through which annual merry making festival called Lai Haraoba is celebrated. The video contained clippings of rituals performed by respective community priest in museum premises and commentary by the museum official (19th -25th August, 2021).

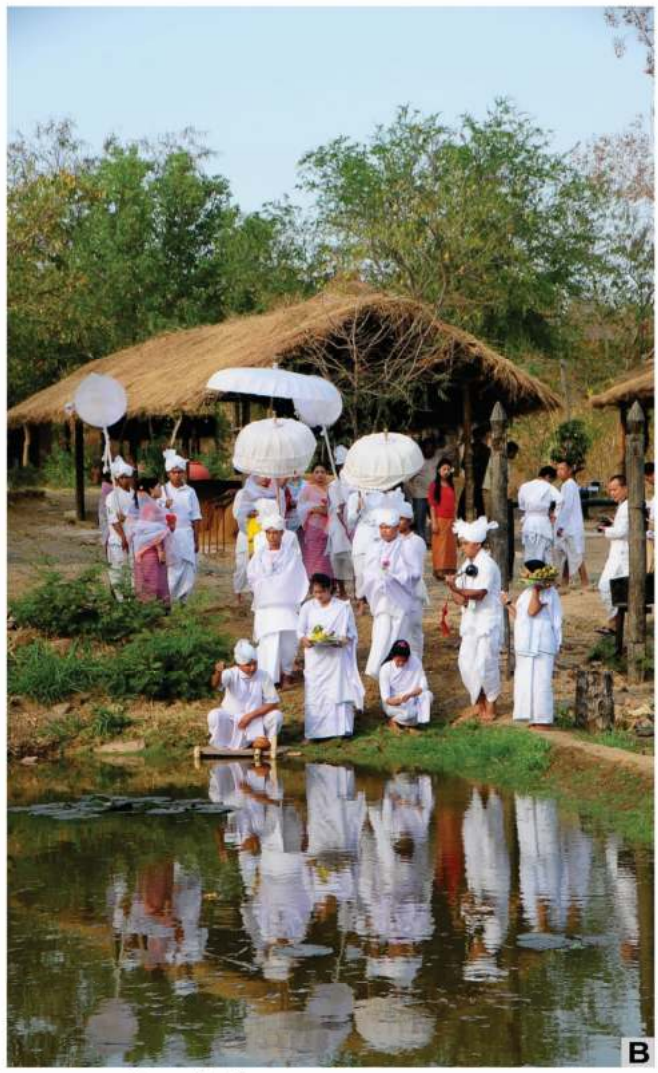

A,B - संग्रहालय परिसर में मैतेई समुदाय के प्रतिनिधियों द्वारा पारंपरिक अनुष्ठान की झलकियाँ। ।/Glimpses of ritual performances by Meitei representatives in the Museum premises.

22. राजस्थान के स्मारकः संग्रहालय की मरूग्राम मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित यह प्रादर्श जैसलमेर, राजस्थान में निवासरत राजपूतों के बीच मृतकों की स्मृति में बनाये जाने वाले स्मारक/छतरी की परंपरा को प्रदर्शित करता है। यह बहुमूल्य अलंकृत स्मारक सम्पन्नता का प्रतीक हैं एवं राजपूतों के भव्य वास्तुशिल्पी कौशल को प्रदर्शित करते है। (26 अगस्त– 1 सितम्बर, 2021)

22. Cenotaphs of Rajasthan: This exhibit installed in the Desert Village Open Air exhibition of the museum showcases the tradition of making cenotaphs/chhatri among the Rajputs residing in Jaisalmer, Rajasthan in the memory of the death. These priceless ornamented cenotaphs are a symbol of prosperity and showcase the grandeur architectural prowess of the Rajput (26th August – 1st Sept, 2021).

इंगारामासं की मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित छतरी का दृश्य।/Glimpse of Chhatari exhibited in open air exhibition of IGRMS.

23. कुनेमेचे, सम्पन्न चाखेसांग नागा आवासः जनजातीय आवास, मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित यह प्रादर्श नागालैंड के चाखेसांग नागाओं के मध्य सम्पन्न व्यक्ति के आवास को दर्शाता है। सीका कहे जाने वाले सींग सदृश्य उभार से इस आवास को सहज पहचाना जा सकता है। सीका युक्त आवास केवल वही बना सकता है जिसने ग्रामवासियों को कई सामूहिक भोज दिये हैं। घर के सभी सामान, उनका आकार और माप मकान मालिक की सम्पन्नता और सामाजिक प्रतिष्ठा निर्धारित करते है। (02–08सितम्बर, 2021)

23. Kunemeche, the Chakhesang Naga House of Merit: This exhibit installed in the Tribal Habitat open air exhibition depicts the house of richman among the Chakhesang Naga of Nagaland. One can identify this house by the presence of a horn like projection called Ceka. The person who has given several feasts to the villagers is only entitled to adorn his house with Ceka. All the materials, shape and size of the house determines the richness and value of the owner. (2nd -8th September, 2021)

A,B-संग्रहालय की जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित चाखेसांग नागा आवास की झलकियाँ।/ Glimpses of traditional house type of Chakhesang Naga installed in the Tribal Habitat open air exhibition of the Museum.

24. अगरिया जनजाति का उत्पत्ति मिथकः मिथक वीथी मुक्ताकाश प्रदर्शनी में संयोजित यह प्रादर्श अगरिया जनजाति की उत्पत्ति का वर्णन करता है। अगरिया जनजाति जो मुख्यतः लोहा पिघलाने का कार्य करती है बड़े पैमाने पर मध्य प्रदेश के डिंडोरी, बालाघाट, सीधी एवं छत्तीसगढ़ के लगे हुए जिले जैसे बिलासपुर, रायगढ़ कवर्धा आदि मे निवासरत है यह एक मात्र ऐसी जनजाति है जो प्राचीन समय से पत्थर– लोहे की खदानो में कार्य करते रहे हैं। कहानी या मिथक को अगरिया जनजाति के कलाकारों ने प्रवेश द्वार के रूप में दर्शाया है। (09–15 सितम्बर, 2021)

24. Origin Myth of Agaria Tribe: This exhibit installed in the Mythological Trail open air exhibition depicts the origin of Agaria tribe. Agraia tribe, a traditional iron smelter largely inhabited in Mandla, Dindori, Balaghat and Sidhi district of Madhya Pradesh and adjoining districts of Bilaspur, Raigarh, Kawardha districts of Chhattisgarh. This is the only tribe of Madhya Pradesh, which has worked in stone-iron mining since ancient times. Story or myth is depicted in form of entrance gate by artists from Agaria tribe. (9th – 15th September, 2021).

A,B - संग्रहालय परिसर में प्रदर्शित अगरिया आवास प्रकार एवं उनका पारंपरिक लौह प्रगलन भट्टी की झलकियाँ। I/Glimpses of Agaria house type with their traditional iron furnace exhibited at Museum premises.

25. चांसा, लद्दाख का एक पांरपरिक रसोई घरः हिमालय ग्राम मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित यह प्रादर्श लद्दाख के पांरपरिक रसोई घर को प्रदर्शित करता है। लद्दाखी रसोई घर एक सामुदायिक कक्ष की तरह दिखता है जहाँ मेहमानों का स्वागत एवं मेहमाननवाजी की जाती है तथा परिजन एक साथ मिलते एवं भोजन करते है। चांसा में क्रम से सुव्यवस्थित बर्तन भव्यता का आभास देते हैं। खुली अंगीठी अथवा भट्टी जिसे थप या थाप के नाम से जाना जाता है सर्दियों के दौरान कक्ष को गर्म रखती है। (16–22 सितम्बर, 2021)

25. Chansa, A Traditional Kitchen from Ladakh: This exhibit depicts the traditional kitchen from Ladakh installed at the Himalayan open air exhibition. The Ladakhi kitchen appears like community room where guests are welcomed and entertained, and families meet and eat together. The display of utensils arranged in an orderly manner at Chansa reflects its grandeur presence. Inside, an open hearth or furnace which is commonly known as Thap or Thaap allows the room to keep warm in winters (16th -22nd September, 2021).

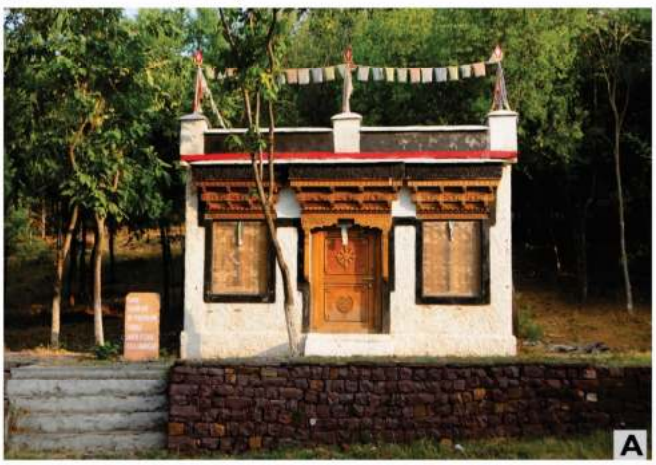

A,B-संग्रहालय में स्थापित चांसा, लद्दाख के एक पांरपरिक रसोई घर की झलकियाँ I/ Glimpses of Chansa, a traditional Kitchen from Ladakh installed in the Museum.

26. परोल, हिमाचल प्रदेश का पांरपारिक प्रवेश द्वारः संग्रहालय के प्रवेश द्वार क. 01 पर स्थापित यह प्रादर्श भव्य हिमालयी वास्तुशिल्प को दर्शाता है। इस प्रकार के द्वार हिमालय के मंदिरों में भी पाये जाते है। इस द्वार के निर्माण में कलाकारों ने पगोडा, सतलज और शिवालय शैलियों के मिश्रण का उपयोग किया है जो हिमाचल प्रदेश में मन्दिर, प्रसादों (महल) तथा पारम्परिक आवास तीनों प्रकारों के स्थापत्य का संयोजन है। इस प्रकार के द्वार हिमाचल प्रदेश मे परोल के रूप में ज्ञात हैं। (23–29 सितम्बर, 2021)

26. Parol, the traditional entrance gate from Himachal Pradesh: This exhibit installed at the gate no.1 of the Museum depicts the marvelous Himalayan architecture. Such type of gates are also found in the Himalayan temples. A mixture of pagoda, Sutlej and Shivalaya style has been used by the artists to make this gate, which combines the architecture of the temples, palaces and traditional houses of Himachal Pradesh. Such gates are mostly known as Parol in Himachal Pradesh (23rd -29th September, 2021).

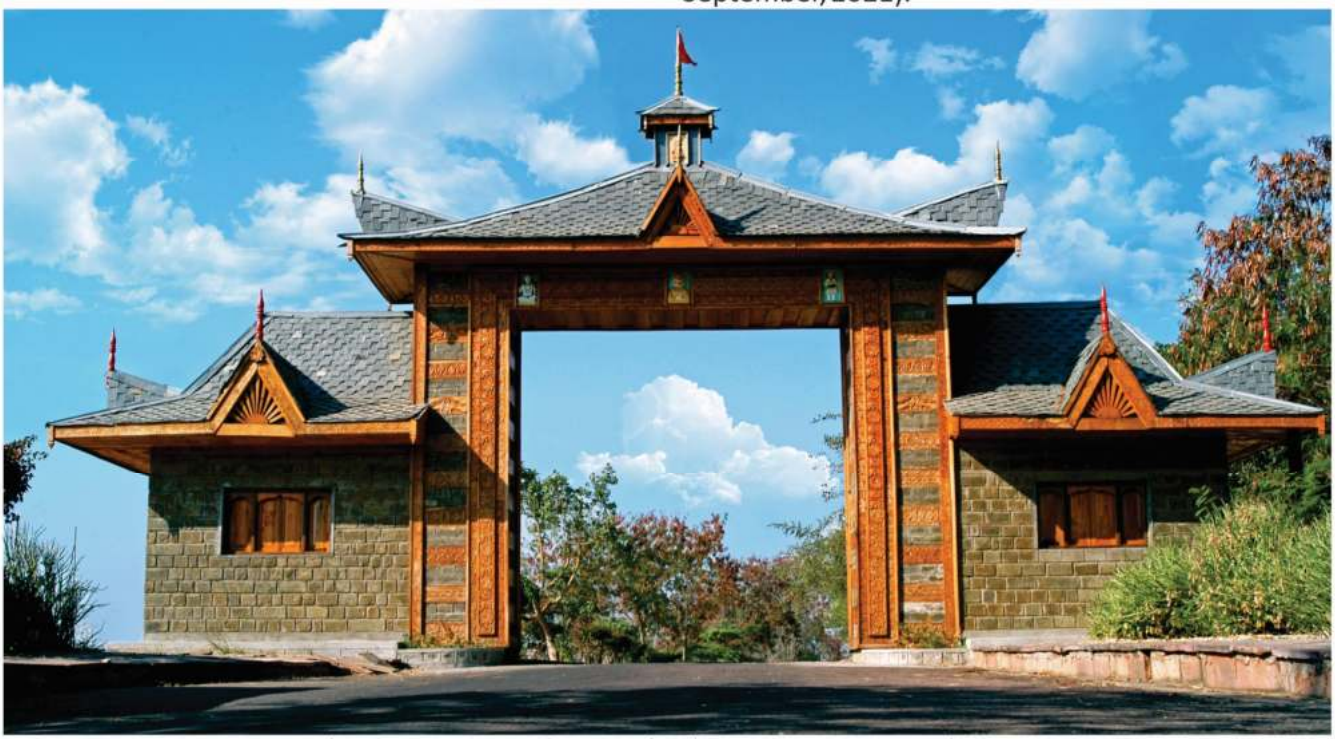

'परोल' हिमालय की पारम्परिक वास्तु शैली में बना संग्रहालय का मुख्य प्रवेश द्वार।
'Parol' the main entrance gate of the Museum built on traditional style of Himalayan architecture.

27. गुग्गा देवः संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनी मिथक वीथि में स्थापित यह प्रादर्श हिमाचल प्रदेश के सिरमोर एवं कांगड़ा जिलों, राजस्थान के चुरू एवं पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, एवं मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों के विविध लोक देवी देवताओं में से एक हैं। गुग्गा देव के मंदिर में एक छोटा कक्ष होता है जहाँ वह विराजमान रहते है। (30 सितम्बर–06 अक्टूबर, 2021)

27. Gugga Dev: This exhibit installed in the Mythological Trail open air exhibition is one amongst the various folk deities having shrine in Sirmour and Kangra districts in Himachal Pradesh, Churu of Rajasthan and some places in Punjab, Haryana, Uttar Pradesh and Madhya Pradesh. The temple of Gugga Dev consists of a single small room and deity housed there (30th September -6th October 2021).

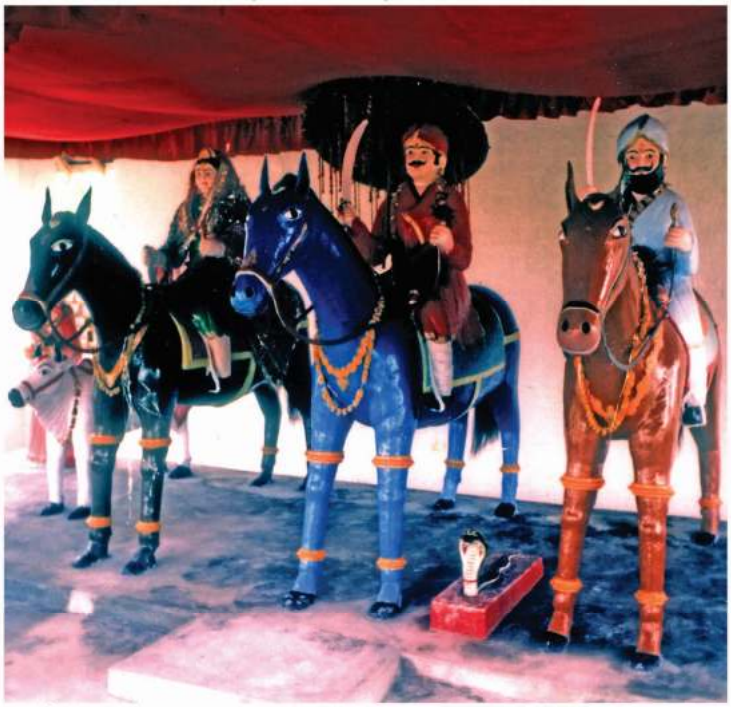

संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनी मिथक वीथि में स्थापित प्रादर्श 'गुग्गा देव' का दृश्य।/View of 'Gugga Dev' the exhibit installed in the Mythological Trail open air exhibition of Museum.

28. खारू, चाखेसांग नागा का पांरपरिक ग्राम द्वारः नागा काष्ठ कला धार्मिक मान्यताओं एवं अनुष्ठानों से जुड़ी है। काष्ठ नक्काशी का कार्य जो उनकी पांरपरिक उत्पत्ति के जितना प्राचीन है को दो मुख्य भागों शिरोच्छेदन और मोरूंग संस्था से संबंधित देखा जा सकता है। लकड़ी के इस दरवाजे पर मानवशीर्ष, मिथुन, मुर्गे, सूर्य और अर्धचन्द्र प्रतीक, लडते हुए क्रोधित मिथुन तथा स्त्रीय वक्ष भी उत्कीर्णित और प्रदर्शित किये गये हैं। (07–13 अक्टूबर, 2021)

28. Kharu, A traditional Village Gate of Chakhesang Naga: Naga wood carving is associated with religious beliefs and practices. The act of wood carving which is as old as the history of their traditional origin may be considered under two main heads connected respectively with head hunting and Morung institution. Carvings of human heads, Mithun (Bos frontalis), chickens, the symbols of sun and crescent moon, fierce fighting Mithuns and female breasts are also carved and depicted on the wooden door (7th – 13th October, 2021).

संग्रहालय परिसर में प्रदर्शित 'खारू' चाखेसांग नागा का पांरपरिक ग्राम द्वार। / 'Kharu' a traditional Village Gate of Chakhesang Naga exhibited at Museum premises.

29. गाड़ी, राजस्थान के गडोलिया लोहार की एक पारंपरिक बैलगाड़ीः निर्मित संरचनाओं के अतिरिक्त इंगांरामासं के संग्रह में कुछ ऐसे अनोखे प्रादर्श भी हैं जिनका संबंधित समुदाय के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित गडोलिया लोहार समुदाय की एक पारम्परिक बैलगाड़ी एक ऐसा ही प्रादर्श है। यह मुख्यतः राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी महाराष्ट्र, एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पाये जाते है। यह प्रादर्श 1984 में संग्रहित किया गया था। (14–19 अक्टूबर, 2021)

29. Gadi, a traditional bullock cart of Gadoliya Lohar, Rajasthan: Apart from built structures IGRMS also houses some unique objects in its collection having significant position in life of respective community Gadi which is a traditional bullock cart of Gadoliya Lohar community is one such object displayed in Tribal Habitat open air exhibition. These are mainly found in Rajasthan, Gujarat, Madhya Pradesh, Punjab, Haryana, Western Maharashtra and Western Uttar Pradesh. This exhibit was collected in the year 1984. (14th – 19th October, 2021).

संग्रहालय परिसर में प्रदर्शित राजस्थान के गडोलिया लोहार की एक पारंपरिक बैलगाड़ी। / A traditional bullock cart of Gadoliya Lohar of Rajasthan exhibited at Museum premises.

30. तेर, मंदिर रथ: भारत के कर्नाटक राज्य के उडुपी जिले के परनानकिला ग्राम के कृष्णा मठ से 1995 में इस मंदिर रथ को संग्रहित किया गया है। उत्सवों में इस रथ पर देवी –देवताओं को स्थापित करके ग्रामवासियों एवं आस पास के क्षेत्रों से आये लागों द्वारा खींचा जाता है। ऐसा माना जाता है कि जो श्रद्वालु रथ को आदर के साथ खींचता है उन्हें सौ यज्ञों के समतुल्य फल मिलता हैं (20–26 अक्टूबर, 2021)

30. Ter, a Temple Chariot: This temple chariot has been collected in the year 1995 from the Krishna Math of Pernankila village in the Udupi district of Karnataka state. During the festival, after installing the deities, the chariot is pulled by the villagers and the devotees who come from the surrounding area. It is believed that the devotee who pulls this chariot with reverence, gets the results equivalent to hundred 'Yagya' (20th -26th October, 2021).

संग्रहालय परिसर में प्रदर्शित प्रादर्श 'तेर' एक मंदिर रथ।/ 'Ter' A Temple Chariot exhibited at Museum premises.

31. कांग्ला सनाथोंग, मणिपुर के शाही कांग्ला द्वार का प्रतिरूप: जनजातीय आवास, मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित यह प्रादर्श माणिपुर के शाही कांग्ला द्वार को प्रदर्शित करता है। कांग्ला मणीपुर की राजधानी इम्फाल के मध्य में स्थित एक प्राचीन महल है। यह प्रादर्श मणीपुर के ऐतिहासिक, सामाजिक, वास्तुशिल्पीय, पारंपरिक एवं धार्मिक महत्व का प्रतीक है। (27 अक्टूबर –03 नवम्बर, 2021)

31. Kangla Sanathong, a model of the Royal Kangla Gate, Manipur: This exhibit installed in the Tribal Habitat open air exhibition depicts the royal Kangla Gate of Manipur. Kangla is an ancient palace in the heart of Manipur's capital city, Imphal. This exhibit embodies key historical, social, architectural, traditional, and religious elements of Manipur (27th October – 3rd November, 2021).

संग्रहालय में स्थापित मणीपुर का पारम्परिक द्वार 'कंगला' ।/ 'Kangla' traditional gate of Manipur installed in the Museum.

32. माओली माता की गुड़ी: जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित यह प्रादर्श बस्तर में चित्रकोट जलप्रपात के पास मटनार ग्राम के माओली माता के मंदिर की प्रतिकृति है। इसमें दो झोपड़ियॉं हैं। बाहरी पत्थर की छत वाली झोपड़ी है जो पत्थर की ही शिलाओं पर खड़ी की गई है। मिट्टी की दीवारों वाले घर में पूर्व बस्तर वंश की कुल देवी देंतश्वरी का रूप माओली माता हैं। (4–10 नवम्बर, 2021)

32. Maoli Mata Ki Gudi: The exhibit is replica of the shrine of Maoli-Mata from Matnar village near Chitrakot waterfall in Bastar. It consists of two huts. The outer chip stone roofed hut is erected on stone-slabs. The mud-walled hut houses Maoli, a form of goddess Danteswari the presiding deity of erstwhile Bastar dynasty. Apart from socio-religious significance the shrine is also important for its construction as ceiling or roof of the structure lies upon slabs. (4th – 10th November, 2021).

संग्रहालय की जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित प्रादर्श 'माओली माता की गुड़ी' की झलक।/ Glimpse of 'Maoli Mata Ki Gudi' exhibited at Tribal Habitat open air exhibition of Museum.

33. छतीसगढ़ का रजवार आवास: मुक्ताकाश प्रदर्शनी जनजातीय आवास में सन् 1995–96 में स्थापित यह प्रादर्श छत्तीसगढ़ के एक लोक समुदाय रजवार कलाकारों के कौशल और वास्तुशिल्पी ज्ञान को दर्शाता है। घर की छत बनाने में जंगली पशु–पक्षियों की आकृति युक्त हाथ से बने खपरों का प्रयोग किया जाता है। घर की दीवारों और जालियों पर खूबसूरत सजावटी कारीगरी देखी जा सकती है। (11 – 17 नवम्बर, 2021)

33. Rajwar House of Chhattisgarh: This exhibit from the Tribal Habitat open air exhibition installed in 1995-96 depicts the Rajwar artist's skills and architectural wisdom of a folk community of Chhattisgarh. Handmade baked tiles having endorsed with varied figures of wild birds and animals are used for roofing the house. Lattice work is greatly rendered with art works are profoundly seen on the walls of the house (11th -17th November, 2021).

संग्रहालय में स्थापित छतीसगढ़ के 'रजवार आवास' एवं जाली कार्य।/ Lattice work and 'Rajwar House' of Chhattisgarh installed in the Museum.

34. मोगरा देव, एक जनजातीय देवता: गुजरात की चौधरी जनजाति के मध्य मोगरा देव के विषय में प्रचलित विश्वास व्यवस्था को जिसे इंगांरामासं के जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया हैं। (18 से 24 नवंबर, 2021)

34. Mogra Dev, A Tribal Deity: A belief system prevalent among the Chaudhri tribe of Gujarat about the Mogra Dev, is presented in Tribal Habitat open air exhibition of IGRMS. (18th -24th November, 2021).

A,B - संग्रहालय के जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित प्रादर्श मोगरा देव, एक जनजातीय देवता की झलकियाँ।/ Glimpses of Mogra Dev, A Tribal Deity exhibited in Tribal Habitate of Museum.

1.2 अभिलेखागारीय संसाधनो में वृद्धि: समीक्षा अवधि के दौरान संग्रहालय ने अपने संकलन में लगभग 6607 डिजिटल इमेजेस, 32.19 से अधिक घंटों की ऑडियो वीडियो रिकॉर्डिंग, तथा अपने ग्रंथालयीन संग्रह हेतु 28 भारतीय/विदेशी शोध पत्रिकाओं के अंक, एवं 2 पुस्तकों की अभिवृध्दि की।

1.2. Strengthening of Archival Resources: During the period under review, the Museum added nearly 6607 digital images, over 32.19 hours of audio-video recordings, added 28 volumes of Indian/Foreign Journals and published 2 books for its library collection.

02 शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियाँ

Education & Outreach Activities

लोगों को सीधे संग्रहालय से जोड़ने के कारण शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियां इसका अभिन्न अंग रही है। संग्रहालय एवं दर्शकों के मध्य संबंधों की निरंतरता बनाए रखने हेतु देशभर से विद्यालयीन बच्चे, शिक्षक, विद्वान एवं अन्य पेशेवर एवं गैर पेशेवर दर्शकों सहित स्थानीय लोगों की संतुष्टी हेतु इंगांरामासं विविध शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियां आयोजित करता है।

संग्रहालय शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियों में ''करो और सीखो'' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम, कलाकार कार्यशाला, संगोष्ठी /सम्मेलन/ अकादमिक कार्यशालाएं, संग्रहालय लोक रुचि व्याख्यान, वार्षिक इंगांरामासं व्याख्यान, विशेष उत्सव तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दिवस समारोह के साथ मूर्त एवं अमूर्त धरोहर से संबंधित अवसर और मुद्दे इत्यादि भी शामिल है।

कोविड–19 महामारी प्रतिबंधों के कारण इनमें से कुछ गतिविधियां आयोजित नहीं की जा सकी तथापि संग्रहालय द्वारा ऑनलाइन/ऑफलाइन मोड में निम्नांकित शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियां आयोजित की गईः

Education and Outreach activities had been an integral part of the museum as it directly associates masses with the Museum. In order to maintain the Museum-visitor alliance, IGRMS organizes various education programs and outreach activities catering to wide-ranging audiences such as school children, teachers, scholars and other professional and non-professional visitors including local population across the country.

The Museum education and outreach activities include 'Do & Learn' Museum Education Programme, Artists Workshop, Seminar/ Conference / Academic Workshop, Museum Popular Lectures, Annual IGRMS Lecture, particular festivals and celebration of national and international days as also the occasions and issues related to tangible and intangible heritage, etc.

Due to COVID-19 pandemic restriction some of these activities could not be organized. However, following Education and Outreach activities were carried out through online/offline mode by the Museum:

2.1 16 वां वार्षिक इंगांरामासं व्याख्यानः संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के पूर्व टैगोर नेशनल फैलो एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पूर्व संयुक्त महानिदेशक डॉ. एस.बी. ओटा द्वारा 'इंक्वायरीज इनटु डीप ह्यूमन हिस्ट्रीः इन्वेस्टिगेशन्स ऑफ एशूलियन साइट्स अराउंड टिकोडा एंड दामडोंगरी, डिस्ट्रिक्ट रायसेन, मध्य प्रदेश' विषय पर दिनांक 20 जुलाई, 2021 को व्याख्यान दिया गया। यह व्याख्यान गूगल मीट एवं अन्य सोशल मीडिया साइट्स के माध्यम से ऑनलाइन प्रसारित किया गया।

2.1 16th Annual IGRMS Lecture: Dr. S.B. Ota, former Tagore National Fellow, Ministry of Culture, Government of India and former Joint Director General, Archaeological Survey of India delivered 16th Annual IGRMS Lecture on the topic 'Inquiries into Deep Human History: Investigations of Acheulian Sites around Tikoda and Damdongri District Raisen, Madhya Pradesh' on 20th July, 2021. The lecture was conducted online through Google meet and broadcasted in social media.

A,B - डॉ. एस.वी. ओता द्वारा 16 वां वार्षिक इंगांरामासं व्याख्यान की झलकियाँ |/ Glimpses of 16th Annual IGRMS lecture by Dr. S. B. Ota.

2.2 निदेशक इंगांरामासं द्वारा विशेष व्याख्यानः इंगांरामासं के निदेशक, डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र द्वारा एक विशेष व्याख्यान 'एथनोग्राफिक म्यूज़ियम्सः केस स्टडी ऑफ इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल' दिनांक 18 दिसंबर, 2021 को दिया गया जिसे बिहार संग्रहालय, पटना द्वारा ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से आयोजित किया गया।

2.3 17वां वार्षिक इंगांरामासं व्याख्यानः इंगांरामासं के पूर्व क्यूरेटर श्री अशोक तिवारी द्वारा 17वां वार्षिक इंगांरामासं व्याख्यान शैलकला धरोहर कक्ष में दिनांक 23 मार्च, 2022 को 'कहानी मानव संग्रहालय कीः संग्रहालय निर्माण की यात्रा पर एक छोटी सी किस्सा गोई' विषय पर दिया गया।

2.2 Special lecture by Director IGRMS: Dr. Praveen Kumar Mishra, Director, IGRMS delivered a special lecture on the topic 'Ethnographic Museums: A Case Study of Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal' on 18th December, 2021. This lecture was organized by Bihar Museum, Patna through google meet.

2.3 17th Annual IGRMS Lecture: Shri Ashok Kumar Tiwari, Former Curator, IGRMS delivered the 17th Annual IGRMS Lecture on 23rd March, 2022 at Rock Art Heritage Hall, on the topic 'Kahani Manav Sangrahalaya Ki : Sangrahalaya Nirman Ki Yatra par ek Chhoti Si Kissa Goi.'

A-C - श्री अशोक तिवारी द्वारा 17 वें वार्षिक इंगांरामासं व्याख्यान की झलकियाँ।/ Glimpses of 17th Annual IGRMS lecture by Shri Ashok Tiwari.

2.4 संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यान श्रृंखलाः संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यान संग्रहालय की महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित अकादमिक गतिविधियों में से एक है। इसका उद्देश्य मानव विज्ञान, संग्रहालय विज्ञान, पुरातत्व, कला, वास्तुकला, सामाजिक विज्ञान, इतिहास इत्यादि के क्षेत्र में प्रख्यात विद्वानों और शोधकर्ताओं द्वारा शोध कार्य में वर्तमान चलन संबंधी ज्ञान को प्रसारित करना है। यह व्याख्यान आमतौर पर उभरते सामाजिक मुद्दे, स्थिरता, पर्यावरण, अनुकूलन, महिला सशक्तिकरण एवं प्रतिभागिता, समावेशी संग्रहालय पहुंच पर केंद्रित होता है।

2.4 Museum Popular Lecture Series: Museum Popular Lecture is one of the important and prestigious academic activities of the Museum. It aims to disseminate knowledge related to current trends in research works by eminent scholars and researchers in field of anthropology, museology, archaeology, art, architecture, sociology, history etc. These lectures generally focus on topics such as emerging social issues, sustainability, environment, adaption, women empowerment and participation, inclusive museums and accessibility, etc.

अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा इस श्रंखला के अंतर्गत निम्नांकित व्याख्यान आयोजित किए गए:

2.4.1 अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस 2021 के अवसर पर प्रो. अंबिका बिपिन पटेल, संग्रहालय विज्ञान विभाग, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा द्वारा 'रिइमेजिन द फ्यूचर ऑफ इंडियन म्यूजियम्सः एजुकेशन एंड सोशल रिस्पांसिबिलिटीज' विषय पर दिनांक 18 मई, 2021 को एक व्याख्यान दिया। व्याख्यान गूगल मीट एवं फेसबुक लाइव के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित किया गया।

2.4.2 विश्व पर्यावरण दिवस 2021 के अवसर पर डॉ आलोक कुमार कानूनगो, आई.आई.टी. गांधीनगर, गुजरात ने सिग्नीफाइड, सिग्नीफायर एवं साइनः आइडेंटिटी ऑफ नागा आर्टीफैक्ट्स इन द म्यूजियम्सः विषय पर दिनांक 5 जून, 2021 को व्याख्यान दिया। व्याख्यान का आयोजन गूगल मीट एवं फेसबुक लाइव के माध्यम से ऑनलाइन किया गया।

2.4.3 विश्व देशज जन दिवस समारोह के अवसर पर प्रोफेसर विश्वजीत पांड्या, धीरू भाई अंबानी इंस्टीट्यूट फॉर इनफॉरमेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, गांधीनगर द्वारा 'माय प्लेस' विषय पर एक व्याख्यान 9 अगस्त, 2021 को दिया गया।

2.4.4 डॉक्टर रोहिणी अरोड़ा, अकादमिक एवं डिजाइन सलाहकार, चण्डीगढ़ द्वारा 'रुमाल्स ऑफ चंबाः एंब्रॉयडर्ड एक्सप्रेशन ऑफ पहाड़ी वूमेन' विषय पर दिनांक 27 अक्टूबर, 2021 को व्याख्यान दिया गया । यह व्याख्यान गूगल मीट पर एवं फेसबुक लाइव के माध्यम से ऑनलाइन प्रसारित किया गया।

2.4.5 सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह के अवसर पर केंद्रीय जांच ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, श्री भारत भूषण भट्ट द्वारा 'नेसेसरी मीज़र्स टू इरेडिकेट करप्शन एंड मेक ए करप्शन फ्री इंडिया' विषय पर एक व्याख्यान दिनांक 29 अक्टूबर, 2021 को संग्रहालय के शैलकला सभागार में दिया गया।

2.4.6 विश्व धरोहर सप्ताह 2021 के अवसर पर दो विशेष व्याख्यानों का आयोजन किया गया। 'सेंटर फॉर एनवायरमेंट प्लानिंग एंड टेक्नोलॉजी' अहमदाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जय ठक्कर एवं मानसी शाह द्वारा 'काठ–खुनी आर्किटेक्चर ऑफ हिमालयाजः सस्टेनेबिलिटी एंड चेंज' विषय पर दिनांक 23 नवंबर, 2021 को एवं प्रोफेसर तपन के. चक्रवर्ती, 'आर्किटेक्ट, अर्बन डिजाइनर एवं ट्रेण्ड एजुकेटर ने दिनांक 24 नवंबर, 2021 को 'स्टडीज इन वर्नाकुलर आर्किटेक्चरः ग्लिम्प्सेस फ्रॉम उत्तराखंड एंड हिमाचल प्रदेश' विषय पर व्याख्यान दिया।

During the period, following lectures were organized in this series by the Museum:

2.4.1 On the occasion of the celebration of International Museum Day 2021, Prof. Ambika Bipin Patel, Dept. of Museology, Maharaja Sayajirao University, Baroda delivered a lecture on the topic 'Reimagine the Future of Indian Museums: Education and Social Responsibilities' on 18th May, 2021. The lecture was conducted through google meet and facebook live.

2.4.2 On the occasion of World Environment Day 2021, Dr. Alok Kumar Kanungo, IIT Gandhi Nagar, Gujarat delivered a lecture on the topic, 'Signified, Signifier and Sign: Identities of Naga Artifacts in the Museums' on 05th June, 2021. The lecture was conducted through google meet and Facebook live.

2.4.3 On the occasion of the celebration of International Day for the World' Indigenous Peoples, Prof. Vishvajit Pandya, Dhirubhai Ambani Institute for Information and Communication Technology, Gandhinagar delivered a lecture on the topic, 'My place' on 9th August, 2021.

2.4.4 Dr. Rohini Arora, an Academic and Design Consultant, Chandigarh delivered a lecture on the topic 'Rumals of Chamba: Embroidered expression of Pahari women' on 27th October, 2021. The lecture was conducted through google meet and Facebook live.

2.4.5 On the occasion of observation of Vigilance Awareness Week, Shri Bharat Bhushan Bhatt, Additional Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation delivered a lecture on the topic, 'Necessary Measures to Eradicate Corruption and Make a Corruption Free India', at Rock Art Heritage Hall of the Museum on 29th October, 2021.

2.4.6 On the occasion of World Heritage Week 2021, two special lectures were organized. Prof. Jai Thakkar and Mansi Shah from Centre for Environmental Planning and Technology University, Ahmedabad delivered lectures on the topic ' Kath-Khuni Architecture of the Himalayas: Sustainability and Change' on 23rd November, 2021 and Prof. Tapan K. Chakravarty, Architect, Urban Designer and a trained Educator delivered a lecture on the topic 'Studies in Vernacular Architecture: Glimpses from Uttarakhand and Himachal Pradesh' on 24th November, 2021.

2.4.7 डॉ. गौतम कुमार बेरा, टैगोर नेशनल फ़ेलो, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'इंडियन एंथ्रोपोलॉजी एंड कंट्रीब्यूशन ऑफ वेरियर एल्विन इन कॉलोनियल इंडिया' विषय पर एक व्याख्यान दिनांक 21 दिसंबर, 2021 को दिया गया। व्याख्यान का आयोजन विशेषतः औपनिवेशिक भारत में मानव विज्ञान के विकास एवं विस्तार, भारत के लोगों समाज और संस्कृति को समझने की प्रशासनिक आवश्यकता पर संक्षिप्त चर्चा का प्रयास था। व्याख्यान का आयोजन गूगल मीट एवं फेसबुक लाइव के माध्यम से किया गया।

2.4.8 हिंदी पखवाड़ा 2021 के भाग के रूप में श्री आकाश सेन, न्यूज़ हेड, इंडिया 24 टीवी चैनल द्वारा 'मीडिया रिपोर्ट लेखन कौशल' विषय पर एक व्याख्यान दिनांक 29 मार्च, 2022 को संग्रहालय के शैलकला धरोहर सभागार में दिया गया।

2.5 संग्रहालय विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमाः संग्रहालय विज्ञान में शोध एवं प्रशिक्षण के केन्द्र व भारत में एक नवसंग्रहालय आंदोलन का सूत्रपात् करने के अपने घोषणापत्र के एक भाग के अंतर्गत संग्रहालय ने अमरकंटक स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय) के साथ 2019–20 से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन म्यूजियोलॉजी की शुरूवात् की। इस पाठ्यक्रम के संबंध में संग्रहालय तथा आईजीएनटीयू, अमरकंटक के बीच सितम्बर, 2019 में एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित हुआ। वर्तमान में (वर्ष 2021–22सत्र) इस पाठ्यक्रम में कुल 11 विद्यार्थी नामांकित हैं सैद्धांतिक तथा प्रायोगिक कक्षाएं इंगांरामासं के संग्रहालय कर्मियों एवं अन्य विभिन्न संग्रहालयों तथा विश्वविद्यालयों से संग्रहालय विज्ञान एवं मानवविज्ञान के मूर्धन्य विद्वानों द्वारा ली गई।

2.6 संगोष्ठी / परिसंवाद / कार्यशालाः संग्रहालय मानव जाति के सामाजिक सांस्कृतिक संबंधों के विविध पहलुओं पर संगोष्ठी, वेबिनार, गोष्ठी, परिसंवाद, कार्यशाला इत्यादि आयोजित करता है। यह गतिविधियां भारत में नवसंग्रहालय आंदोलन को सुदृढ़ करने में उपयोगी हैं। अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा निम्नांकित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

2.1.7 Dr. Gautam Kumar Bera, Tagore National Fellow, Ministry of Culture, Government of India delivered a lecture on the topic, 'Indian Anthropology and Contribution of Verrier Elwin in Colonial India' on 21st December, 2021. The lecture attempts to discuss in brief the growth and development of anthropology in India, especially during the colonial period, administrative demand for understanding the population, society and culture of the people of India. The lecture was conducted through google meet and it was also broadcasted through facebook live.

2.1.8 As part of Hindi Pakhwada 2021, Shri Akash Sen, News Head of India 24 TV channel delivered a lecture on the topic, 'Media Report Lekhan Kaushal' on 29th March, 2022 at Rock Art Heritage Hall of the Museum.

2.5 Post Graduate Diploma in Museology: As a part of its mandate to act as a center of research, training in museology, generate a new museum movement in India the Museum has initiated a Post Graduate Diploma in Museology in collaboration with Indira Gandhi National Tribal University (a Central University) situated in Amarkantak, Madhya Pradesh since 2019-20 session. An MoU was signed between the Museum and IGNTU, Amarkantak regarding this course in September, 2019. At present (2021-22 session) a total of 11 students were enrolled in this course. Theory and Practical classes were taken by museum professionals of IGRMS and other eminent scholars in the field of museology and anthropology from various universities and museums.

2.6 Seminars/Conference/Workshop: The Museum organizes Seminars, webinars, symposiums, collogquiums, workshops etc. on various aspects of socio-cultural relation of humankind. These activities are useful to strengthen a new museum movement in the country. During the period, the museum organized following programs:

2.6.1 राष्ट्रीय वेबिनारः बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर संग्रहालय द्वारा 'बुद्धिस्ट हेरीटेज आफ सेंट्रल इंडिया' विषय पर एक राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। डॉ. ए. के सिन्हा निदेशक (सेवानिवृत्त) ए.एस.आई., डॉ. ओपी मिश्रा, उपनिदेशक (सेवानिवृत्त) राज्य पुरातत्व विभाग, (म.प्र.), डॉ. एस. एस. गुप्ता, अधीक्षण पुरातत्वविद (सेवानिवृत्त) भा.पु.स. एवं डॉ. दिलीप खमारी, अधीक्षण पुरातत्वविद, लखनऊ सर्किल, भा.पु.स. चर्चा हेतु उपस्थित रहे। वेबीनार गूगल मीट एवं फेसबुक लाइव के माध्यम से दिनांक 26 मई, 2021 को ऑनलाइन आयोजित किया गया।

2.6.2 सहयोगात्मक कार्यशालाः अनंत राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल के सहयोग से दिनांक 29 जुलाई, 2021 को एक अकादमिक कार्यशाला का आयोजन वर्चुअल रूप में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रोफेसर अमरेश्वर गल्ला, युनेस्को चेयर, इन्क्लुसिव म्यूज़ियम्स एण्ड सस्टेनेबल डेवलपमेन्ट के नेतृत्व में किया गया। कार्यशाला के दौरान इंगांरामासं की मुक्ताकाश प्रदर्शनी से तीन आवास प्रकार यथा – कुनेमेची – चाखेसांग नागा आवास प्रकार, नागालैंड, महाराष्ट्र का पारंपरिक वारली आवास प्रकार एवं ओडिशा का पारंपरिक साओरा आवास प्रकार अनंत फेलो हेतु ऑनलाइन प्रस्तुत किए गए। भारत, घाना, अफगानिस्तान, ईरान, रवांडा, नाइजीरिया एवं केन्या के कुल 31 अंतर्राष्ट्रीय अध्येताओं ने कार्यक्रम में उपस्थिति दी। अध्येताओं ने इंगांरामासं के क्यूरेटर्स के साथ चर्चा भी की।

2.6.3 पांचवा जनजातीय साहित्य महोत्सव 2021: पांचवा जनजातीय साहित्य महोत्सव दिनांक 8 से 9 अक्टूबर, 2021 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कई अध्येताओं द्वारा भारतीय जीवन शैली एवं जनजातीय परंपरा, मध्य भारत के विशेष संदर्भ में जनजातीय दर्शन, जनजातीय भाषा एवं साहित्यिक विचारः युवा जनजातीय लेखकों का योगदान, जनजातीय वाचिक परंपराः गीत एवं कहानियॉ उत्पत्ति कथाएं (गोंड, कोरकू, बैगा इत्यादि) पर शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का आयोजन गूगल मीट एवं फेसबुक लाइव के माध्यम से ऑनलाइन किया गया।

2.6.1 National Webinar: On the occasion of Buddha Purnima, IGRMS organized a National webinar on 'Buddhist Heritage of Central India'. Scholars like Dr. AK Sinha, Director (retd.), ASI, Dr. O.P. Mishra, Deputy Director (retd.), Department of State Archaeology, M.P., Dr. S.S. Gupta, Superintending Archaeologist (retd), ASI and Dr. Dilip Khamari, Superintending Archaeologist, Lucknow Circle, ASI were present as discussants. The webinar was conducted through google meet and facebook on 26th May 2021.

2.6.2 Collaborative Workshop: An academic workshop was conducted by Anant National University, Ahmedabad in collaboration with Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal on 29th July, 2021 on virtual mode. The program was hosted under the leadership of Prof. Amreswar Galla, Unesco chair on Inclusive Museums and Sustainable Development. During the workshop, three house types from Open Air Exhibition of IGRMS viz. the Kunemechi: the Chakesang Naga house type from Nagaland, the traditional Warli House type from Maharastra and the traditional Saora house type from Odisha were presented online to the Anant fellows. A total of 31 International fellows from India, Ghana, Afghanistan, Iran, Rwanda, Nigeria and Kenya attended the programme. The fellows have a discussion and interaction with curators of IGRMS and related issues.

2.6.3 Fifth Tribal Literature Festival 2021: Fifth Tribal Literature Festival 2021 commenced on 8th and 9th October, 2021. In this programmes, various scholars presented their research papers on various topics such as Indian lifestyle and tribal tradition, tribal philosophy with special reference to Central India, Tribal language and Literary thought: Contribution of young tribal writers, Tribal oral tradition: songs and tales, origin stories (Gond, Korku, Baiga, etc.). The programe was conducted online through google meet and facebook live.

2.6.4 मृदा प्रतिरूपण कार्यशालाः इंगांरामासं की प्रतिरूपण इकाई द्वारा मूल प्रतिरूपण तकनीक, म्यूरल निर्माण, क्ले पोर्ट्रैट/मोल्डिंग/कास्टिंग एवं पोट्रेट्स की स्कैचिंग की आधारभूत मॅडलिंग तकनीकों का ज्ञान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महिलाओं हेतु एक क्ले मॉडलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला 20 फरवरी, 2022 से केवल सप्ताहांत (शनिवार एवं रविवार) को आयोजित की गई।

2.6.4 Clay Modeling Workshop: The Modelling unit of IGRMS organized a Clay Modeling workshop for Women to provide ideas of basic clay modelling techniques, mural making, clay portrait/molding/casting and sketching of portraits. The workshop was exclusively organized in weekends (i.e. Saturday and Sunday) from 20th February, 2022 onwards.

A-B - इंगांरामासं द्वारा आयोजित मृदा प्रतिरूपण कार्यशाला की झलकियाँ। / Glimpses of Clay Modeling Workshop organized by IGRMS

2.7 ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताः इंगांरामासं अपने दर्शकों से विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से निरंतर जुड़ा रहा है। ऐसी गतिविधियों के एक भाग के रूप में 'जाने अपना संग्रहालय' नामक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता प्रत्येक माह की 25 तारीख को दिसंबर, 2021 से आयोजित की गई। समीक्षा अवधि के दौरान इंगांरामासं और इसकी प्रदर्शनियों के बारे में अधिक से अधिक जानकारी देने के उद्देश्य से 'ऑनलाइन प्रदर्शनी श्रृंखला' के अंतर्गत दी गयी दृश्य–श्रव्य प्रस्तुतियों पर आधारित 4 कड़ियों का आयोजन किया गया।

2.7 Online Quiz Competition: IGRMS has been continuously interacting with its visitors through various activities. As part of such activities, the Online Quiz Competition 'Know Your Museum' was organized on every 25th day of the month since December, 2021. During the period under review, four episodes were organised based on the audio-visual presentations published online under the 'Online Exhibition Series' aiming to create more awareness about IGRMS and its exhibition.

2.8 प्रदर्शनकारी कलाओं की प्रस्तुतियाँः मानव जीवन में सभी कलाओं में नृत्य एवं संगीत का महत्वपूर्ण स्थान है और लोक एवं जनजातीय समाजों में तो यह उनके जीवन एवं संस्कृति का अभिन्न अंग है । संगीत अपने विविध रूपों में मानवीय भावों के सम्प्रेषण, अभिव्यक्ति का माध्यम तो है ही साथ ही शिक्षण का एक तरीका भी है। संग्रहालय को समुदायों तक पहुंचाने एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने संबंधी गतिविधियों के रूप में इंगांरामासं लोक जनजातीय, शास्त्रीय संगीत, नाट्य प्रदर्शन इत्यादि की विभिन्न जीवंत प्रस्तुतियॉ आयोजित करता है। यह गतिविधियां विभिन्न राज्यों के लोगों में सांस्कृतिक समझ को बढ़ाने में तो सहायक हैं साथ ही देश में नवसंग्रहालय आंदोलन जगाने में भी महत्वपूर्ण है। अवधि के दौरान निम्नांकित प्रस्तुतिकारी कलाओं के प्रदर्शन कार्यक्रम भोपाल परिसर में आयोजित किए गएः

2.8 Performing Art Presentation: Among all art forms dance and music have a significant position in the life of humankind and in folk and tribal societies, it is an inseparable part of their life and culture. Music in its varied forms has been a medium of communication, expression of human feelings and a way of teaching as well. As part of its activities to take the museum to the doorstep of communities and strengthen the spirit of national integration IGRMS organizes various programmes of the live presentation of folk, tribal, classical music, theatrical performance, etc. These activities are useful to strengthen the cultural understanding among the people of different regions and also generate a new museum movement in the country. During the period, the following programmes of performing art presentations were organized at its campus in Bhopal:

2.8.1 एक भारत श्रेष्ठ भारतः इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज के सहयोग से एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम 29 जून से 2 जुलाई, 2021 तक आयोजित किया गया। शास्त्रीय गीत, नृत्य, मध्य प्रदेश के लोक संगीत पर ऑन लाइन प्रस्तुतियां इसके मुख्य भाग थे जिसे जनवरी, 2021 में प्रलेखित किया गया था।

2.8.2 प्रस्तुतिकारी कलाओं का प्रदर्शनः इंगांरामासं के 46 वें स्थापना दिवस समारोह में भोपाल में निवासरत् केरल, उत्तराखण्ड, छत्तीसगढ़ एवं पश्चिम बंगाल के सांस्कृतिक समूहों ने नृत्य प्रस्तुतियॉ दीं।

2.9 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दिवस समारोहः

2.9.1 अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवसः अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस प्रतिवर्ष 18 मई को मनाया जाता है। 2021 हेतु विषय 'द फ्यूचर ऑफ म्यूजियम्सः रिकवर एंड रीक्रिएट' रही। इस विशेष दिवस को मनाने हेतु निम्नांकित गतिविधियां आयोजित की गईः

अ. संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यानः 18 मई 2021 को संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यान 'रीइमेजिन द फ्यूचर ऑफ इंडियन म्यूजियम्स :एजुकेशन एंड सोशल रिस्पांसिबिलिटीस' विषय पर प्रो. अंबिका विपिन पटेल, संग्रहालय विज्ञान विभाग एमएसयू, बडौदा के द्वारा दिया गया। इसका आयोजन ऑनलाइन एवं इंगांरामासं के फेसबुक पेज पर लाइव प्रसारण के साथ किया गया।

ब. एक सप्ताह चलने वाली ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताः एक सप्ताह चलने वाली ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन 'यूनिटी इन डाइवर्सिटीः अ कैरेक्टरिस्टिक ऑफ इंडियन कल्चर' विषय पर दिनांक 18 से 24 मई, 2021 तक किया गया। कुल 313 प्रतिभागियों ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की।

स. निबंध लेखन प्रतियोगिताः एक सप्ताह चलने वाली निबंध प्रतियोगिता का आयोजन 'द फ्यूचर ऑफ म्यूजियम्सः रिकवर एंड रीक्रिएट' विषय पर दिनांक 18 से 24 मई, 2021 तक किया गया। कुल 45 प्रतिभागियों द्वारा इस प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की गई।

2.9.2 विश्व पर्यावरण दिवस समारोह 2021: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर निम्नांकित कार्यक्रम आयोजित किए गएः

अ. ऑनलाइन डूडल/चित्रकला प्रतियोगिताः 'सेव द एनवायरनमेंट फ़ॉर फ्यूचर' विषय पर एक ऑनलाइन डूडल/चित्रकला प्रतियोगिता 3 से 9 जून 2021 तक आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में 50 से ज्यादा पेंटिंग्स प्राप्त की गई।

ब. संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यानः डॉ. आलोक कुमार कानूनगो, आईआईटी, गांधीनगर, गुजरात द्वारा 'सिग्नीफाइड, सिग्नीफायर एंड साइनः आईडेंटिटीज ऑफ नागा आर्टीफैक्ट्स इन म्यूजियम' विषय पर 5 जून, 2021 को एक व्याख्यान दिया गया

2.8.1 Ek Bharat Shrestha Bharat: Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya in collaboration with North Central Zone Cultural Centre, Prayagraj organized Ek Bharat Shrestha Bharat program from 29th June to 2nd July, 2021. Online presentations of classical song, dance, folk music of Madhya Pradesh were the main events of the program which was recorded in the month of January 2021.

2.8.2 Performing Art Presentation: Cultural troupes from Kerala, Uttarakhand, Chhattisgarh and West Bengal residing in Bhopal gave performances of dance during the 46th foundation day celebration of IGRMS.

2.9 Celebration of National and International Days:

2.9.1 International Museum Day: International Museum Day is celebrated on 18th May every year. The theme for 2021 was 'The Future of Museums: Recover and Recreate'. Following activities were organised to celebrate this spacial day:

a. Museum Popular Lecture: A museum popular lecture was organized on 18th May, 2021 on the topic 'Reimagine the Future of Indian Museums: Education and Social Responsibilities' by Prof. Ambika Bipin Patel, Dept. of Museology, MSU, Baroda. The lecture was held online and broadcasted live on IGRMS facebook page.

b. A Week Long Online Quiz Competition: A week long quiz competition was organized on the title 'Unity in Diversity: A Characteristic of Indian Culture' from 18th to 24th May, 2021. Altogether, 313 participants have taken part in this competition.

c. Essay Writing Competition: A week long essay writing competition was organized on the title 'The Future of Museums: Recover and Recreate' from 18th to 24th May, 2021. Altogether, 45 participants have taken part in this competition.

2.9.2 World Environment Day Celebration 2021: On the occasion of World Environment Day, following programs were organized:

a. Online Doodle/Painting Competition: An online doodle/painting competition was organized from 3rd to 9th June, 2021 on the theme 'Save the Environment for Future'. More than 50 paintings were received in this competition.

b. Museum Popular Lecture: Dr. Alok Kumar Kanungo, IIT Gandhi Nagar, Gujarat delivered a lecture entitled- 'Signified, Signifier and Sign: Identities of Naga Artifacts in the Museums' on 05th June 2021.

स. संग्रहालय कर्मियों द्वारा वृक्षारोपण: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 7 जून 2021 को निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के मार्गदर्शन में संग्रहालय परिसर में पौधारोपण कार्य किया गया।

c. Tree plantation by IGRMS staff members: On the occasion of World Environment Day, On 07th June, 2021, plantation drive was done in the campus under the guidance of the Director.

A,B - विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संग्रहालय कर्मियों द्वारा वृक्षारोपण की झलकियाँ। / Glimpses of Tree plantation by IGRMS staff on the occasion of World Environment Day.

2.9.3 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को योग गुरु श्री महेश अग्रवाल द्वारा संग्रहालय सदस्यों को योग आसनों का प्रशिक्षण एवं योग से लाभ विषय पर संक्षिप्त व्याख्यान अभ्यास के दौरान दिया गया। इसके बाद शास्त्रीय गीतकार, संगीतकार एवं सितार वादक डॉ. राजश्री बार्वे द्वारा सितार वादन एवं योग गीत प्रस्तुत किए गए।

2.9.3 International Yoga Day: On the occasion of International Yoga Day on 21st June, Yoga Guru Shri Mahesh Agrawal gave training of Yoga Asanas and delivered a brief lectures on the virtues of Yoga to the members of the Museum while practicing. After this, classical lyricist-composer and sitar player Dr. Rajshree Barve performed sitar recital and yoga songs.

A-D - अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संग्रहालय सदस्यों हेतु योग प्रशिक्षण की झलकियाँ। / Glimpses of Yoga training for Museum staff On the occasion of International Yoga Day.

2.9.4 75 वां स्वतंत्रता दिवस समारोहः इंगांरामासं द्वारा 75 वां स्वतंत्रता दिवस उत्साह के साथ संग्रहालय परिसर में मनाया गया। इस अवसर पर कर्मियों एवं सुरक्षा कर्मियों की उपस्थिति में संग्रहालय निदेशक, डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

2.9.4 75th Independence Day: IGMRS observed 75th Independence Day in tis premises with enthusiasm. On this occasion Dr. Praveen Kumar Mishra, Director, IGRMS hoisted the national flag in presence of staff members and museum's security personals

A

B

C

D

E

F

G

A-G - 75 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह की झलकियाँ। / Glimpses of 75th Independence Day

2.9.5 अंतर्राष्ट्रीय विश्व देशज जन दिवस समारोहः विश्व के देशज जनसमुदायों के अधिकारों की सुरक्षा एवं जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रति वर्ष 9 अगस्त को विश्व देशज जन अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता हैं यह कार्यक्रम देशज समुदायों द्वारा वैश्विक मुद्दों जैसे पर्यावरण आदि में सुधार हेतु किये गये योगदान एवं उपलब्धियों का सम्मान भी करता है। इस अवसर पर निम्नाकिंत कार्यक्रम आयोजित किए गए:

अ. संग्रहालय लोकरूचि व्याख्यानः 9 अगस्त, 2021 को 'माय प्लेस' शीर्षक से एक व्याख्यान विख्यात विद्वान प्रो. विश्वजीत पांडया, धीरू भाई अंबानी इंस्टीट्यूट फॉर इन्फॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, गांधी नगर द्वारा दिया गया।

ब. अस्थायी प्रदर्शनी का उद्घाटनः 'ट्राइब्स ऑफ इंडियाः द कल्चरल पैनोरमा ऑफ इंडियन ट्राइब्स' नामक छायाचित्रों एवं प्रादर्शों से युक्त एक प्रदर्शनी वीथि संकुल अंतरंग संग्रहालय संकुल में दिनांक 9 अगस्त, 2021 को संयोजित एवं सुप्रसिद्व भील कलाकार श्रीमती भूरी बाई एवं श्रीमती गंगू बाई द्वारा उद्घाटित की गयी।

स. परिसवांदः इंगांरामासं द्वारा 'इटरनेशल सेंटर फॉर इंन्क्लूसिव कल्चरल लीडरशिप, अनंत राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, तथा यूनेस्को चेयर ऑन इनक्लूसिव म्यूजियम्स एण्ड सस्टेनेबल हेरिटेज डेवलपमेंट' के सहयोग से 'इण्डिजिनिटी टुवार्ड्स ए न्यू सोशल कॉन्ट्रेक्ट' विषय पर एक परिसंवाद 5 अगस्त, 2021 को आयोजित किया गया। इस परिसंवाद मे श्री एन. संकमाचा सिंह, संग्रहालय एसोशिएट, इंगांरामासं पैनलिस्ट के रूप में शामिल थे उन्होंने आउटरीच गतिविधयाँ, संकलन, प्रदर्शनी इत्यादि क्रियाकलापों में लोक तत्व के प्रतिबिम्बन में संग्रहालय की भूमिका की व्याख्या की।

2.9.5 Celebration of International Day for the World's Indigenous Peoples: The International Day of the World's Indigenous Peoples is observed on 9th August each year to raise awareness and protect the rights of the world's indigenous population. This event also recognizes the achievements and contributions that indigenous people make to improve world issues such as environmental protection. The following programs were organized on the occasion:

a. Museum Popular Lecture: A lecture entitled, "My place" was delivered by a renowned scholar Prof. Vishvajit Pandya, Dhirubhai Ambani Institute for Information and Communication Technology, Gandhinagar on 9th August, 2021.

b. Inauguration of temporary exhibition: A temporary exhibition entitled, 'Tribes of India: The Cultural Panorama of Indian Tribes,' consisting of photographs and objects was mounted at Veethi Sankul, the indoor museum building and inaugurated on 9th August, 2021 by renowned Bhil artist Smt. Bhuri Bai and Smt. Gangu Bai.

c. Symposium: IGRMS in collaboration with International Centre for Inclusive Cultural Leadership, Anant National University; and Unesco Chair on Inclusive Museums and Sustainable Heritage Development organized a symposium on 'Indigeneity and Towards a New Social Contract' on 5th August, 2021. In the symposium Shri N. Shakmacha Singh, Museum Associate, IGRMS one among the panelist explained the role of the museum in reflecting indigeneity in its functioning such as outreach activities, collection, exhibition, etc.

A,B - एक ऑनलाईन परिसंवाद की झलकियाँ। / Glimpses of a online Symposium.

2.9.6 सतर्कता जागरूकता सप्ताहः इंगांरामासं द्वारा दिनांक 26 अक्टूबर से 1 नवम्बर, 2021 तक सतर्कता शपथ, निबंध लेखन प्रतियोगिता, अग्निशमन उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करके सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। श्री भारत भूषण भट्ट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा इस अवसर पर दिनांक 29 अक्टूबर, 2021 को 'नेसेसरी मीजर्स दू इरेडिकेट करप्शन एंड मेक करप्शन फ्री इंडिया' विषय पर व्याख्यान दिया गया।

2.9.6 Vigilance Awareness Week: IGRMS observed Vigilance Awareness Week from 26th Oct. to 1st Nov. 2021 by organizing various programs like vigilance pledge, essay writing competition, training of the use of firefighting equipment etc. A museum popular lecture was delivered by Shri Bharat Bhusan Bhatt, Additional Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation on the topic 'Necessary Measures to Eradicate Corruption and Make a Corruption Free India' on 29th October, 2021.

A,B - सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान व्याख्यान की झलकियाँ। / Glimpses of lecture during the Vigilance Awareness Week.

2.9.7 विश्व धरोहर सप्ताह समारोह 2021 (19–25 नवम्बर, 2021): इंगांरामासं द्वारा इस अवसर पर 'हिमालय आर्किटेक्चरः इट्स ग्रेंड्योर एंड सिग्नीफिकेंस' नामक विशेष व्याख्यान श्रृंखला आरम्भ की गई। श्रृंखला के अंतर्गत दिनांक 23 एवं 24 नवम्बर, 2021 को दो व्याख्यान आयोजित किये गए। व्याख्यान गूगल मीट एवं फेसबुक लाइव के माध्यम से प्रसारित किए गए ।

अ. प्रो. जय ठक्कर एवं मानसी शाह, सी ई पी टी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा एक विशेष व्याख्यान 'काठ खुनी आर्किटेक्चर ऑफ हिमालयाज़ः सस्टेनेबिलिटी एड चेंज' विषय पर दिनांक 23 नवम्बर, 2021 को दिया गया।

ब. प्रो. तपन के चक्रवर्ती, आर्किटेक्चर, अर्बन डिजायनर एवं एक प्रशिक्षित शिक्षक द्वारा एक विशेष व्याख्यान 'स्टडीज इन वर्नाकुलर आर्किटेक्चरः ग्लिम्प्सेस फ्रॉम उत्तराखण्ड एण्ड हिमाचल प्रदेश' विषय पर दिनांक 24 नवम्बर, 2021 को दिया गया ।

2.9.7 Celebration of World Heritage Week 2021 (19th – 25th November, 2021): IGRMS observed World Heritage Week by initiating Special Lecture Series entitled, 'Himalayan Architecture: its grandeur and significance'. Two lectures on 23rd and 24th November, 2021 were organized under this series. The lectures were held online through google meet and broadcasted in facebook live.

a. Prof. Jai Thakkar and Mansi Shah from CEPT University, Ahmedabad delivered a special lecture on the topic' Kath-Khuni Architecture of the Himalayas: Sustainability and Change' on 23rd November, 2021.

b. Prof. Tapan K. Chakravarty, Architecture, Urban Designer and a trained Educator delivered a special lecture on the topic 'Studies in Vernacular Architecture: Glimpses from Uttarakhand and Himachal Pradesh' on 24th November, 2021.

2.9.8 संविधान दिवसः संसदीय मामलों के मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर दिनांक 26 नवम्बर, 2021 को 'रीड द प्रिंएबल ऑफ द कॉस्टीट्यूशन' के वर्चुअल रीडिंग में संग्रहालय सदस्यों ने प्रतिभागिता की।

2.9.8 Constitution Day 2021: The Staffs of the Museum participated in virtual reading of 'Preamble of the Constitution' organised by Ministry of Parliamentary Affairs, Government of India on the occasion of Constitution Day on 26th November, 2021.

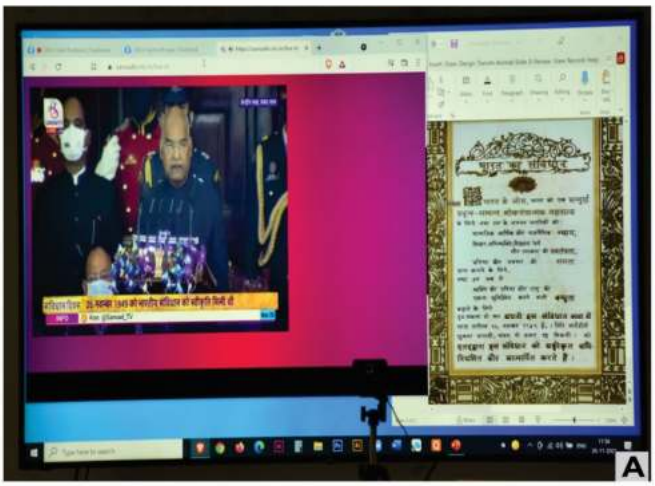

B

A,B - संविधान दिवस की झलकियाँ। / Glimpses of Constitution Day.

2.9.9 संग्रहालय सेल्फी डेः संग्रहालय में 19 जनवरी, 2022 को संग्रहालय सेल्फी डे मनाया गया। यह दिवस संग्रहालय में प्रदर्शित संग्रह के प्रति जागरूकता विकसित करने हेतु मनाया जाता है। इस अवसर पर संग्रहालय स्टाफ एवम दर्शकों ने संग्रहालय में अपने पसंदीदा स्थानों पर सेल्फी ली तथा फेसबुक एवं सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर पोस्ट की।

2.9.9 Museum Selfie Day: The Museum celebrated Museum Selfie Day 2022 on 19th January, 2022. This day is celebrated to promote and raise the awareness about collections displayed in museums. On this occasion, the Museum staffs and visitors took their Selfie at their favourite place in the museum and posted it on Facebook and other social media platforms.

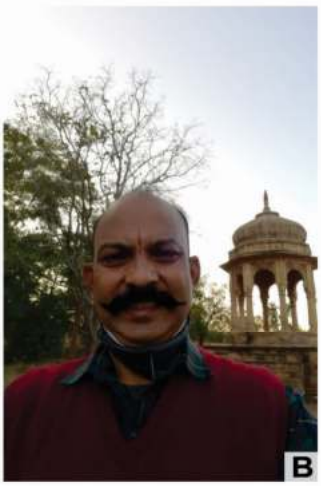

A-C - संग्रहालय सेल्फी डे की झलकियाँ। / Glimpses of Museum Selfie Day.

2.9.10 73 वां गणतंत्र दिवस समारोहः डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, निदेशक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा दिनांक 26 जनवरी, 2022 को संग्रहालय कर्मियों एवं सुरक्षा कर्मियों की उपस्थिति में तिरंगा फहराया तथा राष्ट्रीय गान गाया गया। इस अवसर पर इंगांरामासं के स्टाफ द्वारा देश भक्ति गीतों की प्रस्तुतियाँ भी दी गई।

2.9.10 73rd Republic Day: Dr. Praveen Kumar Mishra, Director, IGRMS in presence of staff members and security personals unfurled the tri-colour flag, followed by the recitation of National Anthem on 26th January, 2022. Staffs of IGRMS also presented various patriotic songs on the occasion.

2.10 प्रकाशन:

अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा निम्नलिखित प्रकाशन किये गये:

पुस्तकें:

(i) **हेल्थ डिस्पैरिटी एण्ड हेल्थ इक्विटी: इंडिजिनिअस पीपल एन्ड बीयोन्ड** मिथुन दास, सुबीर बिस्वास एवं सरित चौधरी द्वारा सम्पादित

(ii) **डायलेमा ऑफ डेवलपमेंट: अमंग द ओंगे ऑफ अण्डमान** दीपाली दंडा एवं सुमित मुखर्जी द्वारा सम्पादित

ब्रोशर, फोल्डर, बुकलेट्स: संग्रहालय द्वारा अवधि के दौरान समय–समय पर आयोजित किए जाने वाले विविध कार्यक्रमों / गतिविधियों को उजागर करते फोल्डर / पोस्टर्स, हैंड आउट्स, बुकलेट्स एवं न्युजलेटर सोशल मीडिया पर प्रकाशित किए गए।

2.10. Publications:

The following publications were brought out by the Museum during the period:

BOOKS:

(i) **Health Disparity and Health Equity: Indigenous People and Beyond** Ed. By Mithum Das, Subir Biswas and Sarit Chaudhuri

(ii) **Dilemma of Development: Among the Onge of Andaman** by Deepali Danda and Sumit Mukherji

Brochure, Folder, Booklets: During the period Museum published folders/ posters/ handouts/ booklets and Newsletter for its social media to highlight its programmes and activities organized from time to time.

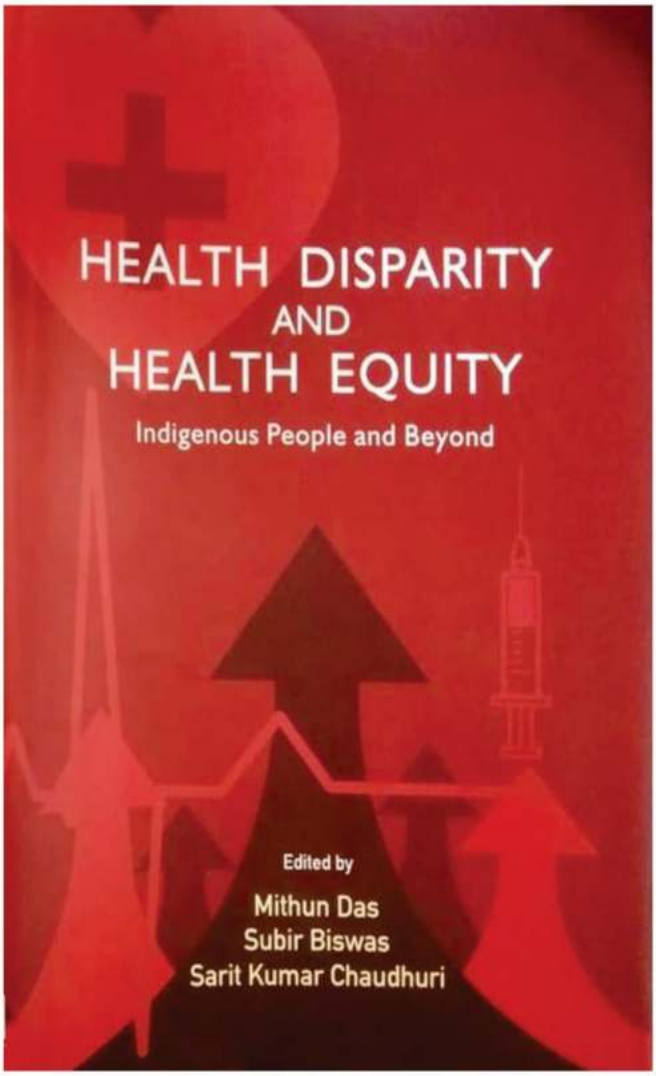

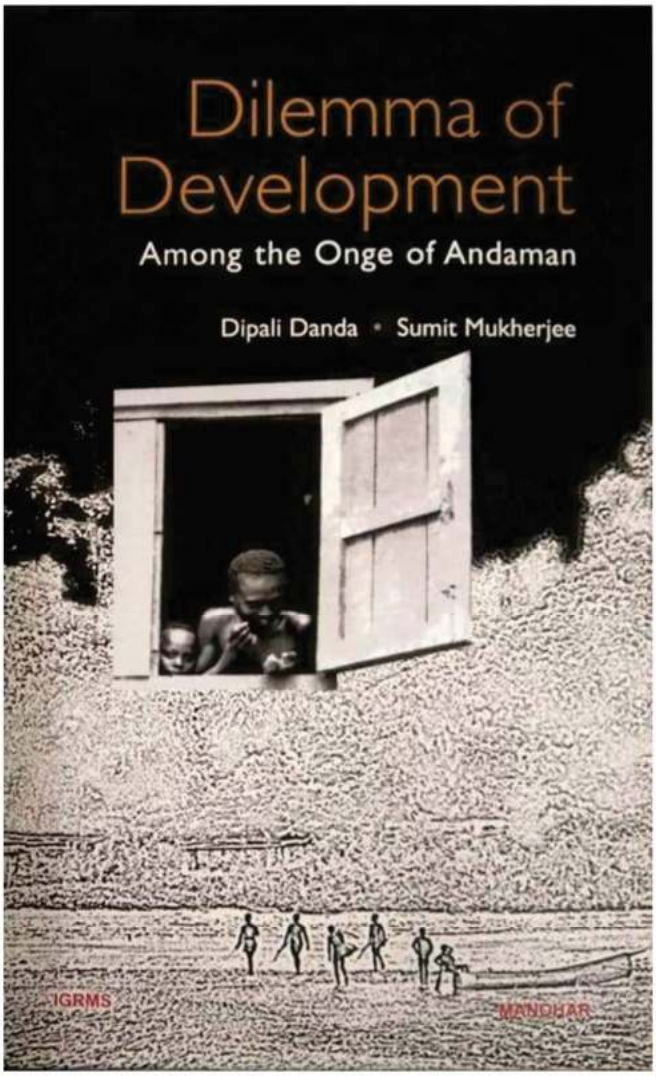

2.11 अन्य विशेष गतिविधियाँ / कार्यक्रमः

2.11.1 पर्यावरण अनुकूल गणेश मूर्तिः गणेश चतुर्थी भारत में बड़े पैमाने पर मनाया जाने वाला त्यौहार है जब गणेश प्रतिमांए प्रत्येक गांव एवं शहर के विविध हिस्सों में विविध माध्यमों में स्थापित की जाती है। चूकि जल में विसर्जित ये माध्यम सदैव ही मानव जाति एवं जलीय प्राणियों हेतु अनुकूल नहीं होते अतः प्रतिरूपण अनुभाग द्वारा माह अगस्त, 2021 में पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमाओं का निर्माण कर उन्हें विक्रय हेतु रखा गया।

2.11.2 पौधारोपण कार्यक्रमः 15 अगस्त, 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम के भाग के रूप में निदेशक, इंगांरामासं के निर्देशन में संग्रहालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 75 औषधीय पौधे रोपे गए। इसी क्रम में भारतीय जीवन बीमा निगम, सेंट्रल जोन भोपाल के सहयोग से इंगांरामासं ने दिनांक 2 सितम्बर, 2021 को एक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया।

2.11.3 ओणम उत्सवः भोपाल में निवासरत मलयाली समुदाय द्वारा ओणम का त्योहार संग्रहालय की तटीय ग्राम मुक्ताकाश प्रदर्शनी में दिनांक 21 अगस्त, 2021 को मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन यूनाइटेड मलयाली ऐसोसीएशन एवं इंगांरामासं के तत्वाधान में किया गया।

2.11 Other Special Activities / Programmes:

2.11.1 Eco-friendly Ganesh idol: Ganesh Chaturthi is the largely celebrated festival in India, where idols of lord Ganesha are in different medium placed in different points in every town and village. As these mediums are not good for humans and water animals and as they are immersed in the water bodies. The Modelling section of the Museum created Eco-friendly handmade Ganesh Clay idols and put them for sell, in the month of Augest, 2021.

2.11.2 Tree Plantation Program: As a part of the Azadi Ka Amrit Mohotsav Program, a tree plantation program was organized on 15th August, 2021 in which 75 medicinal saplings were planted in the campus under the guidance of the Director, IGRMS. In continuation IGRMS in collaboration with Life Insurance Corporation of India, Central Zone Bhopal planted trees in the Museum premises on 2nd September, 2021.

2.11.3 Celebration of Onam Festival: The Malayali community residing in Bhopal celebrated the traditional Onam festival in the Coastal Village open air exhibition of the Museum on 21st August, 2021. The program was conducted in association with United Malayali Association, Bhopal and IGRMS.

A-D - संग्रहालय परिसर में आयोजित ओणम उत्सव की झलकियाँ। / Glimpses of Onam festival celebration at museum premises.

2.11.4 बाल सुरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रमः बच्चों की सुरक्षा के मुद्दे पर संग्रहालय के सुरक्षाकर्मियों के मध्य जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मुस्कान संस्था (एन. जी.ओ) द्वारा संग्रहालय के शैलकला सभागार में दिनांक 6 सितम्बर, 2021 को आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुस्कान संस्था की सुश्री सीमा देशमुख एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के सौमिक मिश्रा द्वारा बाल सुरक्षा एवं अधिकार संबंधी विविध पहलू उजागर किए गए । इस प्रशिक्षण में बच्चों के प्रति हिंसा, शोषण, दुराचार, दुर्व्यवहार एवं उत्पीड़न को रोकने संबंधी विविध कानूनों पर चर्चा की गई।

2.11.4 Training program on Child Protection: A training program on Child protection was organized on 6th September, 2021 by Muskaan Sanstha (NGO) at Rock Art Heritage Conference hall to create awareness among the security personnel of the Museum on child protection issue. In this training program, various aspects of child protection and child rights were highlighted by Ms. Seema Deshmukh of Muskan Sanstha and Soumik Mishra of Women and Child Development Department. Various laws related to prevention of violence, exploitation, maltreatment, abuse and harassment against children were explained in the training.

A,B - बाल सुरक्षा पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियाँ। / Glimpses of training programme on Child Protection.

2.11.5 पुस्तक समीक्षा एवं चर्चाः पाठक मंच भोपाल एवं म.प्र. साहित्य अकादमी संस्कृति परिषद द्वारा संग्रहालय के सहयोग से एक पुस्तक समीक्षा एवं चर्चा 11 नवम्बर, 2021 को संग्रहालय के शैलकला सभागार में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में 'सम पोलिसी, सम पोलिटिक्स' (लेखक भवानी प्रसाद मिश्रा) की समीक्षा डॉ. नीलिमा रंजन द्वारा 'बर्निंग ब्रिज' (लेखकः अग्निशेखर) की समीक्षा श्रीमती नीतू मुकुल द्वारा एवं 'तत्वमासी' (लेखकः ध्रुव भट्ट) की समीक्षा श्रीमती साधना शुक्ला द्वारा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, निदेशक, इंगांरामासं द्वारा की गई।

2.11.5 Book review and discussion: Pathak Manch, Bhopal and Madhya Pradesh Sahitya Academy Sanskriti Parishad in collaboration with IGRMS organised a book review and discussion at the Rock Art Heritage Hall of the Museum on 11th November, 2021. In this program books such as 'Some Policy, Some Politics' (Author: Bhavani Prasad Mishra) was reviewed by Dr. Neelima Ranjan; 'Burning Bridge' (Author: Agnishekhar) was reviewed by Smt. Neetu Mukul and 'Tatvamasi' (Author:Dhruv Bhatt) was reviewed by Smt. Sadhna Shukla. The program was chaired by Dr. Praveen Kumar Mishra, Director, IGRMS.

A,B - पुस्तक समीक्षा एवं चर्चा पर आयोजित कार्यक्रम की झलकियाँ। / Glimpses of programme on Book review & discussion.

2.11.6 बाल मेला: भोपाल में कार्यरत गैर सरकारी संस्थाओं जैसे आरम्भ, बचपन आवाज़ एवं उदय केयर द्वारा इंगारामासं के सहयोग से यूनिसेफ की ''चाइल्ड राइट्स विषय वस्तु पर दिनांक 17 नवम्बर, 2021 को बाल मेला आयोजित किया गया। लगभग 150 किशोर और युवाओं द्वारा इसमें प्रतिभागिता की गई। इस मेले का मुख्य आकर्षण रंगोली, ओरिगेमी (एक जापानी कला) एवं अन्य कला आधारित गतिविधियां थी जो बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई थी। इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्धेश्य बच्चों को उनकी सुरक्षा के प्रति समझदार बनाना और उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा देना था।

2.11.6 Bal Mela: Non-government organization namely Arambh, Bachpan, Muskan, Awaj and Udaya care from Bhopal organized Bal Mela in collaboration with IGRMS under the theme Child Rights of UNICEF on 17 November, 2021. About 150 teenagers and youth participated in this Baal mela. The main attraction of this festival was Rangoli, origami and other art based activities performed by children. The prior objective of the programme was to make children sensible towards their safety and promote their creativity.

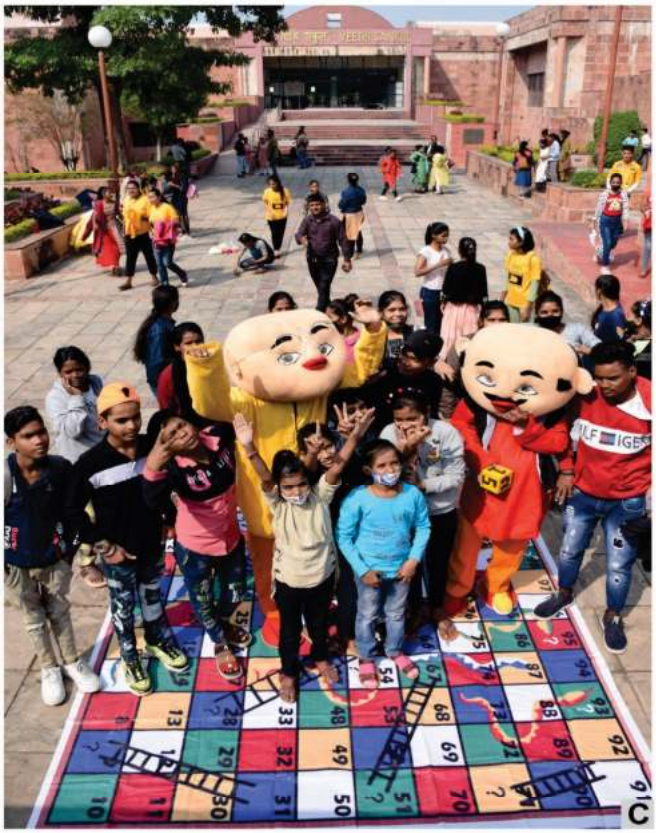

A-C - इंगारामासं में आयोजित बाल मेला कार्यक्रम की झलकियाँ। / Glimpses of Bal Mela programme organized at IGRMS.

2.11.7 निःशुल्क चिकित्सा शिविर: मुख्य दंत चिकित्सालयों में से एक तथास्तु अस्पताल द्वारा इंगारामासं के सहयोग से दॉतों की चिकित्सा एवं देखभाल संबंधी एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर संग्रहालय के शैलकला सभागार में दिनांक 26 नवम्बर, 2021 को आयोजित किया गया। इस शिविर में संग्रहालय के लगभग 50 अधिकारियों / कर्मचारियों ने भाग लिया एवं दांतों की स्वच्छता एवं सफाई से संबंधित परामर्श डॉक्टरों से प्राप्त किए।

2.11.7 Free medical camp: TATHASTU, one of the leading dental hospital in collaboration with IGRMS organized a medical camp for the care and treatment of teeth at Rock Art Heritage Hall of the Museum on 26th November, 2021. A total of 50 nos. of staff participated the camp and took advice of the doctors regarding health and hygiene to be taken for teeth.

A,B - संग्रहालय में आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर की झलकियाँ। / Glimpses of free medical camp organized at IGRMS.

2.11.8 'टर्निंग पॉइन्ट 5' कैलेंडर 2022 का विमोचनः चाइल्ड राइट्स ऑब्जर्वेटरी, भोपाल द्वारा इंगांरामासं के सहयोग से दिनांक 29 दिसम्बर, 2021 को 'टर्निंग पॉइन्ट 5' शीर्षक से 2022 के कैलेन्डर का विमोचन संग्रहालय के शैलकला सभागार मे किया गया। चाइल्ड राइट्स ऑब्जरवेटरी मध्य प्रदेश में यू एन कन्वेशन ऑफ चाइल्ड राइट्स के अनुरूप राज्य में बाल अधिकारों के व्यक्तिगत अथवा सामूहिक तौर पर अंतदृष्टि, अनुभव और चिंतन को साझा करने तथा निरीक्षण व प्रोत्साहन हेतु स्थापित एक स्वतंत्र मंच है।

2.11.9 'हम सफर' विशेष क्षमतावान व्यक्तियों हेतु कार्यक्रमः आरूषी द्वारा इंगांरामासं के सहयोग से **16 वीं ब्लाइंड चैलेंज कार रैली 2022** का आयोजन रविवार दिनांक 9 जनवरी, 2022 को किया गया। इस वर्ष रैली को विख्यात कवि एवं गीतकार गुलज़ार साहब द्वारा एक नाम 'हम सफर' दिया गया जिसमें सभी सार्वजनिक एवं पर्यटन स्थानों को निःशक्तजन के अनुकूल बनाने और उन्हें हमेशा साथ रखने का सन्देश निहित है। रैली के विजेताओं को डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, निदेशक, इंगांरामासं के द्वारा संग्रहालय के मुक्ताकाश एम्फीथिएटर में सम्मानित किया गया।

2.11.8 'Turning Point 5' Release of Calendar 2022: Child Rights Observatory, Bhopal in collaboration with IGRMS released a calendar for the year 2022 entitled, 'Turning Point 5' at Rock Art Heritage Hall of the Museum on 29th December, 2021. Child Rights Observatory, Madhya Pradesh is an independent platform established for sharing insights, experiences, concerns for promoting and monitoring child rights individually or collectively in the State of Madhya Pradesh in consonance with the U.N. Convention of Child Rights.

2.11.9 'Hamsafar' Programmes for Specially-Abled Person: Arushi in association with IGRMS, organized **The 16th Blind Challenge Car Rally 2022** on Sunday, 9th January 2022. This year the rally was given a name by renowned Poet and Lyricist Gulzar Sahab- 'HAMSAFAR' giving a message that we have to make all tourist places and other public places disabled friendly and include persons with disabilities with us in every way. Winners of the rally were felicitated by Dr. Praveen Kumar Mishra, Director IGRMS Bhopal at the open air amphitheater of the Museum

A-D - 16 वीं ब्लाइड चैलेंज कार रैली एवं पुरस्कार वितरण समारोह की झलकियाँ। / Glimpses of 16th Blind Challenge Car Rally & prize distribution.

2.11.10 दर्शक सुविधा में वृद्धिः संग्रहालय की विविध प्रदर्शनियों संबंधी सूचनाएं बेहतर रूप में उपलब्ध कराने के लिए मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्शित प्रादर्शों पर क्यू आर कोड लगाये गए।

2.11.11 स्वच्छ भारत अभियान संबंधी गतिविधिः समीक्षावधि के दौरान संग्रहालय परिसर के कई हिस्सों में प्रत्येक गुरूवार को साफ सफाई का कार्य किया गया संग्रहालय स्टाफ ने प्रत्येक सप्ताह नियमित रूप से इसमें प्रतिभागिता दी।

2.11.12 46 वॉ स्थापना दिवस समारोहः इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय ने अपना 46 वॉ स्थापना दिवस निम्नाकिंत विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियॉ के आयोजन के साथ मनायाः

अ. आल विलक्कू (1001 बाती दीप) का प्रज्वलनः 46 वें स्थापना दिवस समारोह के एक विशाल कार्यक्रम का श्रीगणेश गणमान्य व्यक्तियों, मलयाली ऐसोशिएशन के सदस्यों, संग्रहालय स्टाफ एवं उपस्थित दर्शकों द्वारा 1001 बातियों वाले दीप के प्रज्वलन के साथ हुआ।

2.11.10 Addition of visitor facility: To make better accessibility of the information related with various exhibitions of the museum, QR code were installed in the labels of exhibits displayed in various open air exhibitions.

2.11.11 Activity related to Swachha Bharat Abhiyan: Cleaning and sanitization work in various areas of the Museum premises were carried out every Friday during the period under review. Staffs of the museum participated in the program regularly every week.

2.11.12 46th Foundation Day Celebration: The Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya celebrated its 46th Foundation Day by organizing various programs and activities as follows:

A. Lighting of Aal Vilakku (1001 wicks lamp): Mega event of 46th foundation day celebration of IGRMS began with lighting of 1001 wicked lamp by dignitaries, members of Malyali association, Bhopal, staff of IGRMS and visitors present on the occasion.

A-E - इंगांरामासं के 46 वें स्थापना दिवस समारोह के उद्घाटन की झलकियाँ। / Glimpses of Inaugural ceremony of 46th Foundation Day Celebration of IGRMS .

ब. प्रदर्शनियाँ:

I मानव संग्रहालय – विचार से वास्तविकता: इंगांरामासं की एक विचार से वास्तविकता बनने की विकासात्मक यात्रा, इसके विविध हितग्राहियों, श्रोताओं एवं दर्शकों को समाहित किये हुये इसके विस्तार एवं विकास को दर्शाती एक छायाचित्र प्रदर्शनी 46 वें स्थापना दिवस के अवसर पर संयोजित की गयी। इस प्रदर्शनी का अद्घाटन श्री शिव शेखर शुक्ला, आई.ए.एस., प्रिंसीपल सेक्रेटरी, संस्कृति एवं पर्यटन, म.प्र. सरकार द्वारा डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, निदेशक, इंगांरामासं के उपस्थिति में दिनांक 21 मार्च, 2022 को इंगांरामासं के अंतरंग संग्रहालय वीथि संकुल भवन में किया गया।

ii. आजादी के मतवाले: मध्य प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानियों के विशेष संदर्भ में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के अज्ञात नायकों पर केंद्रित एक छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 23 मार्च, 2022 को इंगांरामासं के शैल कला धरोहर भवन में किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्धाटन डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र, निदेशक, इंगांरामासं द्वारा श्री अशोक कुमार तिवारी, इंगांरामासं के पूर्व क्यूरेटर के साथ 23 मार्च, 2022 को किया गया।

iii. पुस्तक प्रदर्शनी: दिनांक 23 मार्च, 2022 को संग्रहालय के संदर्भ पुस्तकालय में स्वंतत्रता के गौरवशाली इतिहास पर 'स्वराज इन लिटरेचर' नामक प्रदर्शनी का संयोजन किया गया।

स. पांरपरिक भोज:

46 वें स्थापना दिवस के अवसर पर भील समुदाय के पांरपरिक भोज उत्सव का आयोजन किया गया।

B. Exhibitions:

i. Manav Sangrahalaya – From Ideas to Reality: A photographic exhibition portraying the development journey of IGRMS from an idea to reality, its expansion and development encompassing its various stakeholders and audiences was mounted on the occasion of 46th Foundation Day. This exhibition was inaugurated by Shri Shiv Shekhar Shukla, IAS, Principal Secretary, Culture and Tourism, Govt. of M P in the presence of Dr. Praveen Kumar Mishra, Director, IGRMS on 21st March, 2022 at Veethi Shankul- The Indoor Museum building of IGRMS.

ii. Azadi ke Matwale: A periodical exhibition focused on unsung heroes of Freedom movement of India was organized on 23 March, 2022 Rock Art Heritage building of IGRMS. The exhibition was inaugurated by Dr. Praveen Kumar Mishra, Director, IGRMS with Shri Ashok Kumar Tiwari, Former Curator, IGRMS on 23rd March, 2022.

iii. Book Exhibition: Coinciding with the Foundation Day Celebration, a Book Exhibition on the glorious history of Independence entitled 'Sahitya Me Swaraj' was inaugurated by Dr. Praveen Kumar Mishra, Director, IGRMS on 23rd March, 2022.

C. Traditional Food:

The ethnic food festival of Bhil community was organized during the 46th foundation day celebration.

A,B - पांरपरिक भोज उत्सव की झलकियाँ। / Glimpses of ethnic food festival.

द. वार्षिक इंगांरामासं व्याख्यान:

इंगांरामासं के पूर्व क्यूरेटर श्री अशोक तिवारी द्वारा 17वां वार्षिक इंगांरामासं व्याख्यान परिसर के शैलकला धरोहर कक्ष में दिनांक 23 मार्च, 2022 को 'कहानी मानव संग्रहालय की: संग्रहालय निर्माण की यात्रा पर एक छोटी सी किस्सा गोई' विषय पर दिया गया।

D. Annual IGRMS Lecture:

17th Annual IGMRS Lecture was delivered by Shri Ashok Kumar Tiwari, Former Curator, IGRMS on the topic 'Kahani Manav Sangrahalaya Ki: Sangrahalaya Nirman Ki Yatra par ek Chhoti si Kissa Goi' on 23rd March, 2022 at Rock Art Haritage Hall of IGRMS.

इ. प्रस्तुतिकारी कलाओं का प्रदर्शनः

संग्रहालय के 46 वें स्थापना दिवस समारोह में भोपाल में निवासरत् केरल, उत्तराखण्ड, छत्तीसगढ़ एवं पश्चिम बंगाल के सांस्कृतिक समूहों ने नृत्य प्रस्तुतियाँ दीं।

E. Performing Art Presentation:

Cultural troupes from Kerala, Uttarakhand, Chhattisgarh and West Bengal residing in Bhopal gave performances of dance during the 46th foundation day celebration of IGRMS.

A-F - इंगांरामासं के 46 वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान आयोजित प्रस्तुतिकारी कला प्रदर्शन की झलकियाँ। / Glimpses of Performing Art presentations during 46th Foundation Day celebration of IGRMS .

2.11.13 राजभाषा के संवर्धन संबंधी गतिविधियाँ:

अ. हिन्दी पखवाड़ा 2021: संग्रहालय कर्मियों के मध्य हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्धेश्य से हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम दिनांक 14–30 सितम्बर, 2021 तक आयोजित किया गया। प्रतियोगी गतिविधियां जैसे प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, नारा लेखन प्रतियोगिता, छायांकन प्रतियोगिता इत्यादि आयोजित की गई। प्रत्येक गतिविधि में विजयी प्रतिभागियों को निदेशक, इंगांरामासं द्वारा पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

2.11.13 Activities related to the promotion of Official Language:

a. Hindi Pakhwada 2021: With an aim to popularize the use of Hindi in official working among the staffs, a program entitled 'Hindi Pakhwada' was organised from 14th–30th September, 2021. A number of competitive events such as quiz competition, slogan writing competition, photography contest, etc. were organised. Winners of each activity were awarded prizes and certificates from Director, IGRMS.

A

B

C

D

A-D - हिन्दी पखवाड़ा 2021 की झलकियाँ। / Glimpses of Hindi Pakhwada 2021.

ब. राजभाषा लेखन कार्यशाला: इंगांरामासं द्वारा राजभाषा लेखन कार्यशाला का अयोजन 29 मार्च, 2022 को किया गया। इस कार्यशाला में श्री आकाश सेन, न्यूज हेड ऑफ इंडिया, 24 टी वी चैनल द्वारा एक व्याख्यान 'मीडिया रिपोर्ट लेखन कौशल' पर संग्रहालय के शैलकला सभागार में दिया गया। संग्रहालय कर्मियों ने इस कार्यशाला में प्रतिभागिता की।

b. Official Language Writing Workshop: IGRMS organized Official Language Writing workshop on 29 March, 2022. In this workshop, Mr. Akash Sen, News Head of India 24 TV channel delivered a lecture on "Media Report Lekhan Kaushal" at Rock Art Heritage Hall of the Museum. Staffs of the museums participated in this workshop.

A

B

A,B - राजभाषा लेखन कार्यशाला के दौरान संग्रहालय लोकरूचि व्याख्यान की झलकियाँ। / Glimpses of Museum Popular Lecture during Official Language Writing workshop.

2.12 विशेष भ्रमण:

अवधि के दौरान संगहालय द्वारा कई शैक्षणिक संस्थानों, प्रशिक्षणार्थियों,विशिष्ट व्यक्तियों, प्रतिनिधि दलों को संस्कृति के विविध पहलुओं से परिचित कराने के उद्देश्य से कई मार्गदर्शी भ्रमण आयोजित किए गए। जिनमें से कुछ विशेष उल्लेखनीय निम्नानुसार है:

1. भारत के तत्कालीन माननीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा दिनांक 9 जून, 2021 को संग्रहालय भ्रमण किया गया। इस भ्रमण का नेतृत्व संग्रहालय के वरिष्ठ क्यूरेटोरियल स्टाफ के साथ निदेशक, इंगांरामासं द्वारा किया गया।

2.12 Special visits:

During the period, the Museum conducted guided tours for several educational institutions, trainees, VIPs and delegations to introduce them with the diverse aspects of Indian culture. Some of the worth mentioning visits are as follows:

1. Shri Prahlad Singh Patel, the then Hon'ble Minister of Culture and Tourism of India visited Manav Sangrahalaya on 9th June, 2021. The guided tour was headed by Director, IGRMS along with the senior curatorial staffs of the museum.

A

B

C

D

A-D - श्री प्रहलाद सिंह पटेल, तत्कालीन माननीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री भारत सरकार के द्वारा संग्रहालय भ्रमण। / Glimpses of visit of IGRMS by Shri Prahlad Singh Patel, the then Hon'ble Minister of Culture & Tourism, Govt. of India.

2. श्री भीकू रामजी इदाते, डेवलपमेंट एंड वेलफेयर बोर्ड फॉर डी –नोटीफाइड नोमेडिक एंड सेमी नोमेडिक कम्युनिटीज, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 25 अगस्त, 2021 को संग्रहालय भ्रमण किया गया। संग्रहालय के क्यूरेटरों ने विभिन्न प्रदर्शनियों में उनका मार्ग दर्शन किया।

2. Shri Bhiku Ramji Idate, Chairperson, Development and Welfare Board for De-notified Nomadic and Semi Nomadic Communities, Ministry of Social Justice and Empowerment, Govt. of India visited the museum on 25th August, 2021. Museum curators guided him to various exhibition.

A

B

A,B - श्री भीकू राम जी इदाते, समाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संग्रहालय भ्रमण। / Museum visit by Shri Bhiku Ramji Idate, Ministry of Social Justice and Empowerment, Govt. of India.

3. श्री पार्थसारथी सेन शर्मा (आई.ए.एस.) अपर सचिव, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार ने दिनांक 26 अगस्त, 2021 को संग्रहालय भ्रमण किया। अपने भ्रमण के दौरान उन्होंने संग्रहालय की विभिन्न प्रदर्शनियों का निरीक्षण किया एवं शैलकला धरोहर सभागार में संग्रहालय कर्मियों के साथ चर्चा की।

3. Shri Partha Sarathi Sen Sharma (IAS), Additional Secretary, Ministry of Culture, Govt. of India visited the Museum on 26th August, 2021. During his visit he inspected various exhibitions of the Museum and interacted with the staffs of the IGRMS at Rock Art Heritage Hall.

A-D - श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा (आई.ए.एस) अपर सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संग्रहालय भ्रमण। / Glimpses of Museum visit by Shri Partha Sarathi Sen Sharma,(IAS), Additional Secretary, of Culture, Govt. of India

4. श्री आर. एस. निनामा (आइ.ए.एस.), मुख्य कार्यापालन अधिकारी, जनजातीय विकास, गुजरात के नेतृत्व में एक दल ने गुजरात में जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के राष्ट्रीय संग्रहालय स्थापना के संबंध में चर्चा हेतु दिनांक 3 सितम्बर, 2021 को संग्रहालय का भ्रमण किया। बैठक में डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र निदेशक, इंगांरामासं की उपस्थिति में क्यूरेटोरियल स्टाफ के साथ संग्रहालय स्थापना संबंधी विविध पहलुओं पर चर्चा की गई।

4. A team led by Shri R. S. Ninama (IAS), Chief Executive Officer, Tribal Development, Gujarat, visited the museum on 3rd September, 2021 to discuss regarding the setting up of National Museum of Tribal Freedom Fighters in Gujarat. Various aspects of the establishment of the museum were discussed during the meeting with the curatorial staffs of the Museum in presence of Dr. P.K. Mishra, Director, IGRMS.

A,B - श्री आर. एस. निनामा (आइ.ए.एस.), मुख्य कार्यापालन अधिकारी, जनजातीय विकास, गुजरात द्वारा संग्रहालय भ्रमण एवं चर्चा की झलकियाँ। / Glimpses of discussion during visit of Shri R. S. Ninama (IAS), Chief Executive Officer, Tribal Development, Gujarat

5. किरटाड्स, केरल के संग्रहालय कर्मियों द्वारा दिनांक 30 सितम्बर, 2021 को संग्रहालय भ्रमण किया गया। इनके भ्रमण के दौरान संग्रहालय स्थापना और कार्यों पर संग्रहालय क्यूरेटर्स के साथ चर्चा की गई।

5. Museum officials of KIRTADS, Kerala visited the museum on 30th December, 2021. During their visit interactions were made with curators on various matters regarding the establishment and functioning of museum.

A,B - किरटाड्स, केरल के कर्मियों द्वारा भ्रमण के दौरान अकादमिक चर्चा की झलकियाँ। / Glimpses of Academic discussion during visit at official from KIRTADS, Kerala.

6. श्री अरूण गोयल, सचिव (हैवी इंडस्ट्रीज़) भारत सरकार द्वारा दिनांक 23 जनवरी, 2022 को संग्रहालय भ्रमण किया गया। उन्होंने इंगांरामासं की मुक्ताकाश प्रदर्शनियों, एवं वीथि संकुल, अंतरंग संग्रहालय भवन में अत्यंत दिलचस्पी ली।

6. Shri Arun Goel, Secretary, (Heavy Industries) GOI visited the Museum on 23rd January, 2022. He took keen interest in the open air exhibitions of IGRMS and Veethi Sankul (indoor gallery complex).

A,B - श्री अरूण गोयल, सचिव, हैवी इडंस्ट्रीज, भारत सरकार के द्वारा संग्रहालय भ्रमण । / Museum visit by Shri Arun Goel, Secretaey, Heavy Industries, Govt. of India.

7. श्री हरेश्वर शर्मा, महानिदेशक, इनकम टेक्स इन्वेस्टीगेशन, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़, श्री अशोक कुमार त्रिपाठी, मुख्य निदेशक, इनकम टेक्स इनविटीगेशन, श्री अनूप कुमार जैन, संयुक्त निदेशक, इंकम टेक्स इन्वेस्टीगेशन द्वारा 29 जनवरी, 2022 को संग्रहालय भ्रमण किया गया। संग्रहालय कर्मियों द्वारा उन्हें विविध मुक्ताकाश एवं अंतरंग प्रदर्शनियों का भ्रमण कराया गया।

7. Shri Hareshwar Sharma, Director General, Income Tax Investigation of Madhya Pradesh and Chhattisgarh, Shri Ashok Kumar Tripathi, Principal Director, Income Tax Investigation and Shri Anoop Kumar Jain, Joint Director, Income Tax Investigation visited the Museum on 29th January, 2022. The museum officials took them for a tour to various open air exhibitions and indoor exhibitions.

A,B - श्री हरेश्वर शर्मा, महानिदेशक, इनकम टेक्स इन्वेस्टीगेशन ऑफ मध्य प्रदेश, छतीसगढ के द्वारा संग्रहालय भ्रमण । / Museum visit by Shri Hareshwar Sharma, Director General Income Tax Investigation of Madhya Pradesh Chhattisgarh

8. आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबन्धन अकादमी में आयोजित 107 वें संयुक्त मुख्य प्रशिक्षण कार्यक्रम में नवनियुक्त 56 सिविल सेवकों ने दिनांक 26 फरवरी, 2022 को संग्रहालय भ्रमण किया। उन्हें तटीय गांव, मरूग्राम मुक्ताकाश प्रदर्शनियों, भोपाल दीर्घा, पश्चिम बंगाल की लोक एवं जनजातीय कला पर सामयिक प्रदर्शनी तथा संग्रहालय के अंतरंग प्रदर्शनी भवन वीथि संकुल का भ्रमण कराया गया।

8. Newly appointed 56 civil servants of 107th Combined Basic Training Programme undergoing training at RCVP Naronha Academy of Administration & Management visited the Museum on 26th February, 2022. They were taken to the Coastal Village, Desert Village open air exhibitions, Bhopal Gallery and Exhibition on Folk and Tribal Art of West Bengal and Veethi Sankul indoor exhibition building of the museum.

A,B - मध्य प्रदेश शासन के नवनियुक्त सिविल सेवकों के द्वारा संग्रहालय भ्रमण। / Newly appointed civil servant of Govt. of Madhya Pradesh visited the Museum

9. डॉ. हरि सिंह गौर, केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर मध्य प्रदेश से शोधार्थियो, स्नातकोत्तर एवं स्नातक विद्यार्थियों के एक दल ने शैक्षणिक दौरे के रूप में दिनांक 27 फरवरी, 2022 को संग्रहालय का भ्रमण किया। दल की अगुवाई प्रो. आर. के. गौतम, मानव विज्ञान विभाग द्वारा की गई।

10. ठाकुर कालेज ऑफ आर्किटेक्चर मुंबई के 100 से ज्यादा विद्यार्थियों ने दिनांक 5 मार्च, 2022 को संगहालय भ्रमण किया।

11. सृष्टि मणिपाल इंस्टीटयूट आफ, डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी, बेंगलुरू से दो फैकल्टी के साथ 26 विद्यार्थियों ने दिनांक 16 मार्च, 2022 को संगहालय भ्रमण किया।

12. बंसल कॉलेज, भोपाल से विद्यार्थियों द्वारा दिनांक 27 मार्च, 2022 को संगहालय का भ्रमण किया गया।

9. A team of 33 research scholars, post graduate and undergraduate students from Dr. Hari Singh Gour Central University, Sagar (M.P.) visited IGRMS as educational tour on 27th February, 2022. The team was headed by Professor RK Gautam, Head of the Department of Anthropology

10. Over 100 students from Thakur college of architecture, Mumbai visited the Museum on 5th March, 2022,

11. 26 students along with their 2 faculty from Srishti Manipal Institute of Art, Design & Technology, Bengaluru visited Museum on 16th March, 2022.

12. Students from Bansal college, Bhopal visited the Museum on 27th March, 2022.

03

ऑपरेशन साल्वेज
Operation Salvage

आपरेशन सालवेज उपयोजना का मुख्य उद्देश्य मूर्त एवं अर्मूत संस्कृति के लुप्त हो रहे पक्षों को बचाना है। संग्रहालय संग्रह एवं प्रलेखन के माध्यम से जीवन में अभिवृद्धिकारी परंपराओं के विविध पक्षों को सजाने हेतु व्यवस्थित प्रयास कर रहा है। कोविड –19 महामारी के कारण उत्पन्न प्रतिबंधों से ऑपरेशन सालवेज गतिविधियॅ बाधित हुई है। तथापि इस श्रेणी के अंतर्गत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय 305 प्रादर्शों की जतन सॉफ्टवेयर में डिजिटल इन्ट्री करने में संलग्न रहा।

The sub-scheme Operation Salvage is aimed at salvaging the vanishing aspects of tangible and intangible cultures. The Sangrahalaya is making systematic efforts for salvaging various aspects of life enhancing traditions, by collection and documentation. Due to COVID-19 restriction the operation salvage activities is badly hampered. However, under this category IGRMS had been engaged in the digital entry of 305 objects in Jatan software.

04

दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र, मैसुरू
Southern Regional Centre, Mysuru

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र मैसूर शहर के मध्य में स्थित ऐतिहासिक भवन वैलिंगटन हाउस से कार्यरत है। एकीकृत भारत की समृद्व सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्ष्ण एवं पुनरूद्धार के लिए केंद्र सरकार की गतिविधियों में गहरी रूचि दिखाते हुए दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना हेतु वर्ष 2000 में कर्नाटक सरकार द्वारा यह प्रतिष्ठित इमारत केंद्र सरकार को सौंपी गई जहां केंद्र ने अक्टूबर, 2001 से अपनी गतिविधियॉ आरम्भ की। वर्ष के दौरान निम्नांकित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

4.1 स्वतंत्रता दिवस: दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र मैसूर इंगांरामासं द्वारा अपने परिसर में 75 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वहॉ कर्मचारियों एवं सुरक्षा कर्मियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

The Southern Regional Centre of Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya is functioning from the historic building 'Wellington House' in the heart of Mysore city. Taking keen interest on the Central Government's initiatives for preservation and revitalization of rich cultural traditions of unified India, the Government of Karnataka has allocated the prestigious building to the Central Government, in the year 2000, for setting up the Southern Regional Centre. The centre began its activities from October 2001. During the year, the following programmes were held:

4.1 Independence Day: The IGRMS, SRC Mysuru had celebrated the 75th Independence Day, 2021 at its premises. On this occasion, the National flag was hoisted at SRC Mysuru in the presence of the employees and security personals of the office.

A,B - संग्रहालय के दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र, मैसूर में स्वतंत्रता दिवस समारोह की झलकियाँ। / Glimpses of Independence Day Celebration at SRC Mysore of IGRMS

05

सुविधा इकाईयाँ
Facility Units

संग्रहालय के लक्ष्यों की पूर्ति से संबंधित कार्यों जैसे अधोसंरचनात्मक विकास, शैक्षणिक एवं आउटरीच एवं आपरेशन साल्वेज को करने के लिये क्यूरेटोरियल विंग के अतिरिक्त कई सुविधा इकाईयां भी हैं जो उन्हें आबंटित कार्यों को संपादित करती है। इसमें संरक्षण इकाई, छाया इकाई, सिने–वीडियो इकाई, ग्राफिक कला इकाई, बागवानी इकाई, मॉडलिंग इकाई, संदर्भ पुस्तकालय इकाई, जनसंपर्क इकाई, अभियांत्रिकी इकाई, राजभाषा एवं कंप्यूटर इकाई शामिल है।

5.1. **संरक्षण इकाई:** संग्रहालय द्वारा एक रासायनिक संरक्षण इकाई का विकास भारत के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों जैसे हिमाच्छदित हिमालय से लेकर राजस्थान के शुष्क क्षेत्र एवं अत्यन्त नमीयुक्त समुदतटीय क्षेत्रों से प्राप्त संरचनाओं एवं प्रादर्शों के संरक्षण हेतु किया गया है। संग्रहालय द्वारा अपने स्थाई संकलन मे अट्ठाइस हजार से ज्यादा संग्रहालय प्रादर्शों को संजोया गया है। संग्रहालय की संरक्षण इकाई ने कीड़ों और फफूंद जैसे जैवसावयवों के आक्रमण से सुरक्षा हेतु संग्रहालय में ही सुविधा विकसित की है। प्रादर्शों को धूम्रीकरण, कीटनाशकों के छिड़काव एवं चूहा मार दवाओं आदि का छिड़काव कर उपचारित किया जाता है।प्रादर्श भंडार एवं अंतरंग प्रदर्शनियों में उचित आपेक्षित आर्द्रता बनाए रखने के लिए सिलिका जैल कणों का प्रयोग किया जाता है।समीक्षावधी के दौरान संरक्षण इकाई ने पीतल, लोहा, मिश्रधातु, लकड़ी, चमड़ा, बांस, जूट, टेराकोटा, घास, एल्यूमिनियम/व्हाइटमेटल, तांबा, अस्थियों, पत्तियों, ऊन एवं वस्त्र से बने हुए 3274 प्रादर्शों की सफाई, संरक्षण, परिरक्षण एवं जीर्णोद्धार किया।इकाई मुक्ताकाश प्रदर्शनी के प्रादर्शो की भी देखरेख करती है। इकाई के सदस्य स्वच्छ भारत अभियान, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस इत्यादि से संबंधित गतिविधियों के आयोजन में भी संलग्न रहे।

5.2 **छायाइकाई:** वर्ष के दौरान संग्रहालय की छाया इकाई ने सभी संग्रहालयीन गतिविधियो जैसे प्रदर्शनी,कलाकार शिविर, प्रस्तुतिकारी कला का प्रदर्शन, संगोष्ठियां, कार्यशालाएं एवं अन्य विशेष कार्यक्रमों का छाया प्रलेखन किया एवं 6607 डिजिटलचित्र तैयार किए। इकाई द्वारा प्रकाशन, सोशल मीडिया एवं विविध प्रचार प्रसार सामाग्रियो हेतु 2322 चित्र उपलब्ध कराये गए। इकाई ने विविध सामायिक प्रदर्शनियों को संयोजित करने में भी सहायता की।

To achieve the targets related to Museum's infrastructural development, Education and Outreach and Operation Salvage other than the curatorial wing the IGRMS has a number of facility units which function for various works identified for them. These include Conservation Unit, Photography Unit, Cine Video Unit, Graphic Art Unit, Horticulture Unit, Modeling Unit, Reference Library, Public Relation Unit, Engineering Unit, Official Language Unit and Computer unit.

5.1 **Conservation Unit:** Sangrahalaya has developed a chemical conservation unit to conserve the structures and objects collected from different climatic zones right from the snow bound Himalayas to arid zone of Rajasthan and highly humid coastal areas of India. Over twenty-eight thousand museum objects have been acquired by Museum in its reserve collection. The conservation unit of the Museum has developed in-house facilities to prevent attack from bio-organisms like insects and fungus etc. The objects are treated by using fumigation, spraying of insecticides, applying rodenticides and by giving anti termite root level treatment etc. Application of silica gel crystals is being carried out to maintain proper relative humidity both at specimen store and indoor exhibitions. During the period under review, the unit carried out cleaning, conservation, preservation and restoration of 3274 objects made of brass, iron, bell metal, wood, leather, bamboo, jute, terracotta, grass, aluminum/ white metal, copper, bone, leaf, wool and textiles etc. The unit also looks after the exhibits of open air exhibitions. Members of the unit had also been engaged in organization of activities related to Swachha Bharat Abhiyan, International Yoga Day etc.

5.2 **Photography Unit:** During the year Photography unit of the Museum carried out photo documentation of all in-house activities such as exhibition, performing art presentations, seminars, workshops and also other special events, and took 6607 digital images. The unit also made available 2322 images for publications, social media and various propagation materials. Unit also extended assistance in mounting various periodical exhibitions.

5.3 सिने विडियो इकाई: वर्ष के दौरान संग्रहालय की सिने विडियो इकाई ने भोपाल में आयोजित संग्रहालय के विविध कार्यक्रमों एवं गतिविधियों जैसे संग्रहालय लोकरूचि व्याख्यान, प्रस्तुतिकारी कलाओं का प्रदर्शन, प्रदर्शनियां, संगोष्ठियां, कार्यशालाओं, बैठकों एवं चर्चाओं आदि का दृश्य श्रव्य प्रलेखन किया। अवधि के दौरान कुल 32.19 घंटों की आडियो वीडियों रिर्कार्डिंग की गई। इकाई द्वारा संग्रहालय के विविध इन हाउस कार्यक्रमों हेतु पी.ए. सिस्टम सेवाओं एवं माह के प्रादर्श हेतु एडिटेड वीडियों भी तैयार किये गये।

5.4 रेखा कला इकाई: संग्रहालय की रेखा कला इकाई द्वारा त्रैमासिक न्यूलैटर, वार्षिक प्रतिवेदन 2020–21 एवं अन्य संग्रहालय प्रकाशनों के डिजाइन तैयार किए गए। इकाई के सदस्यों ने प्रदर्शनी संयोजन, पेंटिंग/पोस्टर प्रतियोगिता, सूचनापट, प्रमाणपत्र लिखने एवं परिसर के सौंदर्यीकरण इत्यादि में भी सहयोग प्रदान किया।

5.5 बागवानी इकाई: इकाई ने परिसर मे विभिन्न प्रजातियों के फलों एवं फूलो का रोपण जारी रखा एवं संग्रहालय के विभिन्न भागों में लैंडस्केपिंग कार्य किया। बीजांकित पौधों का प्रतिरोपण, औषधि उपवन का रख रखाव, घास कटाई, बीज संग्रह, जैव कीटनाशकों का उत्पादन तथा पुनीतवन का संधारण कार्य भी किया। संग्रहालय में विविध स्थानों पर पौधा रोपण कार्य में सक्रियता से संलग्न रही।

5.6 प्रतिरूपण इकाई: संग्रहालय की प्रतिरूपण इकाई ने विभिन्न प्रदर्शनियों के संयोजन, तथा मृदा प्रतिरूपण, 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इसने संग्रहालय दुकान हेतु विभिन्न आकृतियों के प्लास्टर एवं फायबर सॉचे मे ढाल कर प्रतिरूप एव नवीन प्रादर्शों की प्रतिकृति भी बनाई। इकाई ने भगवान गणेश की पर्यावरण अनुकूल प्रतिमाऐं भी तैयार कर बिक्री हेतु उपलब्ध करायी।

5.7 संदर्भ ग्रंथालय: इस वर्ष संग्रहालय के संदर्भ ग्रथांलय ने 58 नवीन पुस्तकों, 26 भारतीय एवं 02 विदेशी शोध प्त्रिकाओं के अंको की अभिवृद्वि की। वर्ष के दौरान 410 पुस्तकों/पत्रिकाओं का निगर्मन किया गया तथा पाठकों को संदर्भ सेवाएं प्रदान की गई। इकाई ने 475 पुस्तकों का वर्गीकरण, 915 पुस्तकों की कैटलॉगिंग, 3030 आर्टिकल्स को सूचीकृत किया। इकाई ईमेल के माध्यम से नवीन आधिग्रहणों एवं समाचारों की झलकियों की जानकारी भी उपलब्ध कराती है।इकाई के सदस्य राजभाषा एवं टीएलएफ संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन में भी संलग्न रहे है।

5.3 Cine Video Unit: During the year the Cine Video unit of the Museum carried out the audio video documentation of various activities and programmes of Museum like, Museum Popular Lectures, programmes of Performing Art Presentation, Exhibitions, Seminars, Workshops, Symposia, Discussions etc. organized at Bhopal. Altogether 32.19 hrs of audio video recording were made during the period. The unit also provided edited videos for exhibit of the month series and services of PA system for various in house programmes of the Museum.

5.4 Graphic Art Unit: The Graphic Art unit of Sangrahalaya prepared designs for Quarterly News Letter, Annual Report 2020-21 and some other museum publications. Members of the unit extended assistance in mounting of exhibitions, painting/poster making competition, preparation of signages, writing certificates, campus beautification etc.

5.5 Horticulture Unit: The Unit continued plantation of various species of fruits and flowers in the campus and it also undertook landscaping work in different areas of museum, transplanted seedling, maintained medicinal garden, cut the grass, collected seeds, productions of bio-pesticide and maintained the sacred groves plantations. The unit has extensively involved in plantation work at various places of the museum.

5.6 Modeling Unit: Modeling unit of the Museum attended the works related to mounting of various exhibitions and also organised clay modelling 'Do and learn' Museum Education Programmes. It prepared plaster mould and fiber cast of different images and also prepared replicas of new objects for Museum shop. It also prepared eco friendly idols of lord Ganesha and put them for sale.

5.7 Reference Library: This year the reference library of the Museum added 58 new books, 26 volumes of Indian and 02 volumes of foreign journals. During the period books/journals were issued and reprographic services were provided to readers. The unit carried out classification of 475 books, cataloging of 915 books, indexing of 3030 articles etc. It is also providing information of new acquisitions and news clippings through email. Members of the Unit were also engaged in organization of programmes related to official Language and TLF.

5.8 जनसंपर्क इकाईः संग्रहालय की जनसंपर्क इकाई प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से संग्रहालय की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की सूचना उपलब्ध कराने में संलग्न रही । एस.एम.एस तथा ईमेल द्वारा भी आमंत्रण भेजे गए। इकाई ने स्थानीय एवं राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित करने हेतु लगभग 48 प्रेस विज्ञाप्तियां तैयार की।

5.9 अभियांत्रिकी इकाई : संग्रहालय परिसर एवं स्टाफ क्वाटर्स मे सिविल, नल कार्य, बिजिली कार्य एव ंकाष्ठ कार्य के सामान्य संधारण के अतिरिक्त इकाई ने परिसर के पंप हाउस का सुधार कार्य भी किया।

5.10 राजभाषा इकाईः स्टाफ में शासकीय कार्यों में हिन्दी के उपयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से संग्रहालय की राज भाषा इकाई द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 3 बैठको, 4 राजभाषा कार्यशालाओं क्रमशः 30 जून 2021 को कोविड–19 जन्य परिस्थितियों में संग्रहालयः चुनौतियाँ एवं निदान, 16 सितम्बर, 2021 को स्वतंत्रता के 75 वर्ष एवं स्वर्णिम भारत का निमार्ण, 11 नवम्बर, 2021 को समीक्षा एवं 29 मार्च, 2022 को मीडिया रिर्पोट लेखन कौशल का आयोजन किया। इकाई द्वारा नराकास की बैठको में भी प्रतिभागिता की गई। इकाई ने 14 से 30 सितम्बर, 2021 तक हिंदी पखवाड़ा का भी आयोजन किया जिसमें स्टाफ सदस्यों के लिये निबंध लेखन प्रतियोगिता, नारा लेखन, प्रश्नोत्तरी, छायाचित्र शीर्षक लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

5.11 कम्प्यूटर इकाईः संग्रहालय की कम्प्यूटर इकाई माह का प्रादर्श श्रृंखला के अंतर्गत प्रदर्शित प्रादर्शो के सूचना पैनल्स के आकल्पन मुद्रण में रत रही। इंगांरामासं की अधिकारिक वेबसाइट https://igrms.gov.in का संधारण इकाई द्वारा किया जाता है। इंगांरामासं अपनी गतिविधियों का प्रसारण तथा वर्चुअल दर्शकों के साथ सेवा सोशल वेबसाइट जैसे फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब के माध्यम से संवाद करता है। अवधि के दौरान कुल 9 लाख दर्शकों ने वेबसाइट का अवलोकन किया 3.5 लाख से ज्यादा लाइक्स/इमोजी प्रलेखित किए गए। इकाई संगोष्ठियों/व्याख्यानों में सहयोग तथा इंटरनेट सुविधा भी प्रदान करती है। यह दीर्घाओं, प्रादर्शों, संग्रहालयीन प्रकाशनों जैसे पोस्टर, लैबल्स, फोल्डर, लीफलेट, पैनल्स, प्रमाण पत्र, वार्षिक प्रतिवेदन, न्यूज लैटर इत्यादि के प्रारूप का आकल्पन भी करती है।

5.8 Public Relation Unit: The public relation unit of the Sangrahalaya has been engaged in imparting and disseminating information about the programmes and activities of the museum through the use of print and electronic media. Invitations were also sent through SMS and email. The unit also prepared around 48 press notes for publication in local and national newspapers.

5.9 Engineering Unit: Other than the general maintenance of civil, plumbing, electrical and carpentry works of the Museum premises and staff quarters, the unit had been engaged in repairing work of Pump houses of IGRMS.

5.10 Official Language Unit: To popularize the use of the Hindi in official work among the staff, the Official Language unit of the Museum organized 3 meetings of Departmental Official Language working committee, organised four workshop entitled 'Covid-19 Janya Paristhitiyon me sangrahalaya: Chunautiyan Evam Nidan' on 30th June, 2021, 'Swatantrata Ke Pachahattar Varsh Evam Swarnim Bharat Ka Nirman' on 16th September, 2021, 'Samiksha' on 11th November, 2021 and 'Media Report Lekhan Kaushal ' on 29th March, 2022. Official from IGRMS also participated at NARAKAS meeting. The Unit also ogranised Hindi Pakhwada from 14 to 30 September 2021 in which activity like Essay writing competition, Slogan writing, Quiz competition, Photo title writing competition for its staff member.

5.11 Computer Unit: The computer unit of the Museum had been engaged in designing and printing of information panels for exhibits displayed under the series of the Exhibit of the Month. IGRMS'S official website http://igrms.gov.in is maintained by the unit. IGRMS disseminates its activity information and interacts with virtual visitors via social websites like Facebook, Twitter, Instagram and YouTube. During the period total 9 lac visitors reached to its website. More than 3.5 lac likes/emoji recorded. Unit supports in seminars/lectures, as well as Internet facilities. It also prepares layouts and designs of galleries, exhibits, Museum related publications such as poster, labels, folder, leaflets, panels, certificate, annual reports, newsletter, etc.

06

लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखे

Audit Report and Annual Accounts (2021-22)

6.1. वर्ष 2021-22 के लेखे पर लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं प्रमाण पत्र /

Audit Report and Audit Certificate on the accounts for the year 2021-2022

6.2. वर्ष 2021-22 के लिए वार्षिक लेखा /

Annual Accounts for the year 2021-22

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (आई.जी.आर.एम.एस.), भोपाल के 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए लेखों पर भारत के नियंत्रक–महालेखापरीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

1. हमने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के (सेवा के अधिकार, कर्तव्य और शर्तों) के अधिनियम 1971 अनुच्छेद 20 (1) के अंतर्गत इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (इंगारामासं) के 31 मार्च 2022 के अनुसार तुलन पत्र तथा उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय लेखे तथा भुगतान एवं पावती लेखे की परीक्षा कर ली है। लेखा परीक्षा का दायित्व 2023–24 तक की अवधि हेतु सौंपा गया है। यह वित्तीय ब्यौरे इंगारामासं प्रबंधक का दायित्व है। इन वित्तीय ब्यौरों पर हमारा दायित्व अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर अपना अभिमत व्यक्त करना है।

2. यह पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन लेखा प्रबंधन के संबंध में केवल वर्गीकरण, श्रेष्ठ लेखा संधारण व्यवहार की सुनिश्चितता, लेखा संधारण प्रतिमान और प्रकटीकरण सिद्धांतों की टिप्पणियों से युक्त हैं। वित्तीय लेनदेन के संदर्भ में कानून, नियम और विनियम (विशेषाधिकार एवं नियमितता) तथा कार्यदक्षता–सह –प्रदर्शन इत्यादि पक्षों यदि कोई है तो उनके परिपालन के संबंध में लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के माध्यम से पृथकतः प्रतिवेदित है।

3. हमने लेखा परीक्षण भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा परीक्षण प्रतिमानों के अनुसार किया है। इन मानकों की आवश्यकता है कि हम यह विवरण बिना किसी भौतिक मिथ्या कथन के तैयार वित्तीय विवरणों के बारे में उचित विश्वास प्राप्त करने हेतु लेखा परीक्षा की योजना बनाएँ व करें। एक लेखा परीक्षा में वित्तीय कथन में दी गई राशियॉ तथा खुलासों के समर्थन में साक्ष्यों के परीक्षण के आधार पर जांच सम्मिलित होती है। एक लेखा परीक्षा के प्रबंधन द्वारा व्यवहार में लाये जाने वाले लेखा संधारण सिद्धांतों का मूल्यांकन और महत्वपूर्ण प्राक्कलनों के साथ ही वित्तीय कथनों के समग्र प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारा लेखा परीक्षण हमारे अभिमत के लिए न्याय संगत आधार उपलब्ध कराता है।

4. अपने लेखा परीक्षण के आधार पर हम प्रतिवेदित करते हैं कि:

(i) हमारी यथेष्ट जानकारी और विश्वास के अनुसार हमने लेखा परीक्षा के लिए अभिवांछित सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

(ii) प्रतिवेदन में आये तुलन पत्र तथा आय एवं व्यय लेखा/पावतियॉ और भुगतान लेखा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा स्वीकृत प्रारूप में तैयार किये गये हैं।

(iii) हमारे अभिमत में इंगारामासं द्वारा लेखा बही और अन्य संबंधित दस्तावेज समुचित ढंग से संधारित किये गये हैं। जैसा कि हमारे परीक्षण में आई ऐसी बहियों से प्रतीत होता है।

(iv) हम आगे प्रतिवेदित करते हैं कि :

Separate Audit Report of the Comptroller and Auditor General of India on the Accounts of the Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya (igrms), Bhopal, for the year ended 31 March, 2022.

1. We have audited the attached Balance Sheet of the Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya (IGRMS), Bhopal as at 31 March 2022; the Income and Expenditure Account and the Receipts and Payments Account for the year ended on that date, under Section 20 (1) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971. The audit has been entrusted for the period up to 2023-24. These financial statements are the responsibility of the IGRMS's Management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/ CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. Audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. Audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

(ii) The Balance Sheet, Income and Expenditure Account and the Receipt and Payment Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Ministry of Finance, Government of India.

(iii) In our opinion, proper books of account and other relevant records have been maintained by the IGRMS, Bhopal in so far as it appears from our examination of such books.

(iv) We further report that: -

अ. सामान्य

अ. 1 इंगांरामासं ने अपने पूंजीगत अनुदान को आय और व्यय लेखा के माध्यम से दिया। साथ ही अनुदान/सब्सीडी का अनुसूची भी नहीं तैयार की गयी है। यह लेखों के एक समान प्रारूप में निर्धारित निर्देशों का उल्लंघन था।

इंगांरामासं का उत्तरः इसे भविष्य में ध्यान रखा जायेगा।

अ. 2 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त की गई सुरक्षा जमा/निष्पादन सुरक्षा राशि रुपए 0.29! करोड़ को लेखापरीक्षा टिप्पणियों में प्रकट नहीं किया गया था।

इंगांरामासं का उत्तरः सुरक्षा जमा/निष्पादन सुरक्षा का उल्लेख लेखे पर टिप्पणियों में किया जाएगा।

अ. 3 वर्तमान देनदारियों और प्रावधान में वित्त मंत्रालय द्वारा जारी लेखों के प्रारूप के अनुसार सहायता अनुदान (जीआईए) की अव्ययित शेष राशि शामिल नहीं है। पिछले वर्षों के अलग–अलग लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों में प्रतिवेदित किए जाने के बावजूद यह मुद्दा अभी भी कायम है।

इंगांरामासं का उत्तरः इसे भविष्य में ध्यान रखा जायेगा।

अ. 4 बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पात्र कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति लाभों का प्रावधान नहीं किया गया।

इंगांरामासं का उत्तरः इसे भविष्य में ध्यान रखा जायेगा।

अ. 5 रुपये 8.28 करोड़ की अग्रिम राशि (1989 से 2006 की अवधि में जमा कार्य के लिए विभिन्न सरकारी एजेंसियों को दी गई) का समायोजन अभी भी लंबित है। यहां तक कि इंगांरामासं द्वारा लेखापरीक्षा के समक्ष इन अग्रिमों से संबंधित अभिलेख भी प्रस्तुत नहीं किए गए थे। बताई गई स्थिति को ध्यान में रखते हुए, हम ऐसे अग्रिम के अस्तित्व और विश्वसनीयता को प्रमाणित करने में असमर्थ हैं। यह पिछले साल के एसएआर में भी बताया जा चुका है।2019–20 और 2020–21 की अलग–अलग ऑडिट रिपोर्ट में रिपोर्ट किए जाने के बावजूद यह समस्या अभी भी बनी हुई है।

इंगांरामासं का उत्तरः अग्रिमों को वर्ष 2022–23 के दौरान समायोजित किया जाएगा।

!(वर्ष 2019–20 के दौरान सुरक्षा सेवाओं को किराए पर लेने के लिए मैसर्स ईशा प्रोटेक्शन सिक्योरिटी गार्ड प्राइवेट लिमिटेड से 0.15 करोड रुपये प्राप्त हुए। वर्ष 2020–21 के दौरान मैसर्स ओमैक्स सिक्योरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से मानव संसाधन सेवा की आउटसोर्सिंग के लिए 0.14 करोड़ रुपये प्राप्त हुए)

A. General

A.1 IGRMS routed its Capital grants through Income and Expenditure account. Also, the schedule for Grants/Subsidies has not been prepared. This was in contravention of the instructions prescribed in Uniform Format of Accounts.

IGRMS Reply:- This is noted for future.

A.2 Security Deposit/Performance Security of Rs. 0.29 crore! received from the service providers was not disclosed in its Notes to Accounts.

IGRMS Reply:- The Security deposit/Performance security shall be disclosed in Notes on Accounts.

A.3 Current Liabilities and Provision does not include unspent balance of Grants-in-aid (GIA) as per format of accounts issued by Ministry of Finance. This issue is still persistent despite reported in previous years Separate Audit Reports.

IGRMS Reply:- This is noted for future.

A.4 Provisions of retirement benefits for eligible employees not made on the basis of actuarial valuation.

IGRMS Reply:- This is noted for future.

A.5 Adjustment of the significant amount of the advance (given to various Govt. Agencies for deposit work in the period from 1989 to 2006.) of Rs.8.28 crore is still pending. Even the records related to these advances were not produced before the audit by the IGRMS. In views of the position stated, we are unable to certify existence and reliability of such advance. This also has been pointed out in previous year SARs. This issue still persistent despite reported in Separate Audit Report of 2019-20 & 2020-21

IGRMS Reply:- The advances shall be adjusted during the year 2022-23.

(! Rs. 0.15 crore received from M/s Isha Protectional Security Guard Pvt. Ltd. during 2019-20 for hiring of security services Rs. 0.14 crore received from M/s Omax Security Services Pvt. Ltd. during 2020-21 for outsourcing of human resource service)

ब. सहायता अनुदान

वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा रु. 17.29 करोड़ का सहायता अनुदान (जीआईए) प्राप्त किया गया। इसके अलावा, इसमें पिछले वर्ष के सहायता अनुदान पर ब्याज सहित 1.43 करोड़ रुपये और वर्ष के दौरान सहायता अनुदान पर अर्जित 0.02 करोड़ रुपये का बकाया शेष था। इस प्रकार 18.74 करोड़ रुपये की कुल उपलब्ध निधि में से 2.08 करोड़ रुपये की अव्ययित राशि को छोड़कर संस्थान ने 16.66 करोड़ रुपये का उपयोग किया।

इंगारामासं का उत्तरः पिछले वर्ष के दौरान लेखापरीक्षा ने आय और व्यय लेखा से व्यय लिया है, लेकिन आय और व्यय लेखा में सभी प्रावधान और समायोजन प्रविष्टियां शामिल हैं। वास्तविक व्यय प्राप्ति एवं भुगतान लेखा से लिया जाना चाहिए।

विवरण नीचे दिया गया है:

(i) 1.4.21 को पिछले वर्ष की अव्ययित शेष राशि	रु.22.90 लाख
(ii) वर्ष 2021–22 के दौरान प्राप्त अनुदान	रु.1729.10 लाख
(iii) अनुदान सहायता से प्राप्त ब्याज	रु.2.18 लाख
	कुल रू. 1754.18 लाख
(iv) व्यय घटाकर	रु.(–)1666.24 लाख
(v) 1–4–2022 को की अव्ययित शेष राशि	**रु. 87.94 लाख**

(v) पिछले पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन हम प्रतिवेदित करते हैं कि इस प्रतिवेदन के संबंध में तुलन पत्र आय और व्यय खाता और लेखा बही के अनुरूप हैं।

(vi) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण लेखा नीतियों और लेखों पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जाते हैं और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और इस लेखा परीक्षा के अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन हैं। रिपोर्ट भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देती है:

(अ) जहॉ तक इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के 31 मार्च, 2022 को तुलन पत्र की स्थिति का संबंध है तथा

(ब) जहॉ तक उस तिथि को समाप्त वर्ष को आय और व्यय लेखे के आधिक्य का सम्बन्ध है।

द्वारा एवं वास्ते भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक।

B. Grants-in-aid

Grants-in-aid (GIA) received by the Institute during the year Rs. 17.29 crore. In addition, it had an unspent balance of Rs. 1.43 crore including interest on GIA of previous year and Rs. 0.02 crore interest earned on GIA during the year. Thus out of total available fund of Rs. 18.74 crore the Institute utilized Rs. 16.66 crore leaving unutilized amount of Rs. 2.08 crore.

IGRMS Reply:- During the last year the Audit has taken expenditure from Income & Expenditure account, But in Income & Expenditure account includes all the provisions &adjustment entries. The actual expenditure should be taken from Receipt & Payment account.

The details are given below:-

(i) Unspent balance of previous year as on 1.4.21	Rs.22.90 lacs
(ii) Grant received during the year 2021-22	Rs.1729.10 lacs
(iii) Interest received from GIA	Rs.2.18 lacs
	Total: Rs.1754.18 lacs
(iv) Less expenditure incurred	(-)Rs.1666.24 lacs
(v) Unspent Balance as on 1.4.2022	**Rs.87.94 lacs**

(v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income and Expenditure Account and the Receipts and Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

(vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

(a) In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal as on 31 March 2022 and;

(b) In so far as it relates to Income and Expenditure Account of the surplus for the year ended on that date.

For and on behalf of the Comptroller and Auditor General of India.

सही /-
निदेशक महालेखा परीक्षा
(सेन्ट्रल रिसीप्ट, नई दिल्ली)

स्थान–नई दिल्ली
दिनांक - 15-11-2022

Sd/-
Director General of Audit
(Central Receipt, New Delhi)

Place: New Delhi
Date: 15-11-2022

अनुलग्नक

1.आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता:

एक चार्टर्ड एकाउंटेंट फर्म द्वारा आंतरिक लेखापरीक्षा की गई। CAB के पास अपना आंतरिक लेखापरीक्षा विंग नहीं है। आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली निम्न कारणों से अपर्याप्त पाई गई:

(i) CAB ने आंतरिक लेखा परीक्षक द्वारा कई बार सुझाए जाने के बावजूद कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली को नहीं अपनाया है।

इंगांरामासं का उत्तर: कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली शुरू की जाएगी।

(ii) विभिन्न पार्टियों को दिया गया रुपये 32,50,747/– का अस्थायी अग्रिम (3 से 25 वर्षों के लिए बकाया अग्रिम रुपये 2,95,49,882/– सहित) 31–03–2022 तक बकाया रहा। हालाँकि, अग्रिम की इस महत्वपूर्ण राशि का समायोजन अभी भी लंबित है, जबकि इसे विभिन्न अवसरों पर CAB के आंतरिक लेखा परीक्षक द्वारा सूचित किया गया है।

इंगांरामासं का उत्तर: ऊपर दिया गया आंकड़ा सही नहीं है। गैर–अधिकारियों के अस्थायी अग्रिमों के विरुद्ध रु. 29,49,882/– की राशि बकाया है। इसे अतिशीघ्र ही समायोजित कर लिया जाएगा।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता:
आंतरिक नियंत्रण प्रणाली निम्न कारणों से अपर्याप्त पाई गई:

(i) लेखापरीक्षा आपत्तियों के अनुपालन के प्रति प्रबंधन की प्रतिक्रिया प्रभावी नहीं थी क्योंकि 48 पैरा बकाया थे।

इंगांरामासं का उत्तर: लेखापरीक्षा आपत्तियों के निपटान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

(ii) संस्थान के पास अपनी लेखा नियमावली नहीं है।

इंगांरामासं का उत्तर: लेखा नियमावली तैयार की जाएगी।

(iii) जीएफआर, 2017 में निर्धारित प्रारूप के अनुसार अचल संपत्ति पंजी का संधारण नहीं किया जाता है।

इंगांरामासं का उत्तर: अचल संपत्ति रजिस्टर तैयार किया जाएगा।

3. अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली:
वर्ष 2021–22 के दौरान अस्थाई एवं घुमंतु प्रदर्शिनियों, अनुभागों, सामग्रियों को छोड़कर अचल संपत्तियों एवं सूचियों का भौतिक सत्यापन किया गया है। इस प्रकार अचल संपत्तियों और सूचियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली उस सीमा तक अपर्याप्त पाई गई।

इंगांरामासं का उत्तर: यह चालू वर्ष के दौरान किया जाएगा

4. सूचियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली:
वर्ष 2021–22 के दौरान सूचियों का भौतिक सत्यापन किया गया है।

इंगांरामासं का उत्तर: पुष्टि की गई।

5. वैधानिक देय राशि के भुगतान में नियमितता:
सांविधिक देय राशि के भुगतान में कोई अनियमितता नहीं पाई गई।

इंगांरामासं का उत्तर: पुष्टि की गई।

सही / sd/-
निदेशक / Director

सही /-
वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी (AMG-II)

Annexure

1. Adequacy of Internal Audit System:

Internal Audit was conducted by a Chartered Accountant Firm. The CAB does not have its Internal Audit wing. Internal audit system was found to be inadequate due to:

(Ithe CAB has not adopted computerized accounting system despite being suggested by its internal auditor many times.

IGRMS Reply:- The computerized accounting system shall be introduced.

(ii) Temporary advance of Rs. 32,50,747/- (including advance of Rs. 2,95,49,882/- outstanding for 3 to 25 years) given to various parities was remained outstanding as on 31.03.2022. However, adjustment of this significant amount of advance is still pending though reported by the internal auditor of the CAB on various occasion.

IGRMS Reply: The above figure is not correct. An amount of Rs.29,49,882/- is outstanding against temporary advances of Non-Officials. This shall be settled at the earliest.

2. Adequacy of Internal Control System:
The internal control system was found to be inadequate due to:

(i) The response of the Management towards compliance audit objections was not effective as there were 48 paras outstanding.

IGRMS Reply:- The necessary steps shall be taken to settle audit paras.

(ii) The Institute does not have its accounting manual.

IGRMS Reply:- The Accounting Manual shall be prepared.

(iii) Fixed assets register, as per the format prescribed in the GFR, 2017, is not maintained.

IGRMS Reply:- Fixed Asset register shall be prepared.

3. System of Physical verification of fixed assets:
Physical verification of fixed assets and inventories has been conducted during the year 2021-22 except Temporary & Travelling Exhibitions sections/materials. Thus, the system of physical verification of fixed assets and inventories was found inadequate to that extent.

IGRMS Reply:- This shall be done during the current year

4. System of Physical verification of Inventories:
Physical verification of inventories has been conducted during the year 2021-22.

IGRMS Reply:- Confirmed.

5. Regularity in payment of statutory dues:
No irregularity was noticed in the payment of statutory dues.

IGRMS Reply:- Confirmed

सही / sd/-
निदेशक / Director

Sd/-
Sr.Audit Officer(AMG-II)

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

1.04.2021 से 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं व्यय का लेखा

Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal

Receipt and Payment Account for the Period - 01/04/2021 to 31/03/2022

प्राप्तियाँ / Receipts	राशि रू. / Amount (Rs.)		भुगतान / Payments	राशि रू. / Amount (Rs.)	
योजना / PLAN			**योजना / PLAN**		
प्रारंभिक शेष 1/4/2021 को I. OPENING BALANCE AS ON 01.04.2021			**I. स्थापना व्यय / ESTABLISHMENT EXPENSES**		
हाथ में नगद / Cash in Hand	NIL	NIL	वेतन / Salaries	5,96,95,792.00	
बैंक में नगद / Cash at Bank	1,48,58,719.06	1,48,58,719.06	भत्ते / Allowances	1,27,57,571.00	
			मज़दूरी / Wages	1,42,06,254.00	
			अस्थाई ओहदा मज़दूरी Temporary Status wages	2,51,13,173.00	
II. सहायता अनुदान / GRANT RECEIVED			ईपीएफ में योगदान Employers Contribution to EPF	15,46,307.00	
संस्कृति विभाग से / Department of culture, Govt. Of India	17,29,10,000.00	17,29,10,000.00	अतिरिक्त ईपीएफ योगदान की वापसी / Refund of excess EPF contribution	7,200.00	
			वेतन (नई दिल्ली)Salaries (New Delhi)	3,57,637.00	
II. ब्याज प्राप्त / INTEREST RECEIVED			पेन्शन और ग्रेच्युटी Pension & Gratuity	65,22,883.00	
एफ.डी.आर. पर ब्याज / Interest on FDR's	24,67,660.00		स्टाफ सुविधाऐं Staff Amenities	2,57,887.00	
आयकर वापसी / Income tax refund	2,23,644.00		मजदूरी (मैसूर) Wages (Mysore)	3,53,519.00	12,08,18,223.00
आयकर रिफंड पर ब्याज / Interest on Income tax refund	20,126.00				
म.प्र.वि.मं के सुरक्षा निधि पर ब्याज / Interest on SD with MPSEB	27,426.00		**II. प्रशासनिक व्यय ADMINISTRATIVE EXPENSES**		
अधिकारियों को अग्रिम पर ब्याज / Interest on Advance to Officials	3,52,850.00	30,91,706.00	यात्रा व्यय (कार्यलयीन) Travelling Exp. (Officials)	4,15,178.00	
			यात्रा व्यय (गैर कार्यलयीन) Travelling Exp. (Non-officials)	61,737.00	
III. अन्य आय / OTHER INCOME			परिवहन शुल्क Conveyance Charges	36,308.00	
अनुज्ञा शुल्क / Licence fee	85,071.00		व्यवसायिक एवं विशेष सेवाऐं Prof & Spl. Services	1,48,76,872.00	
विविध प्राप्तियों एवं वापसी Misc. Receipts & Refund	7,25,914.00		कार्यालयीन व्यय Office Expenses	12,33,547.00	
संग्रहालय प्रवेश शुल्क Museum Entry Fees	5,55,476.00	13,66,461.00	स्टेशनरी एवं फार्म (मैसूर) / Stationary & Forms (Mysore)	4,538.00	
			कार्यालयीन व्यय (मैसूर) Office Expenses (Mysore)	14,534.00	
IV. अन्य आय / ANY OTHER RECEIPTS			बैंक प्रभार / Bank charges	3,880.59	
अस्थाई अग्रिम (कार्यालय) / Temporary advance (official)	5,500.00		कानूनी प्रभार Legal Charges	1,61,415.00	
अस्थाई अग्रिम (गैर कार्यालय) / Temporary advance (Non official)	3,00,865.00		एसजीएसटी (टीडीएस) S GST (TDS)	20,185.00	
अतिरिक्त वसूली / Execess Recovery	170.00		सीजीएसटी (टीडीएस) C GST (TDS)	20,185.00	
गृह निर्माण अग्रिम / House Building Advance	1,09,648.00		वाहनों का रखरखाव Maintenance of Vehicle	1,02,170.00	
			स्टेशनरी एवं फार्म Stationary & Forms	90,590.00	
संग्रहालय दुकान प्राप्तियाँ, मैसूर / Museum shop receipts, Mysore	1,87,022.00		व्यवसायिक एवं विशेष सेवाए (मैसूर) / Prof. & Spl. Services,(Mysore)	5,69,362.00	
संग्रहालय दुकान प्राप्तियाँ, मैसूर (कार्यशाला उत्पाद) / Museum shop receipts, Mysore (workshop artfacts)	35,000.00		डाक एवं दूरभाष चार्ज (मैसूर) / Postage & Telep. Exp.(Mysore)	24,487.00	
जीपीएफ / GPF	1,88,172.00		डाक एवं दूरभाष चार्ज / Postage & Telephone charges	3,71,230.00	
टीए / एलटीसी अग्रीम T.A./LTC Advance.	46,668.00		विद्युत प्रभार / Electricity Charges	53,86,075.00	
व्यवसाय कर / Professional tax	6,300.00		एनपीएस / NPS	16,52,347.00	

सूचना का अधिकार अधिनियम शुल्क Right to Information Act fee	904.00		डाक एवं दूरभाष प्रभार (नई दिल्ली) / Postage/Telephone charges (New Delhi)	9,847.00	
संग्रहालय दुकान प्राप्तियाँ / Museum shop receipts,	2,52,405.00		विद्युत प्रभार (मैसूर) Electricity Charges (Mysore)	74,887.00	
संग्रहालय दुकान प्राप्तियाँ, (कार्यशाला उत्पाद) / Museum shop receipts (workshop artefacts)	22,290.00		पेट्रोल, ऑयल, डीज़ल / Petrol, Oil, Diesel & Lubricant	2,07,330.00	
अतिथि गृह रसीद / Guest house receipt	7,000.00		पानी प्रभार / Water Charges	1,10,164.00	
पीजी डिप्लोमा कोर्स / P.G.Diploma course	84,500.00				2,54,46,868.59
सुरक्षा निधि / Security Deposits	18,000.00		**III. संग्रहालय व्यय / MUSEUM EXPENSES**		
चिकित्सा अग्रीम / Medical Advance	24,177.00		रसायन एवं अन्य व्यय Chemical & Other Expenses	1,21,018.00	
जीवन बीमा / LIC	3,934.00		प्रलेखन व्यय Documentation Expenses	2,46,573.00	
प्रकाशन बिक्री / Publication Sale	86,696.57		पीजी डिप्लोमा कोर्स P.G.Diploma course	26,875.00	
म.प्र.वि.मं के सुरक्षा निधि Security Deposits with MPSEB	48,719.00	14,27,970.57	पुस्तकालय समाचार पत्र व्यय / Library Newspaper Expenses	22,825.00	
			संगोष्ठी, कार्यशाला एवं व्याख्यान व्यय / Seminar, Work. & Lecture Exp.	6,65,834.00	
			अस्थाई प्रदर्शनी Temporary Exhibition	3,07,254.00	
			मिथक वीथि Mythological Trail	99,506.00	
			बागवानी व्यय Horticulture Expenses	65,411.00	
			टैगोर फैलोशिप Tagore Fellowship	3,00,000.00	
			छाया सामग्री एवं अन्य व्यय Photography Material & Other Expenses.	6,690.00	
			फिल्म का मूल्य एवं अन्य व्यय Cost of film & other Expenses .	44,413.00	
			प्रतिरूण व्यय Modelling Expenses	2,308.00	
.			अतिथि गृह व्यय Guest house expenses	5,350.00	19,14,057.00
			शैक्षणिक कार्यक्रम लोक एवं जनजातीय कला / Educational Prog. Folk & Tribal Art		
			1) मौखिक मंच कलाओं का प्रदर्शन / Demon. of Oral Perfor. Art	2,07,333.00	2,07,333.00
			IV. अन्य भुगतान OTHER PAYMENTS		
			प्रकाशन व्यय Publication Exps.	1,70,000.00	
			एफडीआर ब्याज पर टीडीएस TDS on FDR Interest	2,48,563.00	
			सहायता अनुदान पर ब्याज Interest on Grant in aid	2,18,760.00	
			डीसीआरजी नीधि DCRG Fund	1,45,35,886.00	
			एफडीआर / FDR	67,50,000.00	
			ईएमडी / EMD	18,000.00	
			कंप्यूटर अग्रिम Computer Advance	1,30,060.00	
			डीसीआरजी देय DCRG Payable	21,31,273.00	
					2,42,02,542.00
			V. स्थाई परिसम्पत्तियाँ EXPENDITURE ON FIXED ASSETS		
			एवं निर्माण कार्य की प्रगति पर व्यय / & CAPITAL WORK IN PROGRESS		
			A. स्थाई परिसम्पत्तियाँ / FIXED ASSETS		

				भवन / Building	7,97,419.00	
				ग्रंथालय पुस्तकें Library Books	28,572.00	
				कार्यालय उपकरण Office Equipments	26,000.00	
				स्थल का विकास Development of sites	3,94,172.00	
				फर्नीचर / Furniture	6,40,905.00	
				स्थल का विद्युतीकरण Electrification of site	1,08,703.00	
				फोटोग्राफी उपकरण Photography Equipment	1,00,000.00	
				प्रलेखन उपकरण Documentation Equipment	5,97,634.00	
				मृदभांण्डों पर मुक्ताकाश प्रदर्शनी Open Air Exhibition on Pottery	59,054.00	
				मूक्ताकाश प्रदर्शनी / Open Air Exhibition - Exhibits Gallery	3,41,980.00	
				पारंपरिक तकनीक मुक्ताकाश प्रदर्शनी / Open Air Exhibition - Traditional technology	3,45,292.00	
				तटीय गाँव मुक्ताकाश प्रदर्शनी / Open Air Exhibition - Coastal village	5,69,137.00	
				जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी / Open Air Exhibition - Tribal Habitat	6,44,160.00	46,53,028.00
				VI. अंतिम शेष 31.03.2022 को / CLOSING Balance as on 31.3.2022		
				बैंक में नगद / Cash at Bank		
				चालू खाते में एसबीआई के साथ शेष राशि (खाता संख्या. 10026515042) / Balance with	10303495.04	
				SBI in Current Account (A/c No.		
				10026515042)		
				एसबीआई में बचत खते में शेष राशि (खाता संख्या. 38538718383) / Balance with SBI in Saving Account (A/c No.	6109310.00	16412805.04
				38538718383)		
		19,36,54,856.63				**19,36,54,856.63**

उपरोक्त बकाया लेखा बही से साम्य रखता है। / The above balances are in agreement with the books of accounts.

कृते ए. के. सुराना एंड एशोसिएटस / **For A.K. Surana & Associates**
चार्टर्ड एकाउंटेंटस / **Chartered Accountants**

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के लिये
for Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya.

सही / sd/-
(विवेक सिंह राजपूत) / **(Vivek Singh Rajput)**
पार्टनर / Partner

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / **Accounts Officer**

सही / sd/-
निदेशक / **Director**

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal

1.04.2021 से 31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय का लेखा Income and Expenditure Account for the Period - 01/04/2021 to 31/03/2022

गत वर्ष Previous Year (Amt. in Rs.)	व्यय / Expenditure	लेखा पन्ना Sch.	चालू वर्ष Current Year (Amt. in Rs.)		गत वर्ष Previous Year (Amt. in Rs.)	आय / Income	लेखा पन्ना Sch.	चालू वर्ष Current Year (Amt. in Rs.)
12,45,97,592.00	स्थापना व्यय / TO ESTABLISHMENT EXPENSES	11	13,10,94,964.00		15,86,50,000.00	संस्कृति मंत्रालय से अनुदान प्राप्त / BY GRANTS RECEIVED (DEPT OF CULTURE)		17,29,10,000.00
2,56,44,120.55	प्रशासनिक व्यय / TO ADMINISTRATIVE EXPENSES	12	2,37,53,551.59		1,73,594.00	प्रकाशन / संग्रहालय दुकान से आय BY INCOME FROM PUBLICATION/ MUSEUM SHOP	6	4,39,427.00
32,28,755.00	संग्रहालय व्यय / TO MUSEUM EXPENSES	13	22,04,693.43		28,13,721.00	अन्य आय / BY OTHER INCOME	6A	15,43,581.00
20,13,351.00	ह्रास / TO DEPRECIATION	14	19,38,325.00		2,55,870.00	प्रकाशन के स्टॉक में (वृद्धि / कमी) BY (INCREASE/DECREASE) IN STOCK OF PUBLICATION	7	83,303.43
2,20,090.00	समय पर समायोजन TO PRIOR PERIOD ADJUSTMENT		2,79,798.00		(33,523.00)	संग्रहालय दुकान के स्टॉक में (वृद्धि / कमी)(मैसूर) BY INCREASE (DECREASE) IN STOCK MUSEUM SHOP (Mysore)	8	9,86,007.00
	आय पर व्यय का आधिक्य / TO EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE				(1,40,071.00)	स्टॉक में वृद्धि / कमी से BY INCREASE / DECREASE IN STOCK	9	60,918.00
79,55,435.45	तुलन पत्र में हस्तांतरित / TRANSFERRED TO BALANCE SHEET		1,92,36,636.41		19,39,753.00	अर्जित ब्याजसे / BY INTEREST EARNED	10	24,84,732.00
16,36,59,344.00	**कुल / Total**		**17,85,07,968.43**		**16,36,59,344.00**	**कुल / Total**		**17,85,07,968.43**

महत्वपूर्ण लेखा नीतियॉ, लेखा पर आकस्मिक दायित्व और लेखे पर टिप्पणियां / Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities and Note on Accounts 15

उपरोक्त बकाया लेखा बही से साम्य रखता है। / The above balances are in agreement with the books of accounts.

चार्टर्ड एकाउंटेंटस / **Chartered Accountants**
कृते ए. के. सुराना एंड एशोसिएटस / **For A.K. Surana & Associates**

सही / sd/-
(विवेक सिंह राजपूत) / **(Vivek Singh Rajput)**
पार्टनर / Partner

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के लिये
for Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya.

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / **Accounts Officer**

सही / sd/-
निदेशक / **Director**

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

31 / 03 / 2022 को तुलन पत्र

Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal

Balance Sheet as on 31/03/2022

दायित्व LIABILITIES	लेखा पन्ना SCH.	चालू वर्ष CURRENT YEAR (Amount in Rs.)	गत वर्ष PREVIOUS YEAR (Amount in Rs.)
पूँजी कोष / CAPITAL FUND	1	38,65,56,730.28	38,28,39,495.87
सुरक्षित निधि / RESERVE FUND	1A	51,46,098.00	41,62,582.00
निर्धारित कोष / EARMARKED FUNDS	2	2,12,662.00	2,12,662.00
वर्तमान दायित्व और प्रावधान / CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	3	13,63,95,260.34	11,51,47,609.34
योग / TOTAL		**52,83,10,750.62**	**50,23,62,349.21**
परिसम्पत्तियॉ / ASSETS	लेखा पन्ना SCH.	चालू वर्ष CURRENT YEAR (Amount in Rs.)	गत वर्ष PREVIOUS YEAR (Amount in Rs.)
स्थाई परिसम्पत्तियॉ / FIXED ASSETS			
योजना / **PLAN**	14(A)	28,45,80,907.72	28,18,66,204.72
गैर योजना / **NON PLAN**	14(B)	91,79,174.29	91,79,174.29
अन्य निवेश / INVESTMENT - OTHERS	4	7,36,81,785.24	5,91,45,899.24
वर्तमान परिसम्पत्तियॉ, ऋण तथा अग्रिम CURRENT ASSETS, LOAN & ADVANCES	5	16,08,68,883.37	15,21,71,070.96
योग / TOTAL		**52,83,10,750.62**	**50,23,62,349.21**

महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ, लेखा पर आकस्मिक दायित्व और लेखे पर टिप्पणियां 15
Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities and Notes on Accounts 15

उपरोक्त बकाया लेखा बही से साम्य रखता है।
The above balances are in agreement with the books of accounts.

कृते ए. के. सुराना एंड एशोसिएटस / For A.K. Surana & Associates
चार्टर्ड एकाउंटेंटस / Chartered Accountants

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के लिये
for Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya.

सही / sd/-
(विवेक सिंह राजपूत) / (Vivek Singh Rajput)
पार्टनर / Partner

लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

अनुसूची– 1 पूँजी कोष / SCHEDULE-1 (CAPITAL FUND)			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष / CURRENT YEAR	गत वर्ष / PREVIOUS YEAR
		राशि रूपये में / (Amt. in Rs.)	राशि रूपये में / (Amt. in Rs.)
प्रारंभिक शेष	**Opening Balance**	38,28,39,495.87	38,84,31,572.42
आय और व्यय लेखे में से कुल हस्तांतरित आय एवं व्यय का बकाया जोड़ें / (घटायें)	Add/(Deduct):-Balalnce of net income/(expenditure) transferred from the Income & Expenditure Accounts	1,92,36,636.41	79,55,435.45
वर्ष के अंत में बकाया	**Balance at the year end**	**40,20,76,132.28**	**39,63,87,007.87**
घटाएं: सुरक्षित कोष में हस्तांतरित की गई राशि	Less: Amount transferred to Reserve Fund	9,83,516.00	32,66,151.00
घटाएं: डीसीआरजी कोष में स्थानांतरित की गई राशि	Less: Amount transferred to DCRG Fund	1,45,35,886.00	1,02,81,361.00
	कुल / TOTAL	**38,65,56,730.28**	**38,28,39,495.87**

अनुसूची– 1ए सुरक्षित कोष / SCHEDULE-1A RESERVE FUND			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष / CURRENT YEAR	गत वर्ष / PREVIOUS YEAR
प्रारंभिक शेष	**Opening Balance**	41,62,582.00	8,96,431.00
जोड़नाः वर्ष के दौरान अभिवृद्धी	Add: Addition during the year	9,83,516.00	32,66,151.00
जमा शेष	**Closing Balance**	**51,46,098.00**	**41,62,582.00**

अनुसूची– 2 निर्धारित कोष / SCHEDULE - 2 EARMARKED FUND			
विवरण / PARTICULARS	कोषवार विवरण FUND WISE BREAK UP	कुल / TOTALS	
	यूनेस्को / UNESCO	चालू वर्ष / Current Year	गत वर्ष / Previous Year
A) प्रारंभिक बचत कोष / Opening Balance of the Funds	**2,12,662.00**	**2,12,662.00**	**2,12,662.00**
B) निधि / कोष में अभिवृद्धि / Addition to the Funds			
(i) अनुदान / दान / Grants/ Donation	-	-	
(ii) निधि के खाते में किये गये निवेश से आय / Income from Investment made on account of Fund			
(iii) अन्य अतिरिक्त / Other additions			
कुल / Total (A+B)	**2,12,662.00**	**2,12,662.00**	**2,12,662.00**
C) कोष के उद्देश्य की दिशा में व्यय / Utilisation / Expenditure towards objective of Funds			
i) पूंजीगत व्यय / Capital Expenditure	-	-	-
- अचल संपत्ति / -Fixed Assets	-	-	-
- अन्य / -Others	-	-	-
ii) राजस्व व्यय / Revenue Expenditure	-	-	-
- परियोजना पोषित गतिविधियों पर / -On Project Funded Activities	-	-	-
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते / -On Salary, Wages and Allowances	-	-	-
- किराया / -Rent	-	-	-
- अन्य प्रशासनिक व्यय / -Other Administrative Expenses	-	-	-
कुल / Total (C)	**0**	**0**	**0**
वर्ष के अंत में कुल शेष / NET BALANCE AS AT THE YEAR END (A+B-C)	**2,12,662.00**	**2,12,662.00**	2,12,662.00
आय एवं व्यय के उपयोग के बराबर हस्तांतरित राशि Amount Equivalent to Utilsation Transferred to Income & Expenditure Account	0	0	0

सही/sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही/sd/-
निदेशक / Director

अनुसूची–3 चालू दायित्व और प्रावधन / SCHEDULE-3 CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष / CURRENT YEAR	गत वर्ष / PREVIOUS YEAR
ए) चालू दायित्व	A) CURRENT LIABILITIES		
1) दायित्व	I) LIABILITIES		
जीवन बीमा / समूह बीमा	LIC/GIC/GIS	3,994.00	60.00
सा.भ.नि.	GPF	3,90,95,438.00	3,63,68,852.00
डीसीआरजी कोष	DCRG FUND	7,36,81,785.24	5,91,45,899.24
सीजीएसटी (टीडीएस)	CGST(TDS)	30,430.55	50,615.55
एसजीएसटी (टीडीएस)	SGST(TDS)	30,430.55	50,615.55
डीसीआरजी भुगतान योग्य	DCRG PAYABLE	2,71,716.00	24,02,989.00
इपीएफ भुगतान योग्य	EPF PAYABLE	11,75,400.00	11,82,600.00
अन्य देय	OTHER PAYABLES	120.00	2,620.00
व्यवसाय कर	PROFESSIONAL TAX	8,800.00	-
II) जमा	II) DEPOSIT		
धरोहर राशि जमा	EARNEST MONEY DEPOSIT	5,92,947.00	6,10,947.00
सुरक्षा जमा	SECURITY DEPOSIT	62,38,910.00	62,20,910.00
अन्य जमा	OTHER DEPOSIT	19,157.00	19,157.00
आधिक्य वसूली / संक्षिप्त भुगतान	EXCESS RECOVERY/SHORT PAYMENT	1,58,900.00	1,58,730.00
कुल	**TOTAL(A)**	**12,13,08,028.34**	**10,62,13,995.34**
बी) प्रावधान	B) PROVISIONS		
सा.भ.नि. ब्याज पर प्रावधान	PROVISION FOR GPF INTEREST	27,47,828.00	25,38,414.00
अवकाश नगदीकरण	LEAVE ENCASHMENT	39,00,000.00	10,00,000.00
लेखा परीक्षा शुल्क	AUDIT FEES	3,30,000.00	2,69,200.00
	EXPENSES	81,09,404.00	51,26,000.00
कुल (बी)	**TOTAL (B)**	**1,50,87,232.00**	**89,33,614.00**
कुल (ए+बी)	**TOTAL(A+B)**	**13,63,95,260.34**	**11,51,47,609.34**

अनुसूची– 4 अन्य निवेश / SCHEDULE - 4 INVESTMENT-OTHERS			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष / CURRENT YEAR	गत वर्ष / PREVIOUS YEAR
डीसीआरजी फन्ड एलआईसी	DCRG FUND (LIC)	7,36,81,785.24	5,91,45,899.24
कुल योग	**TOTAL**	**7,36,81,785.24**	**5,91,45,899.24**

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

अनुसूची –5 वर्तमान परिसम्पत्तियॉ, ऋण, अग्रिम / SCHEDULE - 5 CURRENT ASSETS,LOANS,ADVANCES

विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष / CURRENT YEAR	गत वर्ष / PREVIOUS YEAR
ए) वर्तमान परिसम्पत्तियॉ	**A) CURRENT ASSETS**		
बैंक में बकाया	**BANK BALANCE**		
एसबीआई में चालू खाते में शेष राशि (खाता संख्या 10026515042)	Balance with SBI in Current Account (A/c No.		
	10026515042)	1,03,03,495.04	1,48,58,719.06
एसबीआई में बचत खाते में शेष राशि (खाता संख्या 38538718383)	Balance with SBI in Saving Account (A/c No.		
	38538718383)	61,09,310.00	-
बैंक में सावधिक जमा	FIXED DEPOSITS WITH BANK	5,09,62,662.00	4,42,12,662.00
अंतिम स्टॉक	CLOSING STOCK	-	-
अ) संग्रहालय सामान (गैर योजना)	a)MUSEUM GOODS (NON PLAN)	2,86,765.00	2,25,847.00
ब) संग्रहालय प्रकाशन (योजना)	b)MUSEUM PUBLICATIONS (PLAN)	47,81,290.33	46,97,986.90
क) संग्रहालय सामान (योजना) (मैसूर)	c) MUSEUM GOODS (PLAN) (MYSORE)	9,95,585.00	9,578.00
सुरक्षा जमा	SECURITY DEPOSITS	2,000.00	2,000.00
एफडी.आर ब्याज पर टीडीएस	TDS ON FDR INTEREST	2,76,924.00	2,52,005.00
एफ.डी.आर. पर अभिवर्धित ब्याज	ACCURED INTEREST ON FDR	12,407.00	2,24,516.00
दूरभाष विभाग में जमा	DEPOSIT TELEPHONE DEPT.	1,63,247.00	1,63,247.00
अन्य जमा	OTHER DEPOSIT	7,000.00	7,000.00
म.प्र.वि.म. में सुरक्षा जमा	SECURITY DEPOSIT IN MPEB	6,23,500.00	6,72,219.00
कुल (अ)	**TOTAL (A)**	**7,45,24,185.37**	**6,53,25,779.96**
बी) ऋण एवं अग्रिम	**B) LOANS AND ADVANCES**		
चिकित्सा अग्रिम	MEDICAL ADVANCE	-	24,177.00
यात्रा अग्रिम (स्टाफ)	T.A. ADVANCE (STAFF)	-	46,668.00
स्कूटर अग्रिम	SCOOTER ADVANCE	7,190.00	7,190.00
निर्माण कार्य हेतु अग्रिम	ADV. FOR CIVIL WORK	16,09,300.00	16,09,300.00
अस्थाई अग्रिम (कार्यालयीन)	TEMP. ADVANCE (OFFICIAL)	-	5,500.00
निर्माण कार्य के लिये अग्रिम	ADVANCE FOR CIVIL WORK	8,12,28,384.00	8,12,28,384.00
मानवशास्त्रीय अग्रिम	ANTHROPOLOGICAL ADVANCE	95,830.00	95,830.00
कम्प्यूटर अग्रिम	COMPUTER ADVANCE	2,50,700.00	1,20,640.00
गृह निर्माण अग्रिम	HOUSE BUILDING ADVANCE	71,412.00	1,81,060.00
अस्थाई अग्रिम गैर कार्यालयीन	TEMPORARY ADVANCE NON OFFICIALS	29,49,882.00	32,50,747.00
कुल	**TOTAL(B)**	**8,62,12,698.00**	**8,65,69,496.00**
सी) पूर्व भुगतानित व्यय एवं उपार्जित आय **C) PREPAID EXPENSES& INCOME ACCRUED**			
उपार्जित ब्याज (एल एवं ए)	ACCRUED INTEREST (L&A)	1,32,000.00	2,75,795.00
कुल (सी)	**TOTAL (C)**	**1,32,000.00**	**2,75,795.00**
कुल (ए+बी+सी)	**TOTAL (A+B+C)**	**16,08,68,883.37**	**15,21,71,070.96**

अनुसूची –6 : प्रकाशन /संग्रहालय दुकान से आय / SCHEDULE - 6 INCOME FROM PUBLICATIONS / MUSEUM SHOP			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष / CURRENT YEAR	गत वर्ष / PREVIOUS YEAR
संग्रहालय दुकान से विकय (मैसूर)	SALE OF MUSEUM SHOP (MYSORE)	1,87,022.00	33,523.00
प्रकाशन से विकय	SALE OF PUBLICATION	-	-
संग्रहालय दुकान से विकय	SALE OF MUSEUM SHOP	2,52,405.00	1,40,071.00
कुल	**TOTAL**	**4,39,427.00**	**1,73,594.00**

अनुसूची –6 अ : अन्य आय / SCHEDULE - 6A OTHER INCOME			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष / CURRENT YEAR	गत वर्ष / PREVIOUS YEAR
अतिथि गृह से प्राप्ति	GUEST HOUSE RECEIPT	7,000.00	1,000.00
संग्रहालय प्रवेष शुल्क	MUSEUM ENTRY FEES	5,55,476.00	1,96,421.00
सूचना का अधिकार अधिनियम शुल्क	RIGHT TO INFORMATION ACT FEES	904.00	2,538.00
विविध प्राप्तियॉ	MISC. RECEIPTS	7,25,914.00	22,12,965.00
अनुज्ञा शुल्क	LICENCE FEE	85,071.00	94,545.00
पी जी डिप्लोमा कोर्स फीस	PG DIPLOMA COURSE FEES	84,500.00	2,77,600.00
म.प्र.वि.मं में सूरक्षा निधि पर ब्याज	INTEREST ON SECURITY DEPOSIT WITH MPEB	27,426.00	28,652.00
कार्यशाला की कलाकृतियों की बिक्री से आय	INCOME FROM SALE OF WORKSHOP ARTEFACTS	57,290.00	-
कुल	**TOTAL**	**15,43,581.00**	**28,13,721.00**

अनुसूची – 7 : प्रकाशन स्टॉक में वृद्धि / कमी / SCHEDULE - 7 INCREASE /DECREASE IN STOCK PUBLICATIONS			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष / CURRENT YEAR	गत वर्ष / PREVIOUS YEAR
संग्रहालय प्रकाशन	**MUSEUM PUBLICATIONS**		
अंतिम स्टॉक	CLOSING STOCK	47,81,290.33	46,97,986.90
घटाओ :– प्रारंभिक स्टाक	LESS :- OPENING STOCK	46,97,986.90	44,42,116.90
कुल वृद्धि / कमी	**NET INCREASE / (DECREASE)**	**83,303.43**	**2,55,870.00**

सही/sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही/sd/-
निदेशक / Director

अनुसूची– 8 : संग्रहालय दुकान (मैसूर) के स्टॉक में वृद्धि / कमी SCHEDULE-8 INCREASE /DECREASE IN STOCK MUSEUM SHOP (MYSORE)			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष / CURRENT YEAR	गत वर्ष / PREVIOUS YEAR
संग्रहालय प्रकाशन	**MUSEUM PUBLICATIONS**		
अंतिम स्टॉक	CLOSING STOCK	9,95,585.00	9,578.00
घटाओ :– प्रारंभिक स्टाक	LESS:- OPENING STOCK	9,578.00	43,101.00
कुल वृद्धि / कमी	**NET INCREASE (DECREASE)**	**9,86,007.00**	**(33,523.00)**

अनुसूची– 9: संग्रहालय दुकान (भोपाल) के स्टॉक में वृद्धि / कमी SCHEDULE - 09 : INCREASE /DECREASE IN STOCK.MUSEUM SHOPPE (BHOPAL)			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष / CURRENT YEAR	गत वर्ष / PREVIOUS YEAR
संग्रहालय सामग्री	**MUSEUM GOODS**		
अंतिम स्टॉक	CLOSING STOCK	2,86,765.00	2,25,847.00
घटाओ :– प्रारंभिक स्टाक	LESS:- OPENING STOCK	2,25,847.00	3,65,918.00
कुल वृद्धि / कमी	**NET INCRESE (DECREASE)**	**60,918.00**	**(1,40,071.00)**

अनुसूची– 10: अर्जित ब्याज / SCHEDULE - 10: INTEREST EARNED			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष / CURRENT YEAR	गत वर्ष / PREVIOUS YEAR
बैंक में एफ.डी.आर. पर ब्याज	INTEREST ON FDR	22,55,551.00	19,15,153.00
स्टाफ को ऋण / अग्रिम पर	ON LOANS / ADVANCE TO OFFICIALS	2,09,055.00	24,600.00
आयकर रिफंड पर ब्याज	INTEREST ON INCOME TAX REFUND	20,126.00	-
कुल	**TOTAL**	**24,84,732.00**	**19,39,753.00**

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक/Director

अनुसूची–11 स्थापना व्यय / SCHEDULE - 11 : ESTABLISHMENT EXPENSES			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष / CURRENT YEAR	गत वर्ष / PREVIOUS YEAR
वेतन	SALARIES	6,72,20,585.00	6,52,50,308.00
भत्ते	ALLOWANCES	1,40,12,860.00	85,81,376.00
स्टाफ सुविधाएँ	STAFF AMENITIES	2,57,887.00	2,15,060.00
वेतन (नई दिल्ली)	SALARY (NEW DELHI)	3,57,637.00	2,98,240.00
इपीएफ – नियोक्ता योगदान	EPF (Employers' Contribution)	15,46,307.00	17,18,602.00
मजदूरी	WAGES	1,13,23,063.00	1,78,04,712.00
मजदूरी(मैसूर)	WAGES (MYSORE)	3,40,394.00	1,73,198.00
अस्थाई ओहदा मजदूरी	TEMPORARY STATUS WAGES	2,51,13,173.00	2,10,88,855.00
पेंशन ग्रेच्युटी	PENSION / GRATUITY	65,22,883.00	58,82,009.00
स.भ.नि. पर ब्याज	INTEREST ON GPF	27,47,828.00	25,38,414.00
एन.पी.एस.	NPS	16,52,347.00	10,46,818.00
कुल	**TOTAL**	**13,10,94,964.00**	**12,45,97,592.00**

अनुसूची–12 प्रशासनिक व्यय / SCHEDULE - 12 :ADMISTRATIVE EXPENSES			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष / CURRENT YEAR	गत वर्ष / PREVIOUS YEAR
यात्रा व्यय (कार्यालयीन)	TRAVELLING EXPENSES (OFFICIAL)	4,15,178.00	13,59,391.00
यात्रा व्यय (गैर कार्यालयीन)	TRAVELLING EXPENSES (NON OFFICIAL)	61,737.00	1,19,177.00
व्यवसायिक एवं विशेष सेवाऐं	PROFESSIONAL & SPECIAL SERVICES	1,50,25,899.00	1,51,39,213.00
विद्युत प्रभार	ELECTRICITY CHARGES	49,65,193.00	49,84,250.00
जल प्रभार	WATER CHARGES	1,10,164.00	1,08,900.00
कार्यालयीन व्यय	OFFICE EXPENSES	12,33,547.00	13,39,763.00
डाक / दूरभाष व्यय	POSTAGE/TELEPHONE EXP.	3,71,230.00	7,33,563.00
स्टेशनरी एवं फार्म्स व्यय	STATIONARY & FORM EXPENSES	90,590.00	3,90,520.00
पेट्रोल, ऑयल, डीज़ल एवं ल्युब्रिकेन्ट्स	PETROL, OIL, DIESEL & LUBRICANT	2,07,330.00	1,05,594.00
वाहनों का रखरखाव	MAINTENANCE OF VEHICLES	1,02,170.00	1,09,296.00
आवागमन प्रभार	CONVEYANCE CHARGES	36,308.00	64,562.00
विधिक प्रभार	LEGAL CHARGES	1,61,415.00	3,465.00
बैठक व्यय	MEETING EXPENSES	NIL	19,670.00
बैंक प्रभार	BANK CHARGES	3,880.59	5,109.55
सहायता अनुदान पर ब्याज	INTEREST ON GRANT IN AID	2,18,760.00	-
अस्थाई कार्यालय नई दिल्ली	**TEMP.OFFICE NEW DELHI**		
कार्यालयीन व्यय (नई दिल्ली)	OFFICE EXPENSES (NEW DELHI)	-	6,934.00
डाक / दूरभाष व्यय	POSTAGE/TELEPHONE EXP.	9,847.00	10,922.00
क्षेत्रीय केंद्र, मैसूर	**REGIONAL CENTRE MYSORE**		
व्यवसायिक एंव विशेष सेवाऐं	PROFESSIONAL & SPECIAL SERVICES	6,21,857.00	10,50,783.00
विद्युत प्रभार	ELECTRICITY CHARGES	74,887.00	55,960.00
कार्यालयीन व्यय	OFFICE EXPENSES	14,534.00	14,541.00
डाक / दूरभाष व्यय	POSTAGE / TELEPHONE EXPENSES	24,487.00	22,507.00
स्टेशनरी एवं फार्म्स व्यय	STATIONERY & FORMS	4,538.00	
कुल	**TOTAL**	**2,37,53,551.59**	**2,56,44,120.55**

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

अनुसूची– 13 संग्रहालय व्यय (योजना) / SCHEDULE - 13 MUSEUM EXPENSES (PLAN)			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष / CURRENT YEAR	गत वर्ष / PREVIOUS YEAR
संगोष्ठी, कार्यशाला एवं व्याख्यान	SEMINAR,WORKSHOP & LECTURE	6,65,834.00	7,33,344.00
प्रदर्शनकारी कलाओं का प्रलेखन	DEMONSTRATION OF ORAL PERFORMING ART	2,07,333.00	3,43,690.00
अस्थाई प्रदर्शनी	TEMPORARY EXHIBITION	3,07,254.00	70,685.00
प्रलेखन व्यय	DOCUMENTATION EXEPENSES	2,46,573.00	73,371.00
टेगोर फेलोशिप व्यय	TAGORE FELLOWSHIP EXPENSES	3,00,000.00	8,33,290.00
टेगोर छात्रवृत्ति व्यय	TAGORE SCHOLARSHIP EXPENSES	-	3,09,789.00
ग्रंथालय व्यय	LIBRARY EXPENSES	22,825.00	34,889.00
संरक्षण / रसायन एवं अन्य व्यय	CONSERVATION CHEMICAL & OTHER EXPENSES	1,21,018.00	1,33,635.00
जन सुविधाएँ	PUBLIC FACILITIES	-	15,880.00
मिथक वीथि	MYTHOLOGICAL TRAIL	99,506.00	63,202.00
बागवानी व्यय	HORTICULTURE EXPENSES	65,411.00	8,740.00
छायांकन सामग्री व अन्य व्यय	PHOTOGRAPHY MATERIAL & OTHER EXPENSES	6,690.00	2,770.00
फिल्म का मूल्य एवं अन्य व्यय	COST OF FILM AND OTHER EXPENSES	44,413.00	66,307.00
अतिथि गृह	GUEST HOUSE EXPENSES	5,350.00	2,000.00
व्याख्या केंद्र, मणिपुर	INTERPRETATION CENTER MANIPUR	-	44,763.00
शैक्षणिक कार्यक्रम	EDUCATIONAL PROGRAMMES	-	9,439.00
पी.जी. डिप्लोमा कोर्स	P.G. DIPLOMA COURSE	26,875.00	2,19,282.00
सिरेमिक व्यय	CERAMIC EXPENSES	-	6,560.00
प्रतिरूपण	MODLLING EXPENSES	2,308.00	1,249.00
प्रकाशन व्यय	PUBLICATION EXPENSES	83,303.43	2,55,870.00
कुल	**TOTAL**	**22,04,693.43**	**32,28,755.00**

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

अनसूची 14 (क) (स्थाई परिसम्पत्तियॉ) योजना / SCHEDULE :-14(A) (FIXED ASSETS) PLAN

विवरण / PERTICULARS	सकल रोक / GROSS BLOCK					ह्रास / DEPRECIATION				शुध्द रोक / NET BLOCK		
	वर्ष के शुरू में मूल्य Cost as at beginning of the year (01/04/2021)	वर्ष के दौरान अभिवृद्धि Additions during theyear (2021-2022)		वर्ष के दौरान कमी Deduction during year	वर्ष के अन्त में मूल्य Cost at the end-year (31/03/2022)	वर्ष के शुरू में Beginning of the year	वर्ष के दौरान बढ़ोतरी Addition during the year	वर्ष के दौरान कमी Deduction during year	वर्ष (31/03/2021) तक हुआ Total up to the year (31/03/2022)	चालू वर्ष में (31/03/2021) As at the current year (31/03/2022)	गत वर्ष में (31/03/2020) As at the previous year (31/03/2021)	दर पर ह्रास * Rate of * Dep.
		को या पहले On or Befour 30/09/2021	के बाद After 30/09/2021									
भूमि **LAND**												
A- भूमि का विकास DEVELOPMENT OF LAND	85,13,334.00	-			85,13,334.00					85,13,334.00	85,13,334.00	
B- स्थल का विकास SITE DEVELOPMENT	2,82,28,675.00	20,668.00	3,73,504.00		2,86,22,847.00					2,86,22,847.00	2,82,28,675.00	
BUILDING भवन												
A-BUILDING क–भवन	13,78,49,218.00	3,17,812.00	4,79,607.00		13,86,46,637.00	13,36,45,509.13	4,76,132.00		13,41,21,641.13	45,24,995.87	42,03,708.87	10%
संयंत्र, मशीनरी व उपकरण **PLANT,MACHINERY & EQUIP.**												
– उपकरण A- TOOLS	2,20,884.00	-			2,20,884.00	1,84,614.00	5,441.00		1,90,055.00	30,829.00	36,270.00	15%
– प्रतिरूपण उपकरण B- MODELING EQUIPMENT	2,52,558.00	-	-		2,52,558.00	2,44,334.00	1,159.00		2,45,993.00	6,565.00	7,724.00	15%
– छायांकन उपकरण C- PHOTOGRAPHY EQUIP.	36,92,585.00	-	-		36,92,585.00	36,45,667.00	7,038.00		36,52,705.00	39,880.00	46,918.00	15%
– प्रयोगशाला उपकरण D- LAB EQUIPMENT	42,457.00	-			42,457.00	42,457.00	-		42,457.00	-	-	15%
– सिने वीडियो उपकरण E- CINE-VIDEO EQUIPMENT	2,25,23,244.95	-	1,00,000.00		2,26,23,244.95	2,13,42,245.54	1,84,650.00		2,15,26,896.54	10,96,348.42	11,80,998.42	15%
ग्रंथालय उपकरण F- LIBRARY EQUIPMENT	2,58,316.00	-			2,58,316.00	258,316.00	-		2,58,316.00	-	-	15%
G- प्रलेखन सामग्री DOCUMENTATION EQUIPMENT	1,65,86,435.00	9,930.00	5,87,704.00		1,71,84,069.00	1,35,43,130.35	5,02,063.00		1,40,45,193.35	31,38,875.65	30,43,304.65	15%
H - अंतरंग प्रदर्शनी सामग्री INDOOR EXHIBITION EQUIPMENT	69,04,641.00	-			69,04,641.00	68,95,549.58	1,364.00		68,96,913.58	7,727.42	9,091.42	15%
I -बागवानी उपकरण HORTICULTURE EQUIPMENT	3,31,397.00	-			3,31,397.00	2,69,559.95	9,276.00		2,78,835.95	52,561.05	61,837.05	15%
– सिरेमिक उपकरण J- CERAMIC EQUIPMENT	35,100.00	-			35,100.00	32,784.05	347.00		33,131.05	1,968.95	2,315.95	15%
क – छायांकन उपकरण (दक्षेके) मैसूर K- PHOTOGRAPHY EQUIP.(SRC) MYSORE_	23,950.00	-			23,950.00	14,121.31	1,474.00		15,595.31	8,354.69	9,828.69	15%
वाहन **VEHICLES**												
क – मोटर वाहन A- MOTOR VEHICLE	31,85,313.00	-			31,85,313.00	22,79,653.99	1,35,849.00		24,15,502.99	7,69,810.01	9,05,659.01	15%
फर्नीचर व फिक्सचर **FURNITURE & FIXTURE**												
क – फर्नीचर A-FURNITURE	77,91,790.00	-	6,400,905.13		84,32,695.00	70,83,923.86	1,02,832.00		71,86,755.86	12,45,939.15	7,07,866.15	10%
ख – फर्नीचर नई दिल्ली B-FURNITURE (New Delhi Off.)	1,71,963.70	-			1,71,963.70	1,71,963.70	-		1,71,963.70	-	-	10%
कार्यालय उपकरण **OFFICE EQUIPMENT**												
क – कार्यालय उपकरण A-OFFICE EQUIPMENT	1,37,88,176.00	-	26,000.00		1,38,14,176.00	1,24,88,114.75	1,96,959.00		1,26,85,073.75	11,29,102.25	13,00,061.25	15%
ख – कार्यालय उपकरण (नई दिल्ली) B- OFFICE EQUIPMENT (New Delhi)	2,54,112.00	-			2,54,112.00	2,54,112.00	-		2,54,112.00	-	-	15%
ग – कार्यालय उपकरण (दक्षेके) मैसूर C- OFFICE EQUIPMENT (SRC) MYSORE_	63,138.00	-	-		63,138.00	39,107.87	3,605.00		42,712.87	20,425.13	24,030.13	15%

कम्प्युटर / पेरीफेरल्स **COMPUTER / PERIPHERALS**	1,56,85,542.70	-			1,56,85,542.70	1,56,85,542.70	-		1,56,85,542.70	-	-	
साइड का विद्युतीकरण **ELECTRIFICATION OF SITE**	1,47,40,679.00	31,676.00	77,027.00		1,48,49,382.00	1,27,43,296.03	3,10,136.00		1,30,53,432.03	17,95,949.97	19,97,382.97	15%
ग्रंथालय पुस्तकें **LIABRARY BOOKS**												
क – ग्रंथालय पुस्तकें A- LIBRARY BOOKS	1,38,46,651.46	28,572.00	-		1,38,75,223.46	-			-	1,38,75,223.46	1,38,46,651.46	
ख – ग्रंथालय पत्रिकाएँ B- LIBRARY JOURNALS	1,67,29,731.51	-	-		1,67,29,731.51	-			-	1,67,29,731.51	1,67,29,731.51	
ग – जनजातीय साहित्य C- TRIBAL LITERATURE	21,975.00	-			21,975.00	-			-	21,975.00	21,975.00	
पानी की टंकी **WATER TANK**	17,47,564.00				17,47,564.00	-			-	17,47,564.00	17,47,564.00	
अन्य स्थाई परिसम्पत्तियाँ **OTHER FIXED ASSETS**												
क – डैड स्टाक A - DEAD STOCK												
ख – प्रादर्श B - SPECIMEN	98,27,473.00				98,27,473.00	-			-	98,27,473.00	98,27,473.00	
ग – पारदर्शियाँ C- SLIDES	7,61,202.00				7,61,202.00	-			-	7,61,202.00	7,61,202.00	
घ – अंतरंग प्रदर्शनी D - INDOOR EXHIBITION	2,61,31,157.00				2,61,31,157.00	-			-	2,61,31,157.00	2,61,31,157.00	
च – मुक्ताकाश प्रदर्शनी E - OPEN AIR EXHIBITION	19,04,172.00				19,04,172.00	-			-	19,04,172.00	19,04,172.00	
1 - जनजातीय आवास TRIBAL HABITAT	6,10,12,380.90	87,525.00	5,56,635.00		6,16,56,540.90	-			-	6,16,56,540.90	6,10,12,380.90	
2 - तटीय गॉव COASTAL VILLAGE	1,46,33,457.90	3,63,881.00	2,05,256,.00		1,52,02,594.90	-			-	1,52,02,594.90	1,46,33,457.90	
3 - शैल कला ROCK ART	60,58,219.45				60,58,219.45	-			-	60,58,219.45	60,58,219.45	
4 - हिमालयीन गॉव HIMALAYAN VILLAGE	19,09,668.00				19,09,668.00	-			-	19,09,668.00	19,09,668.00	
5 – मरू गॉव DESERT VILLAGE	16,93,855.00		-		16,93,855.00	-			-	16,93,855.00	16,93,855.00	
6 – नदी घाटी RIVER VALLEY	40,18,828.00	-			40,18,828.00	-			-	40,18,828.00	40,18,828.00	
7 - मैसूर MYSORE	21,18,338.00				21,18,338.00	-			-	21,18,338.00	21,18,338.00	
8 – पारम्परिक तकनीक TRADITIONAL TECHNOLOGY	33,05,210.00	58,398.00	2,86,894.00		36,50,502.00	-			-	36,50,502.00	33,05,210.00	
9 – प्रादर्श (दीर्घा) EXHIBITS (GALLERY)	93,47,677.00	13,132.00	3,28,848.00		96,89,657.00	-			-	96,89,657.00	93,47,677.00	
10 – पॉटरी ट्रेल POTTERY TRAIL	51,93,735.95	40,793.00	18,261.00		52.52,789.95					52.52,789.95	51,93,735.95	
छ – ओपरेशन साल्वेज F - OPERARION SALVAGE ***	58,42,539.00				58,42,539.00	-			-	58,42,539.00	58,42,539.00	
ज – मिथक वीथि G - MYHOLOGICAL TRAIL	3,84,457.00		-		3,84,457.00					3,84,457.00	3,84,457.00	
त– थीमेटिक प्रादर्श H-THEMATIC SPECIMEN	3,65,03,318.00	-			3,65,03,318.00	-			-	3,65,03,318.00	3,65,03,318.00	
द–मानवशास्त्रीय फिल्म I- ANTHROPOLOGICAL FILM	12,64,132.00				12,64,132.00	-			-	12,64,132.00	12,64,132.00	
ल–घुमंतु प्रदर्शनियाँ J- TRAVILLING EXHIBITIONS	73,31,457.00				73,31,457.00	-			-	73,31,457.00	73,31,457.00	
योग चालू वर्ष **TOTAL OF CURRENT YEAR**	**51,27,30,708.52**	**9,72,387.00**	**36,80,641.00**		**51,73,83,736.52**	**23,08,64,503.80**	**19,38,325.00**		**23,28,02,828.80**	**28,45,80,907.72**	**28,18,66,204.72**	

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

अनुसूची – 14 ख स्थाई परिसम्पत्तियाँ गैर योजना / SCHEDULE :-14 (B) (FIXED ASSETS) NON PLAN

विवरण PERTICULARS	सकल रोक / GROSS BLOCK				हास / DEPRECIATION				शुद्ध रोक / NET BLOCK		
	वर्ष के शुरू में मूल्य Cost as at beginning of the year (01/04/2021)	वर्ष के दौरान अभिवृद्धि Additions during the year (2021-2022)		वर्ष के दौरान कमी Deduction during year	वर्ष के अन्त में मूल्य Cost at the end-year (31-03-2022)	वर्ष के शुरू में Beginning of the year	वर्ष के दौरान बढ़ोतरी Addition during the year	वर्ष के दौरान कमी Deduction during year	वर्ष (31/03/2021) तक हुआ Total up to the year (31/03/2022)	चालू वर्ष में (31/03/2022) As at the current year (31/03/2022)	गत वर्ष में (31/03/2021) As at the previous year (31/03/2021)	दर पर हास * Rate of * Dep.
स्थाई परिसम्पत्तियाँ FIXED ASSETS												
भूमि LAND									-			
क – भूमि A- LAND	8,35,717.00				8,35,717.00				-	8,35,717.00	8,35,717.00	
ख – भूमि का विकास B- DEVELOPMENT OF LAND	28,50,920.97				28,50,920.97				-	28,50,920.97	28,50,920.97	
भवन BUILDING												
क – भवन A- BUILDING	57,38,434.00				57,38,434.00	57,38,434.00	-		57,38,434.00	-	-	10%
संयंत्र, मशीनरी और उपकरण PLANT,MACHINERY & EQUIP.												
क – औजार A- TOOLS	2,322.97				2,322.97	2,322.97	-		2,322.97			15%
ख –फील्ड उपकरण B- FIELD EQUIPMENT	23,876.65				23,876.65	23,876.65	-		23,876.65			15%
ग–प्रतिरूपण उपकरण C- MODELING EQUIPMENT	36,307.55				36,307.55	36,307.55	-		36,307.55			15%
घ छायांकन उपकरण D- PHOTOGRAPHY EQUIP.	4,06,393.29				4,06,393.29	4,06,393.29			4,06,393.29			15%
ड–प्रयोगशाला उपकरण E- LAB EQUIPMENT	1,34,927.80				1,34,927.80	1,34,927.80	-		1,34,927.80			15%
च–सिने,ध्वनि उपकरण F- CINE,SOUND EQUIPMENT	24,41,452.00				24,41,452.00	24,41,452.00			24,41,452.00			15%
ज–ग्रंथालय उपकरण G- LIBRARY EQUIPMENT												15%
वाहन VEHICLES												
क – मोटर वाहन A- MOTOR VEHICLE	7,49,875.27				7,49,875.27	7,49,875.27	-		7,49,875.27			
फर्नीचर व फिक्चर FURNITURE & FIXTURE												
क – फर्नीचर A - FURNITURE	12,90,869.39				12,90,869.39	12,90,869.39	-		12,90,869.39			10%
कार्यालय उपकरण OFFICE EQUIPMENT												
क – कार्यालय उपकरण A -OFFICE EQUIPMENT	27,43,648.89				27,43,648.89	27,43,648.89	-		27,43,648.89	-	-	15%
स्थल विकास SITE DEVELOPMENT	17,65,553.00				17,65,553.00	-	-		-	17,65,553.00	17,65,553.00	
कम्प्यूटर पेरीफेरल्स COMPUTER / PERIPHERALS	19,50,828.00				19,50,828.00	19,50,828.00	-		19,50,828.00			60%
ग्रंथालय पुस्तकें LIABRARY BOOKS												
क – ग्रंथालय पुस्तक A- LIBRARY BOOKS	18,33,277.39				18,33,277.39	-			-	18,33,277.39	18,33,277.39	
ख – ग्रंथालय पत्रिकाएँ B- LIBRARY JOURNALS	3,62,176.45				3,62,176.45	-			-	3,62,176.45	3,62,176.45	
अन्य स्थाई परिसम्पत्तियाँ OTHER FIXED ASSETS												
क – डेड स्टॉक A - DEAD STOCK	26,329.24				26,329.24					26,329.24	26,329.24	
ख – प्रादर्श B - SPECIMEN	2,90,619.70				2,90,619.70	-			-	2,90,619.70	2,90,619.70	
ग – पारदर्शियाँ C - SLIDES												
घ – अंतरंग प्रदर्शनियाँ D - INDOOR EXHIBITIONS	1,30,765.00				1,30,765.00	-			-	1,30,765.00	1,30,765.00	
च – मुक्ताकाश प्रदर्शनियाँ E - OPEN AIR EXHIBITIONS	-				-	-			-	-	-	
F - जनजातीय आवास TRIBAL HABITAT	5,50,002.25				5,50,002.25	-			-	5,50,002.25	5,50,002.25	
छ – ओपरेशन साल्वेज G - OPERATION SALVAGE	5,33,813.29				5,33,813.29	-			-	5,33,813.29	5,33,813.29	
योग चालू वर्ष TOTAL CURRENT YEAR	**2,46,98,110.10**		**-**	**-**	**2,46,98,110.10**	**1,55,18,935.81**	**-**		**1,55,18,935.81**	**91,79,174.29**	**91,79,174.29**	

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

अनुसूचिः 15: महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

SCHEDULE 15: SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. **लेखा नीतियाँ**: वित्तीय कथन ऐतिहासिक मूल्य रीतियों तथा लेखा की उपार्जित विधि के आधार पर तैयार किये जाते है जब तक कि उल्लेखित न किये जायें।
ACCOUNT CONVENTION: The financial statements have been prepared under the historical cost convention unless otherwise stated and on the accrued method of accounting.

2. **सूची मूल्यांकनः** भंडार कीमत पर मूल्यांकित किये जाते है।
INVERTORY VALUATION: Stores are valued at cost.

3. **निवेशः** निवेश फेस वेल्यू पर किये जाते है।
INVESTMENT: Investments are carried at face value.

4. **नियत परिसम्पत्तिः** नियत परिसम्पत्तियाँ अधिग्रहण के मूल्य, जिसमें अधिग्रहण से संबंधित आंतरिक फ्रेट, शुल्कों तथा करों और आकस्मिक तथा सीधे व्यय शामिल हैं, पर दर्शायी जाती है।
FIXED ASSETS: Fixed Assets are stated at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses related to acquisition.

5. **ह्रासः** ह्रास, आयकर अधिनियम 1961 में बतायी गयी दर अनुसार मूल्यह्रास लिखित मूल्य पर दिया जाता है।

DEPRECIATION: Depreciation is provided on written down value as per rate specified in the Income Tax Act 1961.

6. **शासकीय अनुदानः** शासकीय अनुदान लेखा वास्तविक आधार पर किये जाते है।
GOVERNMENT GRANTS: Government grants are accounted on realization basis.

7. कार्यशाला के दौरान कलाकारों से प्राप्त कलाकृतियों और अन्य कलात्मक उत्पादों की बिक्री के प्राप्तियों को 'कार्यशाला की कलाकृतियों की बिक्री से होने वाली आय' के तहत आय के रूप में मान्यता दी गई है।
Receipt against sale of artifacts and other artistic products received from artists during workshop have been recognized as income under the head 'INCOME FROM SALE OF WORKSHOP ARTEFACTS'

वर्ष के अंत में ऐसी वस्तुओं का स्टॉक शून्य लागत पर ले जाया गया है।
The stock of such items at the end of the year have been carried at NIL cost.

सही / sd/- सही / sd/-

लेखा अधिकारी / Accounts Officer **निदेशक / Director**

अनुसूचिः 16: आकस्मिक लेखा, दायित्व एवं लेखे पर टीप्पणियां

SCHEDULE 16: CONTINGENT ACCOUNTS, LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS

1. **वर्तमान परिसम्पत्ति, ऋण तथा अग्रिमः** प्रबंधन के मत में, वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण तथा अग्रिम का वास्तविकता में एक मूल्य हैं जो कि सामान्य प्रकिया में कम से कम तुलन–पत्र में दर्शायी गयी कुल राशि के बराबर है।
CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES: In the opinion of the management, the current assets loans and advances have a value on realization in the ordinary course equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

2. **कराधानः** क्योंकि इं.गां.रा.मा.सं. की आय आयकर के दायित्व में नहीं है इसलिये आयकर हेतु कोई प्रावधान आवश्यक नहीं माना गया।
TAXATION: As the Income of IGRMS is not liable to Income Tax, no provision of Income Tax has been considered necessary.

3. अनुसूची 1 से 16 तक 31.3.2022 को तुलन–पत्र का तथा इस तिथि को समाप्त हुये वर्ष के आय एवं व्यय लेखे का एक आवश्यक अंग है तथा संलग्न किये गये है।
Schedule 1 to 16 are annexed to and form an integral part of the Balance Sheet as at 31.3.2022 and the Income and expenditure account for the year ended on that date.

सही / sd/- सही / sd/-

लेखा अधिकारी / Accounts Officer **निदेशक / Director**

लेखे पर टिप्पणियां
NOTES ON ACCOUNTS

1. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के वित्तीय कथन (तुलन पत्र तथा आय एवं व्यय लेखे) सुझाये अनुसार प्रारूप में तैयार किये गये हैं या यथा संभव उसके निकट हैं।
The financial statements of IGRMS (Balance Sheet and Income & Expenditure Accounts) have been prepared in the form suggested or as near thereto as possible.

2. तुलन पत्र तथा आय एवं व्यय लेखों को तैयार करने में अपनायी गयी सभी महत्वपूर्ण लेखा नीतियों पर एक कथन वित्तीय कथनों में सम्मिलित किया गया है।
A statement of all significant accounting policies adopted in the preparation of the Balance sheet and the Income and Expenditure accounts has been included in the financial statements.

3. आदान प्रदान एवं घटनाओं के तुलन–पत्र तथा आय एवं व्यय लेखे में देखे गये तथा प्रस्तुत किये गये लेखे अपने तत्वानुसार संचालित किये गये हैं न कि केवल वैध पत्रक के आधार पर।
The accounting treatment and presentation in the Balance sheet and the Income & Expenditure account of transactions and events have been governed by their substance and not merely by the legal form.

4. कुल संचालित परिणाम द्वारा बढ़े / घटे पूंजीगत कोष को आय एवं व्यय लेखा में दर्शाया गया है।
Capital fund as increased/ decreased by the net operating results is shown in the Income and Expenditure account.

5. पूंजीगत कोष के शुरूआती शेष, जोडी गयी राशि, घटायी गयी राशि तथा अंतिम शेष को पूंजीगत कोष में दर्शाया गया है।
The opening Balance, Additions, Deductions and the closing Balance of capital fund have been shown under capital fund.

6. गतवर्ष के आंकड़ों का जहां भी आवश्यकता है वहां पुनर आकलन, पुनर्समूहन, पुनर्व्यवस्थापन तथा पुनर्वर्गीकरण किया गया।
The Previous year's figures have been reworked, regrouped, rearranged and reclassified wherever necessary.

7. कैंटीन लेखा (प्राप्तियां और भुगतान लेखा, आय एवं व्यय लेखा, तुलनपत्र) अलग से तैयार किया जा रहा है।
The Canteen accounts (Receipts & Payment account, Income & Expenditure account, Balance sheet) are being prepared separately.

8. भूमि की वास्तविक कीमत को तुलन पत्र में नहीं दर्शाया गया है चूंकि भूमि मध्यप्रदेश शासन द्वारा संग्रहालय को नाममात्र मूल्य पर आवंटित की गयी थी और इस प्रकार तुलन पत्र में परिलक्षित भूमि के लिए राशि उसका बाजार मूल्य / वास्तविक मूल्य नहीं है।
The Cost of the land has not been shown in the Balance sheet, because the Madhya Pradesh Government has allotted the land to IGRMS at a nominal cost and hence the amount towards Land reflected in Balance Sheet is not to the Market value/actual cost.

9. वित्तीय वर्ष 2007–08 से प्राप्त संग्रहालय शुल्क, लाइसेन्स शुल्क, और अन्य विविध प्राप्तियां को आरक्षित फंड में लांभाकित किया गया। वर्ष के दौरान एकत्रित की गयी राशि रू. 9,83,516/- को फंड में स्थानांतरित किया गया। 31.03.2022 को आरक्षित निधि की कुल राशि 51,46,098/- रुपये है।

From the financial year 2007-08 amount received as Museum fees, License fees, and other miscellaneous receipts are credited to Reserved Fund. During the year an aggregate amount of Rs. 9,83,516/- has been transferred to the Fund. The total amount of Reserve fund Rs.51,46,098/- as on 31.3.2022.

10. वर्ष के दौरान राशि रू. 24,67,660/- एफडीआर ब्याज से प्राप्त हुई है वर्ष 2021–22 के लिए इसी राशि से रू. 20,24,384/- को जीपीएफ ब्याज के प्रावधान हेतु रखा गया है।
During the year an amount of Rs.24,67,660/- has received towards FDR Interest, out of which an amount of Rs. 20,24,384/- has been kept as provision for GPF Interest for the year 2021-22.

11. अधिकारियों को दिए गए ऋणों और अग्रिमों पर उपार्जित ब्याज रू,132,000/– माना गया है।
The Accrued Interest on Loans & Advances paid to Officials has recognized Rs.132,000/-

12. डीसीआरजी स्कीम में जमा की गयी राशि को दायित्व की दिशा में डीसीआरजी कोष में अलग से दर्शाया गया है।
Amount deposited under DCRG scheme has been separately shown as DCRG Fund in the Liability side.

13. प्रदर्शनी, प्रादर्श एवं संदर्भ पुस्तकों पर ह्रास नहीं लगाया गया है क्योंकि ये सामग्रियॉ इथनोग्राफिक महत्व की हैं।
The depreciation not charged for Exhibition, Specimen and Reference book, because these items are having ethnographic values.

14. 31.3.2022 तक एफ.डी. आर. रू. 509,62,662/- है।
The FDR as on 31.3.2022 is Rs.509,62,662/-.

15. एसबीआई के ब्याज प्रमाण पत्र के अनुसार वितीय वर्ष 2021–22 के लिए सावधि जमा पर ब्याज 24,41,880 रूपये था। हालंकि, पिछले वर्षो के दौरान, रूपये 1,86,329 का अतिरिक्त अर्जित ब्याज दर्ज किया था, जिसे चालू बर्ष की ब्याज आय से समायोजित किया गया है।
Interest on Fixed deposits for the Financial year 2021-22 as per interest certificate of SBI was Rs. 24,41,880. However, during the previous years, excess accrued interest of Rs. 1,86,329 was recorded which has been adjusted from the current year interest income.

16. विविध अनुसूची – 6ए के तहत अन्य आय रूपये 7,25,914 में वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी शुल्क, भर्ती के लिए आवेदन शुल्क वाकिग शुल्क, करो और सीखो कार्यक्रम आदि से संबंधित आय शामिल है।
Misc. income of Rs. 7,25,914 under SCHEDULE - 6A OTHER INCOME includes income related to Videography/photography charges, application fee for recruitment, walking charges, Do & Learn programme etc.

17. अनुसूची 4 'निवेश' डीसीआरजी फंड के अनुसार, एलआईसी के साथ खातों की पुस्तकों के आनुसार निवेश की कुल राशि 7,36,81,785 रूपये है। हालांकि, एलआईसी से 31/03/2022 को प्राप्त निधि में शेष राशि के प्रमाण पत्र के अनुसार, शेष राशि 6,82,48,650 रूपये है जिसके परिणामस्वरूप 54,32,135 रूपये का अंतर है जिसका मिलान प्रकियाधीन है।
As per schedule 4 "Investments" (DCRG FUND), total amount of investment with LIC as per books of accounts is Rs. 7,36,81,785. However, as per certificate of balance in fund as on 31/03/2022 received from LIC, the balance amount is Rs. 6,82,49,650 resulting into difference of Rs 54,32,135. The reconciliation of the same is under process.

सही/sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही/sd/-
निदेशक / Director

07

अनुलग्नक

Annexures

राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति के सदस्य
Members of Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti

पदेन सदस्य

प्रभारी मंत्री, अध्यक्ष (पदेन)
संस्कृति मंत्रालय,
भारत सरकार,
नई दिल्ली – **110001**

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उपाध्यक्ष (पदेन)
संग्रहालय और सांस्कृतिक स्थलों का विकास,
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार,
नई दिल्ली – **110001**
**दि. 6.12.2021 से सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार– उपाध्यक्ष पदेन नामित*

संयुक्त सचिव, या उनके नामिति सदस्य
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, (पदेन)
नई दिल्ली–**110 001**

वित्तीय सलाहकार, या उनके नामिति सदस्य
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, (पदेन)
नई दिल्ली–**110 001**

सचिव, या उनके नामिति सदस्य
गृह मंत्रालय, भारत सरकार, (पदेन)
नई दिल्ली–**110 001**

निदेशक, सदस्य (पदेन)
भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण,
27, जवाहरलाल नेहरू रोड,
कोलकाता–**700 016**

मुख्य सचिव, या उनके नामिति सदस्य (पदेन)
म.प्र. शासन,
मंत्रालय, भोपाल

Ex-officio members

Minister in Charge, President (ex-officio)
Ministry of Culture,
Govt. of India,
New Delhi –110001

Vice-President
Chief Executive Officer (CEO), (ex-officio)
Development of Museums and Cultural Spaces
(DMCS), Ministry of Culture, Govt. of India,
New Delhi –110001
**w.e.f. 6.12.2021, Secretary (Culture), GoI has been nominated as Vice-President (Ex-officio)*

Member
Joint Secretary,or his nominee (ex-officio)
Ministry of Culture, Govt. of India,
New Delhi –110001

Member
Financial Adviser, or his nominee (ex-officio)
Ministry of Culture, Government of India,
New Delhi –110001

Secretary, or his nominee Member(ex-officio)
Ministry of Home Affairs,
Govt. of India, New Delhi –110001

Director, Member (ex-officio)
Anthropological Survey of India,
27, Jawaharlal Nehru Road,
Kolkata-700016

Member
Chief Secretary,or his nominee (ex-officio)
Govt. of Madhya Pradesh,
Mantralaya, Bhopal

नामित सदस्य

डॉ. प्रो. विजय शंकर सहाय, सदस्य
पूर्व विभागाध्यक्ष,
मानव विज्ञान विभाग,
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रो. शुभो रॉय, सदस्य
मानव विज्ञान विभाग
कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता 700019

प्रो. ए. पापा राव (सेवानिवृत्त), सदस्य
मानव विज्ञान विभाग
श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरूपति

प्रो. जिबन के. सिंह, सदस्य
मानव विज्ञान विभाग
मणीपुर विश्वविद्यालय

डॉ. शैलेन्द्र कुमार मिश्रा, सदस्य
सहायक प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

डॉ. आनंद मूर्ति मिश्रा, सदस्य
सहायक प्रोफेसर, एस.ओ.एस.
मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययन शाला
बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. के. के. चक्रवर्ती, सदस्य
पूर्व उपाध्यक्ष, डी.आई.एच.आर.एम.
न्यू टाउन, राजरहट, कोलकाता

प्रो. सरित कुमार चौधुरी, सदस्य
मानव विज्ञान विभाग,
राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर

निदेशक सदस्य सचिव
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय,
शामला हिल्स, भोपाल-462002

Nominated members

Dr. Prof. Vijay Shankar Sahay, Member
Ex. Head, Department of Anthropology,
University of Allahabad, Prayagraj

Prof. Subho Roy, Member
Department of Anthropology,
University of Calcutta, 25, Ballygunge Circular Road, Kolkata 700019

Prof. A. Papa Rao, Member
Professor (Retd),
Department of Anthropology, S.V. University, Tirupati

Prof. Jibon K. Singh, Member
Professor, Department of Anthropology,
Manipur University

Dr. Shailender Kumar Mishra, Member
Asstt. Professor, Department of Anthropology,
University of Allahabad, Prayagraj

Dr. Anand Murti Mishra, Member
Asstt. Professor, SOS Anthropology & Tribal Studies, Baster University, Jagdalpur, Dist. Bastar, Chhattisgarh

Dr. K.K. Chakravarty, Member
Former Vice Chairman, DIHRM,
New Town Rajarhatt, Kolkata

Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Member
Department of Anthropology,
Rajiv Gandhi University, Itanagar

Director, Member Secretary
Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya,
Shamla Hills, Bhopal-462002

राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति की कार्यकारी परिषद के सदस्य
Members of the Executive Council of Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti

पदेन सदस्य

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अध्यक्ष(पदेन)
संग्रहालय और सांस्कृतिक स्थलों का विकास,
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
**दि. 6.12.2021 से सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार– अध्यक्ष पदेन नामित*

संयुक्त सचिव, उपाध्यक्ष (पदेन)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली–110 001

निदेशक, सदस्य(पदेन)
भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण,
27, जवाहरलाल नेहरू रोड कोलकता–700 016

वित्तीय सलाहकार या उनके नामिति, सदस्य(पदेन)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली–110 001

महानिदेशक या उनके नामिति, सदस्य(पदेन)
भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण, 27, जवाहरलाल नेहरू रोड
कोलकता–700 016

महानिदेशक या उनके नामिति, सदस्य(पदेन)
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, 24 तिलक मार्ग, नई दिल्ली

निदेशक,
राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय, सदस्य(पदेन)
पुराना सीबीआई भवन, सीजीओ काम्पलैक्स,
लोधी रोड, नई दिल्ली 110003

संयुक्त सचिव या उनके नामिति, सदस्य(पदेन)
जनजातीय कार्य, मंत्रालय,
भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110 001

सचिव या उनके नामिति, सदस्य(पदेन)
संस्कृति विभाग, म.प्र. सरकार, मंत्रालय, भोपाल

सचिव या उनके नामिति, सदस्य(पदेन)
जनजातीय कल्याण विभाग, म.प्र. सरकार,
मंत्रालय, भोपाल

डॉ. प्रो. विजय शंकर सहाय, सदस्य
पूर्व विभागाध्यक्ष, मानव विज्ञान विभाग,
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

डॉ. शैलेन्द कुमार मिश्रा, सदस्य
सहायक प्रोफेसर, मानव विज्ञान विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रो. सरित. कुमार. चौधुरी, सदस्य
मानव विज्ञान विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर

निदेशक, सदस्य सचिव (पदेन)
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय,
शामला हिल्स, भोपाल-462002

Ex-officio members

Chief Executive Officer (CEO), Chairman(ex-officio)
Development of Museum and Cultural Spaces (DMCS),
Ministry of Culture, Government of India, New Delhi
**w.e.f. 6.12.2021, Secretary (Culture), GoI has been nominated as Chairman (Ex-officio)*

Joint Secretary, Vice-Chairman(ex-officio)
Ministry of Culture, Government of India,
Shastri Bhawan, New Delhi–110001

Director, Member(ex-officio)
Anthropological Survey of India
27, Jawaharlal Nehru Road,
Kolkata-700016

Financial Adviser or his nominee, Member(ex-officio)
Ministry of Culture, Govt. of India
Shastri Bhawan, New Delhi–110001

Director General or his nominee, Member(ex-officio)
Geological Survey of India
27, Jawaharlal Nehru Road, Kolkata-700016

Director General or his nominee, Member(ex-officio)
Archaeological Survey of India,
24 Tilak Marg, New Delhi-110001

Director, Member (ex-officio)
National Museum of Natural History
Old CBI Building, CGO Complex, Lodhi Road,
New Delhi–110003

Joint Secretary or his nominee, Member(ex-officio)
Ministry of Tribal Affairs, GoI
Shastri Bhawan, New Delhi-110001

Secretary,
Department of Culture, Member(ex-officio)
Govt. of Madhya Pradesh or his nominee
Mantralaya, Bhopal

Secretary, Member(ex-officio)
Department of Tribal Welfare,
Govt. of Madhya Pradesh or his nominee
Mantralaya, Bhopal

Dr. Prof. Vijay Shankar Sahay, Member
Ex. Head, Department of Anthropology,
University of Allahabad, Prayagraj

Dr. Shailender Kumar Mishra, Member
Asstt. Professor, Department of Anthropology,
University of Allahabad, Prayagraj

Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Member
Department of Anthropology, Rajiv Gandhi University,
Itanagar

Director, Member Secretary(ex-officio)
Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya,
Shamla Hills, Bhopal-462002

वित्त समिति के सदस्य
Members of the Finance Committee

वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली–110 001	**अध्यक्ष (पदेन)**	**Financial Adviser,** Ministry of Culture, Government of India, New Delhi-110001	**Chairman(ex-officio)**
संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली–110 001	**सदस्य (पदेन)**	**Joint Secretary,** Ministry of Culture, Government of India, New Delhi-110001	**Member(ex-officio)**
महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व विज्ञान सर्वेक्षण, नई दिल्ली–110 011	**सदस्य (पदेन)**	**Director General,** Archaeological Survey of India, New Delhi-110011	**Member(ex-officio)**
निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, 27, जवाहरलाल नेहरू रोड, कोलकाता–700 016	**सदस्य (पदेन)**	**Director,** Anthropological Survey of India, 27, Jawaharlal Nehru Road, Kolkata -700016	**Member(ex-officio)**
निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, शामला हिल्स, भोपाल – 462002	**सदस्य (पदेन)**	**Director,** Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Shamla Hills, Bhopal - 462002	**Member(ex-officio)**

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

आज़ादी का अमृत महोत्सव

स्वच्छ भारत अभियान

शामला हिल्स, भेपाल / Shamla Hills, Bhopal. MP- 462002 फोन/Phone: +91-755 - 2661458, +91-755 - 2526501 ईमेल/Email: directorigrms@gmail.com, dirigrms-mp@nic.in
फैक्स/Fax: +91-755-2665500 वेब/Web: www.igrms.gov.in